नैक

संस्थागत प्रत्यायन

विश्वविद्यालयों के लिए
स्व-अध्ययन रिपोर्ट
संबंधी नियम-पुस्तक

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का स्वायत्त संस्थान

NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL
(An Autonomous Institution of the University Grants Commission)

प्रस्तावना

यह प्रसन्नता का विषय है कि राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) ने मूल्यांकन और प्रत्यायन की अपनी प्रक्रियाओं में नवीन उत्साह को संचारित किया है। यह प्रयास नैक केसंकल्प की निरंतरता के रूप में किया गया है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन और प्रत्यायनप्रक्रियाएं उच्च शिक्षा के स्थानीय, क्षेत्रीय एवं वैश्विक परिदृश्यकीआवश्यकताओंव परिवर्तनों के अनुरूप हो। संशोधन प्रक्रिया का मुख्य आधारप्रत्यायन प्रक्रिया की रचनात्मक सुविधाओं को बढ़ाने और उन्हें अधिक सुदृढ़, उद्देश्यपूर्ण, पारदर्शी और मापनीय बनाने के साथ-साथ इसे आईसीटी-संचालित बनाना है। उपरोक्त के कारण अब मान्यता प्रक्रिया अवधि भी कम हुई है।

नैक द्वारा विभिन्न परामर्शकएवं विशेषज्ञ समूह की बैठकों से प्राप्त फीडबैकके कारण संशोधित प्रक्रियासंभव हो पाया, जिसमें विश्वविद्यालय और महाविद्यालय क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रख्यात शिक्षाविदभी सम्मिलित थे।इसके अतिरिक्त, नैक ने वेब के माध्यम से सभी हितधारकों से, विशेष रूप से मूल्यांकनकर्ताअन्योन्यक्रिया बैठकों (AIM) के दौरान शिक्षाविदों से प्रतिपुष्टि निवेदित की।संपूर्ण संशोधन प्रक्रिया के परिणामस्वरूप एक सुदृढ़ और व्यवहार्य मूल्यांकन और प्रत्यायन रूपरेखा विकासित हुआ, जो प्रौद्योगिकी-सक्षम और प्रयोक्ता अनुकूल सिद्ध हुआ है।अब मान्यता प्राप्त करने के इच्छुक उच्च शिक्षा संस्थानों (HEI) को प्रक्रिया में किए गए परिवर्तनों को समझने की आवश्यकता होगी।इस को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालयों, स्वायत्त महाविद्यालयों तथा संबद्ध/घटक महाविद्यालयों के लिए अलग से प्रकाशित होने वाले सभी नियमावली में संशोधन किया गया है।स्व-अध्ययन रिपोर्ट (SSR) मान्यता की पूरी प्रक्रिया का आधार है।कुछ मदों में अंतर करने के लिए विशेष प्रयास किए गए हैं ताकि उन्हें विभिन्न श्रेणियों के संस्थानों में उपयुक्त रूप से लागू किए जा सकें।ऐसा विश्वास है कि नियमावली उच्च शिक्षा संस्थानों को, मूल्यांकन और प्रत्यायन की संशोधित प्रक्रिया के अनुरूप तैयार होने में सहायक सिद्ध होगा। सदैव की भांति, नैक हर किसी की प्रतिपुष्टि को आमंत्रित करता है।

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

प्रत्यायन अभिकरण के साथ-साथ प्रत्यायन आवेदित संस्थानों के उत्तरदायित्व को बढ़ाने के प्रयास में, यह सलाह दी जाती है कि HEIs नैक के वेबसाइट पर उसके नवीनतम घटनाक्रमका अवलोकन करें।

इस नियमावली को विकसित करने में विशेषज्ञों और नैक के अधिकारियों/कर्मचारियों के योगदान को कृतज्ञतापूर्वकअभिस्वीकृत किया गया है।

अक्तूबर, 2020

बेंगलूरु

(डॉ. एस.सी.शर्मा)

निदेशक,नैक

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

विषय-सूची

पृष्ठ सं.

प्रस्तावना 2

खंड क: मूल्यांकन और प्रत्यायनहेतु दिशानिर्देश

I. परिचय 8

दृष्टि एवं लक्ष्य 9

मूल मंत्र 9

II. उच्च शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन और प्रत्यायन 13

संशोधित मूल्यांकन एवंप्रत्यायन (A&A) रूपरेखा 13

मूल्यांकन का केंद्रबिंदु 13

III. गुणवत्ता संकेतक रूपरेखा (QIF) – विवरण 15

IV. नैक द्वारा मूल्यांकन एवंप्रत्यायन हेतु पात्रता 33

V. मूल्यांकन प्रक्रिया 34

VI. प्रक्रियात्मक विवरण 37

VII. मूल्यांकन परिणाम 41

संस्थागतCGPA की गणना 42

VIII. संस्थागत अपील की प्रक्रिया 44

IX. पुनर्मूल्यांकन 44

X. प्रत्यायन अनुवर्ती साइकल 45

XI. शुल्क संरचना एवं अन्य वित्तीय प्रभाव 46

XII. स्व-अध्ययन रिपोर्ट (SSR) प्रस्तुत करने के लिए तैयार होना 48

XIII. HEI की वेबसाइट पर अनिवार्य प्रकटीकरण 50

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

खंड ख : स्व-अध्ययन रिपोर्ट (SSR) के लिए डेटा आवश्यकताएँ

1. कार्यकारी सारांश 52

2. विश्वविद्यालय की रूपरेखा का प्रोफाइल 53

3. विश्वविद्यालय का विस्तारित रूपरेखा 60

4. गुणवत्ता संकेतक रूपरेखा (QIF) 62

5. विभागों की मूल्यांकन रिपोर्ट 132

6. डेटाटेम्प्लेट/दस्तावेज़ मात्रात्मकमेट्रिक्स (QnM) 135

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

खंड ग: परिशिष्ट

1. परिशिष्ट1: शब्दावली और नोट्स 168

2. परिशिष्ट 2: संक्षिप्ताक्षर 182

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

खंड क

मूल्यांकन और प्रत्यायन हेतु दिशानिर्देश

प्रस्तुत खंड मूल्यांकन एवं प्रमुख संकेतकों हेतु मूल मंत्रों व मानदंड के आधार पर मूल्यांकन एवं प्रत्यायन के लिए नैक की रूपरेखा को प्रस्तुत करता है।इसके साथ ही, यह स्व-अध्ययन रिपोर्ट को ऑनलाइन भरने के लिए संस्थागत तैयारी, सहकर्मी मूल्यांकन एवं प्रत्यायन के अंतिम परिणाम का विवरण प्रस्तुत करता है। पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया, संस्थागत अपील की प्रक्रिया और अनुवर्ती चक्रों की मान्यता भी प्रस्तुत करता है।

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

I. परिचय

भारत, विश्व की सबसे बृहत एवं विविध शिक्षा प्रणालियों में से एक है। निजीकरण, व्यापक विस्तारण, वर्धितस्वायत्तताएवंनवीन व उभरते क्षेत्रों में कार्यक्रमों के समावेशनने उच्च शिक्षा अभिगम में व्यापक सुधार किया है।साथ ही, इसने उच्च शिक्षा की गुणवत्ता एवं प्रासंगिकता पर व्यापक आशंकाएं भी पैदा की हैं।इन आशंकाओं को दूर करने हेतुशिक्षा पर राष्ट्रीय नीति (NPE, 1986) एवं कार्रवाई कार्यक्रम (PoA, 1992) ने नीतियों हेतु युक्तिपूर्ण योजनाओं की व्याख्या की तथा एक स्वतंत्र राष्ट्रीय प्रत्यायन एजेंसी की स्थापना की हिमायत की।इसके फलस्वरूप, वर्ष 1994 में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) की स्थापना विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के एक स्वायत्त संस्थान के रूप में हुई, जिसका मुख्यालयबेंगलूरु, कर्नाटक में स्थित है।नैकका अधिदेश, उच्च शिक्षा संस्थानों (HEI) कीकार्य-पद्धति में गुणवत्ता आश्वासन को एक अभिन्न अंग बनाना तथाउन्हें अभ्यंतरमें एक सुदृढ़ गुणवत्ता संस्कृति बनाने हेतु प्रेरित करना है।

नैकअपनी सामान्य परिषद (GC) तथा कार्यकारी समिति (EC) के माध्यम से कार्य करता है जिसमें भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली के विभिन्न वर्गों के शैक्षिक प्रशासक, नीति निर्माता एवं वरिष्ठ शिक्षाविद सम्मिलित हैं।यूजीसी के अध्यक्ष नैकके GC अध्यक्ष होते हैं, तथाEC के अध्यक्ष, GC (NAAC) अध्यक्ष द्वारा नामित एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद होते हैं।नैकके निदेशक, नैकके शैक्षणिक एवं प्रशासनिक प्रमुख हैं वGC तथाEC दोनों के सदस्य-सचिव हैं।अपनी नीतियों को संचालित करने वाले सांविधिक निकायों के अतिरिक्त, समय-समय पर गठित विशेषज्ञ सलाहकार तथा परामर्शक समितियां एवं प्रमुख स्टाफ की प्रतिबद्ध टीम, नैक की गतिविधियों को समर्थित एवं संचालित करती है।

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

नैक की दृष्टि, लक्ष्य एवं मूल-मंत्र

नैक की दृष्टि:

स्वएवंबाह्य गुणवत्ता मूल्यांकन, संवर्धन तथा संपोषण पहलों के संयोजन से गुणवत्ता को भारत में उच्चतर शिक्षा का निर्धारिक तत्व बनाना।

नैक के लक्ष्य कथन:

- *उच्चतर शैक्षिक संस्थानों या उनकी इकाइयों, अथवा विशिष्ट शैक्षणिक कार्यक्रमों या परियोजनाओं के आवधिक मूल्यांकन एवं प्रत्ययन की व्यवस्था करना।*
- *उच्चतर शिक्षण संस्थानों में शिक्षण अधिगम तथा अनुसंधान – को बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक परिवेश को प्रोत्साहित करना।*
- *उच्चतर शिक्षा में स्वमूल्यांकन-, उत्तरदायित्व, स्वायत्तताएवं नवीनपद्धतियों को प्रोत्साहित करना।*
- *गुणवत्ता से संबंधित अनुसंधान अध्ययन, परामर्श और प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करना, एवं*
- *गुणवत्ता मूल्यांकन, संवर्धन एवं संपोषण के लिए उच्चतर शिक्षा के अन्य हितधारकों को सहयोग प्रदान करना।*

इन लक्ष्य कथनों का उद्देश्य नैक की दृष्टिको केंद्रस्थ कार्य योजनाओं में परिवर्तित करना है, एवं उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ नैक के वचनबद्धता को परिभाषित करना है ताकि उनमें एक गुणवत्ता संस्कृति कोप्रारंभकिया जा सके।अपने दृश्य एवं लक्ष्य कथनों द्वारा निर्देशित अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास करते हुए, नैक का ध्यान मुख्यतः देश में उच्च शिक्षा संस्थानों की गुणवत्ता के मूल्यांकन पर केंद्रित है।मूल्यांकन एवं प्रत्यायन के लिए नैक पद्धति का अभिकल्पन विशेष रूप से विश्व-भर में गुणवत्ता आश्वासन (QA) एजेंसियों की श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है जिसमें संस्थान द्वारा प्रारंभिक स्व-मूल्यांकन एवंनैक द्वारा आयोजित बाह्य सहकर्मी मूल्यांकन सम्मिलित है।

नैक का मूल-मंत्र

विश्व भर में, उच्च शिक्षा संस्थान (HEI) एक गतिशील वातावरण में कार्य करते हैं। देश में उच्च शिक्षा प्रणाली के विस्तारण की आवश्यकता, शैक्षिक वितरण पर आधुनिक प्रौद्योगिकी के प्रभाव, उच्च शिक्षा में निजी सहभागिता में वृद्धि एवंवैश्वीकरण के प्रभाव (उदार सीमा-पार तथा अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक अनिवार्यताओं सहित) को ध्यान में रखते हुए, नैक ने भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली में उल्लेखनीय परिवर्तन की परिकल्पना की है। नैक ने अपने मूल-मंत्रों को तैयार करते समय इन परिवर्तनों एवं मूल्यों में परिणामी परिवर्तनों को संज्ञान

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

में लिया है।तदनुसार, बाह्यतथा आंतरिक सत्यनिष्ठा, वैधता एवं विश्वसनीयता को सुनिश्चित करने हेतु, नैक की QA प्रक्रिया मूल्य रूपरेखा के भीतर आधारित है, जो राष्ट्रीय संदर्भ के लिए उपयुक्त एवं संगत है।

नैक की प्रत्यायन रूपरेखा **पांच मूल-मंत्रों** पर आधारित है, जिसका विवरण निम्नलिखित है:

(i) राष्ट्रीय विकास में योगदान देना

अधिकांश उच्च शिक्षा संस्थानों में परिवर्तनों के अनुकूल होने एवं साथ ही उन लक्ष्यों तथा उद्देश्यों के अनुसरण की उल्लेखनीय क्षमता है, जो उन्होंने अपने लिए निर्धारित किए हैं। हमेशा से ही राष्ट्रीय विकास में योगदान देना, भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों का निहित लक्ष्य रहा है। उच्च शिक्षा संस्थानों की भूमिका मानव संसाधन विकास एवं व्यक्तियों की क्षमता निर्माण, अर्थव्यवस्था, समाज तथा पूरे देश की आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु में बहुत महत्वपूर्ण है, जिससे राष्ट्र के विकास में योगदान मिलता है। सामाजिक न्याय के उद्देश्य हेतुसेवारतहोना, समानता सुनिश्चित करना एवं उच्च शिक्षा केअभिगमको बढ़ाना आदि कुछ ऐसे विधियाँ हैं, जिनके द्वारा उच्च शिक्षा संस्थान, राष्ट्रीय विकास में योगदान दे सकते हैं। इसलिए यह संगत है कि नैक की मूल्यांकन एवं प्रत्यायन (A&A) प्रक्रिया उन विधियों पर गौर करें जिन पर उच्च शिक्षा संस्थान राष्ट्रीय विकास के प्रति अपनी प्रतिक्रिया एवं योगदान दे रहे हैं।

(ii) छात्रों के बीच वैश्विक सामर्थ्य को प्रोत्साहित करना

वैश्विक स्तर पर बढ़ते शैक्षणिक, तकनीकी एवंप्रौद्योगिकीय विकास यह भी सुनिश्चित करते हैं कि नैक छात्रों के मूल्यांकन कौशल विकास के अपने कार्यक्षेत्र को विश्व भर के एवं अपने समकक्षों के बराबर विकसित करें।आर्थिक गतिविधियों के उदारीकरणतथावैश्वीकरण के कारण, उच्च क्षमता के कुशल मानव संसाधन को विकसित करना अनिवार्य हो गया है। फलस्वरूप, उच्च शिक्षा में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की स्वीकार्य मानकों की मांग अंतर्निहित है।अतः, नैक की प्रत्यायन प्रक्रिया को वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने के लिए मूल क्षमता को प्राप्त करने के लिए छात्रों को तैयार करने में उच्च शिक्षा संस्थान की भूमिका को परीक्षण करने की आवश्यकता है।इसके लिए अनिवार्य है कि उच्च शिक्षा संस्थान अपने उपागम में नवीन, रचनात्मक तथा उद्यमशील हों। इसे प्राप्त करने की दिशा में, उच्च शिक्षा संस्थान, उद्योगों के साथ सहयोग स्थापित कर सकते हैं, पड़ोसी एजेंसियों/निकायों के साथ नेटवर्क स्थापित कर सकते हैं एवं "सक्षम-शिक्षण संसार" तथा "कुशल कार्य संसार " के मध्य घनिष्ठ संबंध को प्रोत्साहित कर सकते हैं।

(iii) छात्रों के मध्य मूल्य प्रणाली बढ़ाना

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

हालांकि नौकरी के बाजार में छात्रों की सफलता के लिए कौशल विकास महत्वपूर्ण है, उपयुक्त मूल्य प्रणालियों के अभाव में कौशल का मूल्य कम हो जाता है।उच्च शिक्षा संस्थानों को छात्रों के मध्य वांछनीय मूल्य प्रणाली विकसित करने का दायित्व उठाना होगा।भारत जैसे देश में, सांस्कृतिक बहुलताओंएवं विविधताओं के साथ, यह आवश्यक है कि छात्र स्थानीय, राष्ट्रीय तथा सार्वभौमिक स्तरों पर सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक वपर्यावरणीय वास्तविकताओं के अनुरूप उपयुक्त मूल्यों को आत्मसात करें।देश में जो भी बहुलताएंएवं विविधताएं उपस्थित हैं, देश के विभिन्न नीति दस्तावेजों में अन्य मूल्यों के अतिरिक्त, सत्य और नीतिपरायणता जैसे मूल सार्वभौमिक मूल्यों को विकसित करने पर जोर दिया गया है।शिक्षा के प्रारंभिक चरणों के दौरान सहयोग वपारस्परिक समझ तथा उच्च शिक्षा स्तर पर उपयुक्तअध्ययन अनुभवों एवं अवसरों के माध्यम से मूल्यों को दोहरातेहुए प्रमुखता प्रदान करना होगा।इसलिए नैकमूल्यांकन इस तथ्यों का अध्ययन करता है कि उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा इन आवश्यक एवं वांछनीय मूल्यों को छात्रों में कैसे विकसित किया जाए।

(iv) प्रौद्योगिकी के प्रयोग को प्रोत्साहन देना

जो आज अधिकांश महत्वपूर्ण विकास देखे जा सकते हैं, उसका सारा श्रेय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को जाता है।दैनिक जीवन में आधुनिक उपकरणों एवंप्रौद्योगिकीयनवाचारों केप्रयोग के लाभ पूर्ण रूप से अभिज्ञात है, तथापि उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षण-अधिगम एवंअभिशासन के लिए नई प्रौद्योगिकियों के प्रयोग में संगत परिवर्तनवांछनीय है। सभी उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा शैक्षणिक विकास के साथ-साथ प्रशासन पर प्रत्यक्ष प्रभाव हेतु शैक्षिक अंतर्व्यवहार में प्रौद्योगिकीय प्रगति एवंनवाचार किए जाने चाहिए।ऐसे समय में जब हमारे शैक्षणिक संस्थानों से वैश्विक साझेदारों की तरह अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद की जाती है, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकीयनवाचारों को अपनाया जाना चाहिए।उच्च शिक्षा प्रदान करने की पारंपरिक विधियाँ अब छात्रों के लिए कम प्रेरक सिद्ध हो रहे हैं।मानव प्रयत्न के अन्य क्षेत्रों में विकास सहित सामंजस्य बनाए रखने के लिए, उच्च शिक्षा संस्थानों को अपने छात्रों के अध्ययन अनुभवों को अत्याधुनिक शैक्षिक प्रौद्योगिकियों के साथ प्रदान करते उन्हें समृद्ध करना होगा।सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) केइष्टतमप्रयोग के लिए परिसर समुदाय को पर्याप्त रूप से तैयार किया जाना चाहिए।हार्डवेयर निवेश एवं संकाय को उपयुक्त रूप से उन्मुख करने हेतु सचेत प्रयास अनिवार्य है।

प्रभावी संस्थागत कार्य के लिए अध्ययन संसाधन के रूप में प्रौद्योगिकी के प्रयोग के अतिरिक्त, संस्थान की गतिविधियों को प्रौद्योगिकी-सक्षम तरीके से प्रबंधित करना होगा।उदाहरण के लिए, उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रलेखनतथाडेटा प्रबंधन ऐसे क्षेत्र हैं जहां नैक द्वारा मूल्यांकन की प्रक्रिया ने महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है।इलेक्ट्रॉनिकडेटा प्रबंधन की प्रोत्साहित करते हुए एवं हितधारकों को तैयार करने तथा संबंधित जानकारी प्रदान करने के लिए संस्थागत वेबसाइट होना वांछनीय कदम हैं। अन्य शब्दों में, उच्च शिक्षा संस्थानों में ICT का प्रभावी प्रयोग, संसाधन साझेदारी एवं नेटवर्किंग के लिए ICT के प्रयोग के साथ-साथ ICT -सक्षम प्रशासनिक प्रक्रियाओं को अपनाने के लिए परिसर समुदाय को ICT साक्षरता प्रदान करने में समर्थ होगा।इसलिए, नैकमूल्यांकन इस पर गौर करेगा कि उच्च शिक्षा संस्थानों ने अपनी इलेक्ट्रॉनिकडेटा प्रबंधन

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिक संसाधन तथा आंतरिक एवं बाह्यहितधारकों, विशेष रूप से छात्र समुदाय तक उनकी पहुंच कैसे स्थापित की है।

(v) उत्कृष्टता अनुसरण

छात्रों के राष्ट्र निर्माण तथा कौशल विकास में योगदान को सुनिश्चित करने के लिए, उच्च शिक्षा संस्थानों को स्वयं उत्कृष्टता केंद्रों के रूप में विकसित करने हेतु प्रयासरत होना चाहिए।वे जो कुछ भी करेंगे, उसमें उत्कृष्टता समग्र रूप से देश की उच्च शिक्षा प्रणाली के समग्र विकास में योगदान देगी। यह 'उत्कृष्टता अनुसरण' किसी संस्थान के स्व-अध्ययन रिपोर्ट (SSR) तैयार करने एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) तथा संचालन समिति की स्थापना द्वारा मूल्यांकन के साथ या उससे पूर्व भी प्रारंभ हो सकती है। इस दिशा में एक और कदम हो सकता है - संस्थान के गुणवत्ता अंतर विश्लेषण तथाSWOC विश्लेषण के माध्यम से संस्थान द्वारा किए गए शिक्षण वअध्ययन प्रक्रियाओं में सामर्थ्यएवं दोष की पहचान।

उपरोक्त पांच मूलमंत्र, उन उच्च शिक्षा संस्थानों के मूल्यांकन की नींव हैं, जो नैक द्वारा मूल्यांकन एवंप्रत्यायन प्राप्ति के लिए निवेदित करते हैं।संस्थान के लक्ष्यों एवं ध्येय के अनुरूप उच्च शिक्षा संस्थान अपने स्वयं के मूलमंत्रों को नैक के मूल्यों से जोड़ सकते हैं।

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

II. उच्च शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन एवं प्रत्यायन

नैक पिछले दो दशकों से भी अधिक समय से उच्च शिक्षा संस्थानों के गुणवत्ता मूल्यांकन एवंप्रत्यायन की प्रक्रिया का निर्वाह कर रहा है।कई उच्च शिक्षा संस्थान इस प्रक्रिया से गुजर चुके हैं एवं इनमें बड़ी संख्या प्रत्यायनके अनुवर्ती चक्रों की प्रक्रिया से भी अवगत हो चुके हैं। बाह्य संसार में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में समग्र विकास के अनुरूप उच्च शिक्षा संस्थानों में गुणवत्ता संस्कृति को प्रोत्साहित करने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, नैक अपनी प्रक्रियाओं में इन्हें पर्याप्त रूप से प्रतिबिंबित करने के लिए प्रयासरत है। नैक की A&A प्रक्रिया, मूल्यांकन किए जा रहे उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ साझेदारी से संपन्न हो रहा है।जैसा कि अब तक ज्ञात है, नैक की A&A प्रक्रिया का संशोधन ऐसी साझेदारी को प्रोत्साहित करने का प्रयास है।इतने वर्षों में, उच्च शिक्षा संस्थानों एवं अन्य हितधारकों से प्राप्त प्रतिपुष्टि के साथ-साथ HE के राष्ट्रीय परिदृश्य में विकास ने प्रक्रिया में उचित संशोधन करने में योगदान दिया है ताकि अधिक दृढ़ता के साथ प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके।

संशोधित मूल्यांकन एवंप्रत्यायन (A&A) रूपरेखा

संशोधित मूल्यांकन एवंप्रत्यायन (A&A) रूपरेखा को जुलाई 2017 में प्रारंभ किया गया।यह एक सुस्पष्ट परिप्रेक्ष्य परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करता है, जो इसे ICT-सक्षम, उद्देश्य, पारदर्शी, मापनीय और सुदृढ़ बनाता है। यह परिवर्तन है :

- निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सहित पिछले गुणात्मक सहकर्मी निर्णय से डेटा आधारित मात्रात्मक संकेतक मूल्यांकन में वृद्धि
- मापनीयताएवं सुदृढ़ता की पुष्टि करने वाले ICT का व्यापक उपयोग।
- प्रक्रिया सरलीकरण के संदर्भ में, प्रश्न संख्या में भारी कमी, स्व अध्ययन रिपोर्ट के आकार में कटौती, सहकर्मी टीम के दौरे के दिनों की संख्या में कमी।
- गुणवत्ता सुधार उपकरण के रूप में मानदंड को प्रोत्साहित करना। अन्य अंतर्राष्ट्रीय QA रूपरेखाओं के साथ नैकसंकेतकों की तुलना के द्वारा प्रयास जारी है।
- ऑनलाइन मूल्यांकन (लगभग 70%) और सहकर्मी निर्णय (लगभग 30%) के संयोजन सहित प्रणाली द्वारा प्रदत्त अंक (SGS) प्रारंभ करना
- समकक्ष टीम के दौरे से पहले प्री-क्वालीफायर की शुरुआत, SGSके 25% के रूप में।
- डेटा के तीसरे पक्ष के सत्यापन तत्व को प्रस्तुत करना।
- विश्वविद्यालयों, स्वायत्त महाविद्यालयों एवं संबद्ध/घटक कॉलेजों के मध्य मेट्रिक्स, वेटेज और मानदंड में उचित अंतर प्रदान करना।
- मूल्यांकन प्रक्रिया में छात्रों एवं पूर्व छात्रों की भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए कई मेट्रिक्स में संशोधित करना।

मूल्यांकन केंद्र-बिंदु

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

गुणवत्ता पहल, गुणवत्ता पोषण एवं गुणवत्ता संवर्धन के संदर्भ मेंनैक का अभिप्रेरण, संस्थान की गुणवत्ता संस्कृति के मूल्यांकन की दिशा में जारी है, जो इसके दृष्टि, संगठन, संचालन एवं प्रक्रियाओं में निरूपित है।अनुभव से यह ज्ञात होता कि इन्हें साइटप्रेक्षण एवं/या संस्थागत कार्य के विभिन्न पहलुओं के बारे में तथ्यों व आंकड़ों के माध्यम सेनिर्धारित किया जा सकता है। संशोधित नियमावली आंतरिक संस्थागत प्रक्रियाओं को प्रतिबिंबित करने वाले उत्तरवर्ती की तुलना में अधिक विश्वास उत्पन्न करता है।

नैक के इस अभिशंसा के अनुरूप कि गुणवत्ता संबंधी विषय संस्थागत हैं, गुणवत्ता मूल्यांकन (QA) स्व-मूल्यांकन, स्व-मूल्यांकन प्रक्रिया के माध्यम से उन्नत उपायों से किया जा सकता है एवं नैक को प्रस्तुत किए जाने वाले स्व अध्ययन रिपोर्ट (SSR) की तैयारी में सभी हितधारक - प्रबंधन, संकाय सदस्य, प्रशासनिक कर्मचारी, छात्र, माता-पिता, नियोक्ता, समुदाय तथा पूर्व छात्र की भागीदारी सम्मिलित है।यद्यपि आंतरिक हितधारक यानी प्रबंधन, कर्मचारियों व छात्रों की भागीदारी गतिविधि को विश्वसनीयता एवं स्वामित्व प्रदान करती है तथा इससे नई शुरुआत हो सकती है, बाह्यहितधारकों के साथ अंतःक्रिया से संस्थान तथा उनकी शैक्षिक सेवाओं के विकास में भी सहायता मिलेगी।कुल मिलाकर, QA से संस्थागतआत्मसुधार, नवाचार को प्रोत्साहन देने और उत्कृष्टता की प्रेरणा को सुदृढ़ करने के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करने की उम्मीद है।

A&A की पूरी प्रक्रिया के डिजिटल क्षेत्र को बढ़ाने का प्रयास किया गया है। ऐसा विचार है कि यह न केवल प्रक्रिया में तेजी लाएगा बल्कि प्रक्रिया में अधिक निष्पक्षता भी लाएगा।

उच्च शिक्षा संस्थानों के संबंध में आवश्यक संभावित अंतर, जो A&A के बाद के चक्रों के लिए आवेदन कर रहे हैं, उनके लिए प्रक्रिया में उचित अवसर प्रदान किए गए है। यह उच्च शिक्षा संस्थानों को गत A&A चक्रों के बाद उनके द्वारा किए गए विकास को उचित रूप से प्रतिनिधित्व करने की अनुमति देगा।

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

III. गुणवत्ता संकेतक रूपरेखा (QIF) – विवरण

मानदंड-आधारित मूल्यांकन NAAC की A&A प्रक्रिया का आधार हैं। सात मानदंड उच्च शिक्षा संस्थानों के कार्यों एवं गतिविधियों के मुख्य क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं। संशोधित रूपरेखा में न केवल संस्थागत कार्य के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक पहलुओं बल्कि उभरते विषयों को भी सम्मिलित किया गया है। उच्च शिक्षा संस्थानों के मूल्यांकन के आधार के लिए सात मानदंड हैं:

मापदंड 1: पाठ्यक्रम पहलू

मापदंड 2: अध्यापन-अध्ययन एवं मूल्यांकन

मापदंड 3: अनुसंधान, नवाचार एवं विस्तार

मापदंड 4: आधारभूत सुविधाएँ एवं अध्ययन संसाधन

मापदंड 5: छात्र सहायता एवं प्रगति

मापदंड 6: प्रशासन, नेतृत्व एवं प्रबंधन

मापदंड 7: संस्थागत मूल्य एवं सर्वोत्तम प्रथाएं

प्रत्येक मापदंड के अंतर्गत कुछ प्रमुख संकेतक (KIs) की पहचान की जाती है। इन प्रमुख संकेतकों को आगे मेट्रिक्स के रूप में चित्रित किया गया है, जो वास्तव में उच्च शिक्षा संस्थानों से प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए हैं। इन सात मापदंडोंसहित इनके पहलुओं की व्याख्या निम्नलिखित हैं

मापदंड 1: पाठ्यक्रम पहलू

पाठ्यक्रम के पहलू किसी भी शैक्षिक संस्थान के मुख्य आधार हैं।तथापि, इस संबंध में विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों के दायित्व उनकी प्रशासनिक स्थिति के आधार पर भिन्न होते हैं। अर्थात्, एक संबद्ध महाविद्यालय अनिवार्य रूप से शिक्षण इकाई है, जो अपनी शैक्षणिक एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं को वैध बनाने के लिए एक बड़े निकाय अर्थात् विश्वविद्यालय पर निर्भर होते हैं। पाठ्यक्रम पहलुओं में इनकी प्रतिबद्धता मुख्यतःपाठ्यक्रम विकास में इनकी भागीदारी, प्रक्रियात्मक ब्यौरा, मूल्यांकन प्रक्रियाओं सहित प्रमाण पत्र परिधीय है। विश्वविद्यालय को विशेष कार्यक्रमों के लिए उपयुक्त पाठ्यक्रम को दृष्टिगत करने, उन्हें समय-समय पर संशोधित/अद्यतन करने, यह सुनिश्चित करने का अधिकार है कि उनके कार्यक्रमों के परिणाम उनके निकायों द्वारा परिभाषित हैं, परंतु संबद्ध/घटक महाविद्यालयों को यह स्वतंत्रता नहीं है। स्वायत्त महाविद्यालयों के मामले में, पाठ्यक्रम संबंधी दायित्व विश्वविद्यालयों के समान होते हैं।

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

मापदंड 1 का संबंध संस्थान की प्रथाओं, कार्यक्रम विकल्पों एवं पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला शुरू करने से है, जो उभरते हुए राष्ट्रीय एवं वैश्विक रुझानों के अनुरूप हो और स्थानीय आवश्यकताओं के लिए प्रासंगिक हो। विविधता और अकादमिक लचीलेपन के मुद्दों के अतिरिक्त, जीविका उन्मुखीकरण, बहु-कौशल विकास, प्रतिक्रिया प्रणाली और पाठ्यक्रम अद्यतन में हितधारकों की भागीदारी के पहलुओं का भी मूल्यांकन किया जाता है।

मापदंड 1 के केंद्रबिंदु निम्नलिखित प्रमुख संकेतकों में से प्राप्त किया गया है:

प्रमुख संकेतक

1.1*(U) -पाठ्यक्रम अभिकल्पन एवं विकास

1.1*(A) - पाठ्यक्रम योजना एवं कार्यान्वयन

1.2 शैक्षणिक लचीलापन

1.3 पाठ्यक्रम समृद्धि

1.4 प्रतिपुष्टि प्रणाली

*(U) - केवल विश्वविद्यालयों एवं स्वायत्त महाविद्यालयों के लिए लागू

*(A) - केवल संबद्ध/घटक महाविद्यालयों के लिए लागू

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

1.1 *(U) पाठ्यक्रम अभिकल्पन एवं विकास

विश्वविद्यालयों तथा स्वायत्त महाविद्यालयों के महत्वपूर्ण दायित्वों में से एक पाठ्यक्रम अभिकल्पन एवं विकास है व और उनसे इस दायित्वों को निभाने के लिए प्रक्रियाओं, प्रणालियों और संरचनाओं की अपेक्षा की जाती है। पाठ्यक्रम अभिकल्पन एवं विकास विशेषज्ञ समूहों के परामर्श से और हितधारकों की प्रतिपुष्टि के आधार पर उपयुक्त आवश्यकता-आधारित आगत विकसित करने की एक जटिल प्रक्रिया है। इसके फलस्वरूप छात्रों की पेशेवर और व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुरूप लचीलेपन के साथ प्रासंगिक कार्यक्रमों का विकास होता है और मूलमंत्रों की प्राप्ति होती है। प्रमुख संकेतक (KIs), स्थानीय आवश्यकताओं के लिए तथा उभरते राष्ट्रीय और वैश्विक रुझानों के अनुरूप कार्यक्रम विकल्पों एवं पाठ्यक्रमों की श्रृंखला प्रारंभ करने में संस्थान की सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं पर भी विचार करते हैं।

विश्वविद्यालय/स्वायत्त महाविद्यालयों द्वारा विकसित पाठ्यक्रम में कार्यक्रम परिणाम (POs), कार्यक्रम विशिष्ट परिणाम (PSOs) और पाठ्यक्रम परिणाम (COs) सम्मिलित हैं। प्रत्येक विषय (पाठ्यक्रम) में पाठ्यक्रमों की मूल रूपरेखा, कार्यान्वयन के संगठनात्मक विवरण के साथ-साथ छात्र के प्रदर्शन के मूल्यांकन से PSOs और COs की प्राप्ति होती है। इस संबंध में विश्वविद्यालय/स्वायत्त महाविद्यालय द्वारा किए गए संशोधन, अद्यतन, उभरते मुद्दों आदि को सम्मिलित करने के प्रयासों में गुणवत्ता तत्व परिलक्षित होते हैं। विश्वविद्यालय/स्वायत्त महाविद्यालय द्वारा तैयार पाठ्यक्रम रोजगार योग्यता, उद्यमशीलता और कौशल विकास पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं। POs, PSOs, COs को संस्थागत वेबसाइट पर अपलोड किया जा सकता है।

1.1 *(A) पाठ्यक्रम योजना एवं कार्यान्वयन

पाठ्यक्रम अभिकल्पन एवं विकास में संबद्ध/घटक महाविद्यालयों की भूमिका गौण होती है। वे संबंधित विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदत्त पाठ्यक्रम प्रारूप को अपनाते हैं। प्रत्येक महाविद्यालय अपनी संसाधन क्षमता, संस्थागत लक्ष्यों, चिंताओं आदि के आधार पर, अपने तरीके से प्रदत्त समग्र संरचनाओं के भीतर पाठ्यक्रम का संचालन करते हैं। प्रत्येक महाविद्यालय पाठ्यक्रम को किस तरह से संचालित करना है अर्थात् - गतिविधियाँ, कौन, कैसे, कब आदि पर विचार करते हैं। यह प्रक्रिया प्रत्येक संस्थान को अद्वितीय बनाती है एवं गुणवत्ता के लिए महाविद्यालय के प्रयोजन पर बल देती है, संवेदनशीलता पर ध्यान केंद्रित करती है।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

शैक्षणिक लचीलेपन से आशय है पाठ्यक्रमों की समय-सीमा, क्षैतिज गतिशीलता, अंतर-अनुशासनात्मक विकल्पों एवं अन्य के उपयोग में स्वतंत्रता, जो पाठ्यक्रम लेनदेन द्वारा सुगम होता है। इस प्रमुख संकेतक में महाविद्यालय की पहल के रूप में प्रारंभ किए गए पूरक संवर्धन कार्यक्रम, क्रेडिट प्रणाली एवं पाठ्यक्रम में प्रस्तुत किए गए विकल्प, कार्यक्रम के संदर्भ में, पाठ्यक्रम लेनदेन एवं समय-सीमा के विकल्प पर विचार किया जाता है।

1.3 पाठ्यक्रम समृद्धि

पाठ्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य छात्रों का समग्र विकास है। तथापि इसका प्रयास गतिशील और अद्यतन पाठ्यक्रम आगत को निर्धारित करने के माध्यम से किया जाता है, उच्च शिक्षा संस्थानों से अपेक्षा की जाती है कि वे अतिरिक्त पाठ्यक्रमों एवं गतिविधियों का प्रावधान करें, जो सीधे किसी के अध्ययन के अनुशासन से न जुड़े हो , परंतु छात्रों को वर्तमान एवं वर्तमान से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों यथा लिंग, पर्यावरण और स्थिरता, मानवीय मूल्य, पेशेवर नैतिकता, और रचनात्मक एवं भिन्न दक्षताओं के विकास जैसे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विषयों के प्रति संवेदनशील करने में योगदान देते हों। प्रगतिशील विश्वविद्यालय छात्रों को उनकी रुचि एवं प्रवृत्ति के अनुसार "मूल्य वर्धित" पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला के चुनाव का विकल्प प्रदान करते हैं।

1.4 प्रतिपुष्टि प्रणाली

पाठ्यक्रम के पुनरीक्षणएवं पुनर्रचना की प्रक्रिया हाल के घटनाक्रमों और हितधारकों की प्रतिपुष्टि पर आधारित होता है। सभी हितधारकों की प्रतिपुष्टि समाज, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण की आवश्यकताओं को पूरा करने में इनकी प्रासंगिकताएवं उपयुक्तता के संदर्भ में आगत में सुधार करने में सहायक होती है।

प्रतिपुष्टि प्रणाली वाले उच्च शिक्षा संस्थान न केवल सभी हितधारकों से प्रतिपुष्टि एकत्र करते हैं, बल्कि इसका विश्लेषण करतें हैं एवं अध्ययन प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए प्रासंगिक संकेतकों की पहचान और चित्रांकन भी करते हैं।

मापदंड 2: - अध्यापन-अध्ययन एवं मूल्यांकन

मापदंड 2,संस्थान के प्रभावी शिक्षण-अध्ययन अनुभवों के माध्यम से विभिन्न पृष्ठभूमि एवं क्षमताओं के छात्रों को सेवा प्रदान करने हेतु किए गए प्रयासों से संबंधित है।संवादात्मकनिर्देशात्मक तकनीक, जो छात्रों को साक्षात्कार, केंद्रित समूह चर्चा, वाद-विवाद, परियोजनाओं, प्रस्तुतियों, प्रयोगों, अभ्यास, प्रशिक्षुता और ICT संसाधनों के उपयोग के माध्यम से उच्च क्रम 'सोच' और जांच में कार्यमग्न करती हैं बहुत ही महत्वपूर्ण विचार सिद्ध हुए हैं। यह कार्यक्रमों को संचालित करने वाले संकाय की पर्याप्तता, क्षमता सहित

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

अध्ययन के निरंतर व्यावसायिक विकास की भी जांच करता है। इस मापदंड का एक प्रमुख उद्देश्य शिक्षकों एवं छात्रों के कार्य–निष्पादन के लगातार मूल्यांकन हेतु उपयोग की जाने वाली तकनीकों की दक्षताभी है।

मापदंड 2के केंद्रबिंदु निम्नलिखित प्रमुख संकेतकों में से प्राप्त किया गया है:

प्रमुख संकेतक

2.1 छात्र नामांकन एवं प्रोफाइल

2.2 छात्र विविधता की आवश्यकताओं को पूर्ण करना

2.3 शिक्षण–अध्ययन प्रक्रिया

2.4 शिक्षकप्रोफाइल तथा गुणवत्ता

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया एवं सुधार

2.6 छात्र कार्य–निष्पादन एवं अध्ययन के परिणाम

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

2.1 छात्र नामांकन एवंप्रोफाइल

कार्यक्रमों में छात्रों के प्रवेश की प्रक्रिया एक पारदर्शी, सुव्यवस्थित तंत्र के माध्यम से होती है, जो राज्य एवं केंद्र सरकार की संबंधित नियामक/अधिशासी एजेंसियों के सभी मापदंडों का अनुपालन करती है।इन अनिवार्य अनुपालनों के अतिरिक्त, संस्थान को विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों और सामाजिक–आर्थिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक पृष्ठभूमि से छात्र समुदाय को प्रतिनिधित्व प्रदान करने में समानता और व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अपने प्रयास करने चाहिए।ये छात्र प्रोफाइल में परिलक्षित होंगे।

2.2 छात्र विविधता की आवश्यकताओं को पूर्ण करना

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

उच्च शिक्षा संस्थानों को चाहिए कि वे पिछड़े वर्गों के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों सहित विविध पृष्ठभूमि के छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करें। उन्हें विशेष वर्गों के छात्रों को आकर्षित करने के लिए विशेष प्रयास करने चाहिए, उनके अध्ययन स्तर के प्रारंभिक मूल्यांकन द्वारा विशेष अध्ययन की आवश्यकताओं तक पहुंचें, इसके अतिरिक्त संस्थान ऐसे छात्रों के लिए उनके कार्यकाल के वर्षों में संभावित भिन्नताओं को समझने के अलावा और कैसे और क्या किया जाए इस पर विचार करना चाहिए। एक-लिंग (महिला/पुरुष) संस्थानों में छात्रों को अन्य लिंगों के बारे में जागरूक करने हेतु स्पष्ट प्रयास किए जाने चाहिए।

2.3 शिक्षण-अध्ययन प्रक्रिया

छात्रों की पृष्ठभूमि, क्षमता एवं अन्य व्यक्तिगत विशेषताओं के संबंध में, उनकी विविधता उनके सीखने की सीमा को प्रभावित करेंगी। संस्था के शिक्षण-अध्ययन के तौर-तरीकों को छात्र समूह के लिए प्रासंगिक बनाया जाना चाहिए। सहभागिता अध्ययन, अनुभवात्मक अध्ययन, सहयोगात्मक अध्ययन और स्व-शिक्षण विधियों जैसी उपयुक्त विधियों के माध्यम से छात्र-केंद्रित शिक्षा प्रभावी अध्ययन की सुविधा प्रदान करती है।शिक्षकों को व्यक्तिगत और सहयोगी शिक्षण सहित विभिन्न प्रकार के शिक्षण अनुभव प्रदान करने चाहिए।अंतःक्रियात्मक एवं सहभागी दृष्टिकोण, यदि प्रयुक्त हो, तो शिक्षार्थियों में जिम्मेदारी की भावना पैदा करते हैं व शिक्षण को ज्ञान निर्माण की प्रक्रिया बनाते हैं।उपलब्ध विशाल डिजिटल संसाधन अध्ययन को अधिक व्यक्तिगत, रचनात्मक एवं गतिशील बनाते हैं।संस्थान में प्रदत्त शिक्षा गुणवत्ता काफी हद तक वर्तमान में उपलब्ध प्रौद्योगिकी समर्थन के साथ-साथ शिक्षण-अध्ययन को समृद्ध करने के लिए ऐसे शिक्षण संसाधनों को विकसित करने की पहल, शिक्षण प्रबंधन प्रणाली (एलएमएस), अन्य ई-संसाधनों के साथ शिक्षकों की तत्परताव उन्हें शिक्षण-अध्ययन योजना में सार्थक रूप से कैसे सम्मिलित किया जाए आदि पर निर्भर करती है।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइलएवं गुणवत्ता

"शिक्षक गुणवत्ता" शिक्षकों की योग्यता एवं विशिष्टता, संस्थागतभर्ती प्रक्रियाओं की पर्याप्तता व संकाय उपलब्धता, व्यावसायिक विकास एवं शिक्षण क्षमताओं की मान्यता के संदर्भ में शिक्षकों की गुणवत्ता को इंगित करने के लिए एक संयुक्त शब्द है। शिक्षकों को अध्ययन हेतु प्रयत्न करते रहना चाहिए व मूल एवं सहायक विषयों में नवीनतम विकास के साथ तालमेल स्थापित करना चाहिए, नवपरिवर्तन लाने चाहिए, अपने कार्यनिष्पादन में निरंतर सुधार लाना चाहिए और व्यक्तिगत और संस्थागत उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना चाहिए।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया एवं सुधार

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

यह प्रमुख संकेतक, प्रणाली की दक्षता व प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए शिक्षण, अध्ययन एवं मूल्यांकन प्रक्रियाओं और सुधारों के मूल्यांकन से संबंधित विषयों को देखता है। मूल्यांकन का उद्देश्य विकास-प्रेरक प्रतिपुष्टि प्रदान करना है।छात्रों की क्षमता को बढ़ाने के लिए मूल्यांकन का गुणात्मक आयाम इसके उपयोग में है। अभिनव मूल्यांकन प्रक्रिया, कार्यक्रमों के विभिन्न स्तरों पर शिक्षार्थियों द्वारा अर्जित ज्ञान एवं कौशल का आकलन करना है।

इन विनिर्देशों को PSOs एवं COs के रूप में वर्णित किया गया है। उच्च शिक्षा संस्थानों में मूल्यांकन प्रक्रिया की गुणवत्ता इस बात पर निर्भर करती है कि परीक्षा प्रणाली वास्तव में PSOs एवं COs, प्रश्नों की गुणवत्ता, प्रणाली में पारदर्शिता परिमाण, विकास-प्रेरक प्रतिक्रिया प्रणाली परिमाण, परीक्षाओं के संचालन में नियमितता और घोषणा परिणामों के साथ-साथ संभावित त्रुटियों (यदि कोई हो) पर त्वरित कार्रवाई के लिए नियामक तंत्र को कितनी अच्छी तरह परीक्षण करती है ।

2.6 छात्र कार्य-निष्पादन एवं अध्ययन के परिणाम

उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षण-अध्ययन किस हद तक प्रभावी रहा, इसकी वास्तविक कसौटी, परीक्षा में छात्र के प्रदर्शन द्वारा प्रतिबिंबित होती है। छात्र के प्रदर्शन को अध्ययन परिणामों की अनुभूति के रूप में देखा जाता है, जो कि पाठ्यक्रम एवं/या कार्यक्रम के सफल समापन पर छात्र को क्या करने में सक्षम होना चाहिए, इसके विनिर्देश हैं।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

अध्ययन को सार्थक प्रक्रिया बनाने हेतु शिक्षकों एवं संस्था के सभी प्रयासों को तभी प्रभावशाली माना जा सकता है, जब तक छात्र इसे सार्थक समझे। उनकी संतुष्टि का स्तर उनके द्वारा अनुभूत अनुभवों के प्रकार, "सुभीते" की भावना के साथ-साथ अध्ययन की स्थितियों द्वारा प्रदत्त बौद्धिक उत्तेजना से तय होता है। उनकी प्रतिपुष्टि महत्वपूर्ण रूप से शिक्षण-अध्ययन प्रक्रिया की वास्तविक गुणवत्ता को प्रदर्शित करती है जिससे शिक्षण की सामर्थ्य की पहचान के साथ-साथ संभावित सुधारों की पहचान होती है। इस प्रकार छात्र संतुष्टि संस्था में शिक्षण-अध्ययन की प्रभावशीलता का प्रत्यक्ष संकेतक है। प्रत्येक छात्र से इस पहलू को प्राप्त करना अव्यावहारिक हो सकता है; तथापि, प्रत्येक उच्च शिक्षा संस्थान इस महत्वपूर्ण विशिष्टता को प्राप्त के लिए औपचारिक आधार पर नमूना सर्वेक्षण का सहारा ले सकते हैं। यही कारण है कि नैक के संशोधित मूल्यांकन रूपरेखामें छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण (SSS) को अपनाया गया है।

मापदंड 3: अनुसंधान, नवाचार एवं विस्तार

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

यह मापदंड अनुसंधान, नवाचारों एवं विस्तार के संदर्भ में संस्थान की नीतियों, प्रथाओं व परिणामों के बारे में जानकारी प्राप्त करता है।यह 'अनुसंधान संस्कृति' को बढ़ावा देने के लिए संस्थान द्वारा प्रदत्त सुविधाओं एवं प्रयासों से संबंधित होता है। संस्थान का दायित्व है कि वह समाज के लिए उपयोगी अनुसंधान परियोजनाओं को प्रारंभ करने के लिए संकाय सदस्यों को सक्षम करे। इस मापदंड का प्रमुख पहलू विस्तार के माध्यम से समुदाय की सेवा करना, जो एक सामाजिक दायित्व है एवं संस्थानों द्वारा प्रदर्शित किया जाने वाला मूलमंत्र भी है।

मापदंड 3के केंद्रबिंदु निम्नलिखित प्रमुख संकेतकों में से प्राप्त किया गया है:

प्रमुख संकेतक

3.1 *अनुसंधान व सुविधाओं को प्रोत्साहन देना

3.2 अनुसंधान हेतु संसाधन संग्रहण

3.3 नवाचारपारिस्थितिकी तंत्र

3.4 अनुसंधान प्रकाशन एवं पुरस्कार

3.5 *परामर्श कार्य

3.6 विस्तार गतिविधियां

3.7 सहयोग

---

*संबद्ध/घटक महाविद्यालयों पर लागू नहीं

3.1 अनुसंधान व सुविधाओं को प्रोत्साहन देना

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए अनुसंधान को प्रोत्साहन देना एक महत्वपूर्ण दायित्व है, विशेष रूप से विश्वविद्यालयों के लिए जिसके बिना परिसर में 'अनुसंधान संस्कृति' को कार्यान्वित नहीं किया जा सकता है। उच्च शिक्षा संस्थानों को उपयुक्त नीतियों एवं प्रथाओं को विकसित करने, पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराने, शिक्षकों और विद्वानों की सक्रिय अनुसंधान भागीदारी को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ अनुसंधान के माध्यम से शिक्षकों की किसी भी उपलब्धि को पहचानने के माध्यम से इस प्रयास में सक्रिय रूप से सम्मिलित होना होगा। इसमें सरकार एवं/या अन्य एजेंसियों द्वारा उपलब्ध कराए गए समर्थन और संसाधनों के उपयोग द्वारा संस्थान के उत्तरदायित्व एवं प्रशासनिक सहायता (प्रक्रियात्मक लचीलापन) भी सम्मिलित हैं। अनुसंधान के लिए परिसर में स्थान, उपकरण एवं सहायता सुविधाओं के संदर्भ में आवश्यक आधारिक संरचना उपलब्ध कराया जाना चाहिए। सुविधाओं को साझा करने एवं सहयोगी अनुसंधान के लिए संस्थान को अन्य एजेंसियों, संस्थानों और अनुसंधान निकायों के साथ सहयोग करना चाहिए।

3.2 अनुसंधान हेतु संसाधन संग्रहण

संस्थान को आवश्यक वित्तीय, शैक्षणिक एवं मानव संसाधनों के रूप में सहायता प्रदान करना चाहिए एवं समय पर प्रशासनिक निर्णय लेना चाहिए ताकि संकाय सदस्य को परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत करने में सक्षम बनाया जा सके व अनुसंधान के लिए संसाधन संग्रहण के लिए निधिकरण एजेंसियों से संपर्क किया जा सके। किसी भी संस्थान के अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए महत्वपूर्ण है कि वे अपने संकाय सदस्यों को अनुसंधान परियोजनाओं को प्रस्तुत करने के लिए संस्थागत समर्थन, प्रशासनिक प्रक्रियाओं में लचीलेपन के माध्यम से बाह्य वित्त पोषण प्राप्त कराते हुए, आधारिक संरचना एवं शैक्षणिक सहायता प्रदान करें। वर्तमान सुविधाओं के प्रयोग द्वारा अनुसंधान गतिविधियों को प्रारंभ करने के लिए संकाय सदस्यों को सशक्त बनाया जाना चाहिए। संस्थान को अपने कर्मचारियों को संसाधन साझा करने और सहयोगी अनुसंधान दोनों के लिए अंतःविषय/बहु-विषयक/अंतरविभागीय अनुसंधान गतिविधियों में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

3.3 नवाचारपारिस्थितिकी तंत्र

संस्थान ने नवाचार के लिए पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है, जिसमें उद्भवन केंद्र और ज्ञान सृजन एवं हस्तांतरण के लिए अन्य पहल सम्मिलित हैं। संस्थान बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) और उद्योग-अकादमिक अभिनव प्रथाओं पर कार्यशाला/सेमिनार आयोजित करता है। संस्थान/शिक्षकों/शोध विद्वानों/छात्रों द्वारा प्राप्तनवाचार पुरस्कार, परिसर में उद्भवितस्टार्ट-अप को संस्थान द्वारा स्पष्ट रूप से प्रोत्साहित किया जाता है।

3.4 अनुसंधान प्रकाशन एवं पुरस्कार

किसी भी शिक्षक को अपने काम में प्रभावी होने के लिए अन्वेषण एवं चिंतन महत्वपूर्ण होता है। गुणवत्ता अनुसंधान परिणाम अनुशासन, समाज, उद्योग, क्षेत्र और राष्ट्र के लिए लाभकारी होता है। विभिन्न मीडिया के माध्यम से विशिष्ट रूप से अनुसंधान के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक निष्कर्षों को साझा करने से शिक्षण और अध्ययन की

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

गुणवत्ता में वृद्धि होती है। अनुसंधान प्रखरता उभरती हुई विशिष्टता है, जो स्पष्ट रिकॉर्ड जैसे- डॉक्टरेट, पोस्ट-डॉक्टरल, परियोजनाओं, आविष्कारों और खोजों, प्राप्त पेटेंटों की संख्या और शोध प्रकाशनों की संख्या के साथ विभिन्न शोध आउटपुट को दर्शाती है।

3.5 परामर्श कार्य

बाह्य एजेंसी के लिए संकाय सदस्य द्वारा आयोजित या प्रबंधित गतिविधि जिसके लिए संकाय की विशेषज्ञता एवं विशिष्ट ज्ञान आधार, प्रमुख आगत होता है, उसेमान्यता दी जानी है। संस्थान द्वारा परामर्श के माध्यम से अर्जित वित्त का उचित उपयोग किया जाना चाहिए। परामर्श लेने वाले संकाय सदस्यों को उचित रूप से पुरस्कृत किया जाना चाहिए। विश्वविद्यालय विभिन्न स्तरों पर अनुसंधान में लगे कई व्यक्तियों सहित संसाधन निकाय होता है। परामर्श बाह्य दुनिया में विश्वविद्यालय के शोध कौशल की विश्वसनीयता को दर्शाती है।यद्यपि विश्वविद्यालय के कर्मचारी सहित संकाय अन्य एजेंसियों के लिए अपनी विशेषज्ञता प्रदान करते हैं, इससे विश्वविद्यालय को भी राजस्व प्राप्त होता है। अतः यह आवश्यक है कि विश्वविद्यालय के पास शिक्षक और संस्थान के बीच राजस्व सहभाजन के स्पष्ट विनिर्देशों सहित परामर्श पर औपचारिक नीति होनी चाहिए। हालाँकि, यह महाविद्यालय के औपचारिक पहलू नहीं हो सकते हैं।

3.6 विस्तार गतिविधियां

अध्ययन गतिविधियों में सामुदायिक विषय, लैंगिक असमानताएं, सामाजिक असमानताएं आदि के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने और समाज के प्रति मूल्यों और प्रतिबद्धता को विकसित करने के लिए एक दृश्य तत्व है। संस्था की गतिविधियों में रुचि रखने वाले समूहों या व्यक्तियों के साथ संबंधन और अंतःक्रिया एवं संगठन के कार्यों, निर्णयों, नीतियों, प्रथाओं या लक्ष्यों को प्रभावित करने की क्षमता से दोनों पक्षों को पारस्परिक लाभ होता है। ऐसी गतिविधियों में निहित प्रक्रियाएं और रणनीतियाँ छात्रों को सामाजिक विषयों एवं संदर्भों के प्रति प्रासंगिक रूप से संवेदनशील बनाती हैं। शिक्षार्थी के साथ-साथ समुदाय के लिए उपयोगी ज्ञान उत्पन्न करने के विषय में बेहतर प्रदर्शन से संस्था की सतत प्रथाओं के परिणाम सफल होते हैं।

विस्तार भी शिक्षा का पहलू है, जो सामुदायिक सेवाओं पर बल देता है। इन्हें प्रायः विस्तारित अवसरों के रूप में पाठ्यक्रम के साथ एकीकृत किया जाता है, जिसका उद्देश्य सहायता करना, सेवा करना, प्रतिबिंबित करना और सीखना है। पाठ्यक्रम-विस्तार अंतराफलक का शैक्षिक मूल्य है, विशेषकर ग्रामीण भारत में।

3.7 सहयोग

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

उच्च शिक्षा संस्थानसहयोग के माध्यम से कार्य क्षेत्र के साथ निकट संपर्क बनाए रख सकते हैं। यह उच्च शिक्षा संस्थानमें अकादमिक गतिविधियों को अधिक यथार्थवादी परिप्रेक्ष्य में रखने में सहायक सिद्ध होता है एवं छात्रों के अध्ययन अनुभवों के दायरे को भी विस्तारित करता है।शैक्षणिक संस्थानों या उद्योग या व्यवसायी एवं सामाजिक प्रासंगिकता की अन्य एजेंसियों के साथ सहयोग के प्रयास किए जा सकते हैं।गतिविधियों की श्रेणी में प्रशिक्षण, छात्र विनिमय, संकाय आदान-प्रदान, अनुसंधान एवं संसाधन साझा करना आदि सम्मिलित हो सकते हैं। सहयोगात्मक प्रयास को प्रभावशाली बनाने के लिए, यह आवश्यक है कि ऐसी गतिविधियों के लिए संस्था एवं अन्य उच्च शिक्षा संस्थान या एजेंसियों के बीच औपचारिक समझौता हो।

मापदंड 4 : आधारभूत सुविधाएँ एवं अध्ययन संसाधन

परिसर में शैक्षणिक एवं अन्य कार्यक्रमों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए किसी भी संस्थान में उपलब्ध सुविधाओं की पर्याप्तता और इष्टतम उपयोग अति आवश्यक होता है। इसके लिए इस जानकारी की आवश्यकता होती है कि संस्था के प्रत्येक घटक - छात्र, शिक्षक एवं कर्मचारी - इन सुविधाओं से कैसे लाभान्वित होते हैं। अन्य प्रयासों में भविष्य विकास को पूरा करने के लिए सुविधाओं का विस्तार सम्मिलित है।

मापदंड 4 के केंद्रबिंदु निम्नलिखित प्रमुख संकेतकों में से प्राप्त किया गया:

प्रमुख संकेतक

4.1 भौतिक सुविधाएं

4.2 अध्ययन संसाधन के रूप में पुस्तकालय

4.3 IT आधारिक संरचना

4.4 परिसर आधारिक संरचना का रखरखाव

4.1 भौतिक सुविधाएं

शैक्षिक कार्यक्रमों के प्रभावी और कुशल संचालन के लिए पर्याप्त आधारिक संरचना अनिवार्य होती हैं। आधारिक संरचना विकास एवं संस्थान के शैक्षणिक विकास को सामंजस्य बिठाना होगा। पाठ्यक्रम, सह-पाठ्यक्रम, पाठ्येतर

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

एवं प्रशासनिक गतिविधियों के लिए प्रभावी माहौल में योगदान हेतु परिसर में अन्य सहायक सुविधाएं विकसित की गई हैं। भौतिक सुविधाओं के रखरखाव एवं पुनःपूर्ति के लिए प्रतिवर्ष बजट में व्यय का प्रावधान किया जाता है जिससे उनकी सतत उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

4.2 अध्ययन संसाधन के रूप में पुस्तकालय

संस्थागत पुस्तकालय में पुस्तकों, पत्रिकाओं, ई-संसाधनों एवं प्रौद्योगिकी सहायता प्राप्त अध्ययन तंत्र सहित अन्य अध्ययन सामग्री पर्याप्त रूप से उपलब्ध होनी चाहिए जिससे कि छात्रों को उनके अध्ययन कार्यक्रमों के लिए आवश्यक सूचना, ज्ञान व कौशल प्राप्त हो सके।पुस्तकालय में डिजिटल प्रौद्योगिकियों की उपलब्धता उसका अभिन्न अंग होना चाहिए। ILMS के प्रयोग द्वारा पुस्तकालय का स्वचालन, ई-पत्रिकाओं एवं पुस्तकों का उपयोग, पुस्तकालय में ई-संसाधनों तक दूरस्थ पहुंच प्रदान करना आवश्यकता का विषय बन गया है। इस तरह के अन्य विकास एवं उनका उपयोग, शैक्षणिक संस्थान की गुणवत्ता के महत्वपूर्ण संकेतक हैं।

4.3 ITआधारिक संरचना

संस्था पर्याप्त प्रौद्योगिकी तैनाती एवं रखरखाव के लिए नीतियों एवं रणनीतियों को अपनाती है।शैक्षणिक और प्रशासनिक उद्देश्यों हेतु संस्थान में ICT सुविधाएं एवं अन्य शिक्षण संसाधन पर्याप्त रूप से उपलब्ध हैं। संकायएवं छात्रों के पास वर्तमान और प्रासंगिक विषयों पर प्रौद्योगिकी तथा सूचना पुनर्प्राप्तिकीउपलब्धता है। संस्थान कई गतिविधियों के लिए ICTs को तैनात और नियोजित करता है।

4.4 परिसर आधारिक संरचना का रखरखाव

प्रभावी संस्थागत कार्य के लिए पर्याप्त आधारिक संरचना होना ही पर्याप्त नहीं है, परंतु आधारिक संरचना का नियमित रखरखाव और आवधिकपुनःपूर्ति आवश्यक है। यह आवश्यक है कि संस्थान के पास आधारिक संरचना के नियमित रखरखाव के लिए पर्याप्त संसाधन हैंएवं इसके इष्टतम उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए प्रभावी तंत्र भी हैं।

मापदंड 5: छात्र सहायता एवं प्रगति

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

इस मापदंड की मुख्य विशिष्टता छात्रों को आवश्यक सहायता प्रदान करने, उन्हें परिसर में अध्ययन के सार्थक अनुभव प्राप्त करने एवं उनके समग्र विकास और प्रगति को सुविधाजनक बनाने हेतु संस्थान के प्रयास हैं। यह छात्रों के कार्यनिष्पादन और पूर्व छात्रों के प्रोफाइल एवं उच्च शिक्षा तथा लाभकारी रोजगार के लिए छात्रों की प्रगति को भी देखता है।

मापदंड 5 के केंद्रबिंदु निम्नलिखित प्रमुख संकेतकों में से प्राप्त किया गया:

प्रमुख संकेतक

5.1 छात्र सहायता

5.2छात्र प्रगति

5.3 छात्र भागीदारी एवं गतिविधियाँ

5.4 पूर्वछात्रोंकी सहभागिता

5.1 छात्र सहायता

मार्गदर्शन कक्ष, स्थानन कक्ष, शिकायत निवारण कक्ष एवं छात्रों की सहायता के लिए कल्याणकारी उपायों जैसे तंत्र को सुगम बनाना। अध्ययन में कठिनाई अनुभव करने वाले आवश्यक छात्रों को विशेष रूप से अभिकल्पितआगत प्रदान किए जाते हैं। संबंधित क्षेत्रों में ब्रिजएवंमूल्य वर्धितपाठ्यक्रम के लिए प्रावधान किया जाना चाहिए। संस्थान में सुव्यवस्थित, संगठित मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रणाली उपलब्ध होनी चाहिए। छात्रों को छात्रवृत्ति, फ्रीशिप तथा अन्य माध्यमों से लाभान्वित किया जाता है जिन्हें उच्च शिक्षा संस्थानद्वारा पहचाना जाना चाहिए।

5.2 छात्र प्रगति

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

उच्च अध्ययन एवं/या रोजगार के लिए छात्रों की प्रगति संस्थान हेतु प्रासंगिक विषय है। खराब उपलब्धि के कारणों की पहचान करें तथा योजना बनाएं एवं उपचारात्मक उपायों को लागू करें। सतत अच्छी प्रथाएं छात्रों को प्रभावी ढंग से सहायता करती हैं, इष्टतम प्रगति की सुविधा प्रदान करती हैं। संस्थागत प्रावधान शिक्षा के स्तर से अगले उच्च स्तर तक एवं/या लाभकारी रोजगार की ओर छात्रों के ऊर्ध्वाधर संचलन की सुविधा प्रदान करते हैं। राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं या प्रतियोगिताओं के लिए अर्हता प्राप्त करने वाले छात्रों की पहचान उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा की जानी चाहिए।

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

5.3 छात्र भागीदारी एवं गतिविधियाँ

संस्था सामाजिक न्याय और उन्नतहितधारक संबंधों के लिए समावेशी प्रथाओं को प्रोत्साहन देती है। संस्था अपने छात्र समुदाय के मध्य सामाजिक दायित्वएवं अच्छे नागरिक तैयार करने के लिए मूल्य आधारित शिक्षा को प्रोत्साहन देती है। संस्था के पास आवश्यक आधारिक संरचना है एवं सामाजिक, सांस्कृतिक और अवकाश गतिविधियों में छात्रों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहन देती है। गतिविधियों में छात्रों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने से विभिन्न कौशल और दक्षताओं का विकास होता है एवं समग्र विकास को प्रोत्साहन मिलता है।

5.4 पूर्वछात्रों की सहभागिता

पूर्व छात्र संस्था के लिए पुष्ट अवलंब हैं। सक्रिय पूर्व छात्र संघ शैक्षणिक मामलों, छात्र सहायता के साथ-साथ वित्तीय और गैर-वित्तीय दोनों संसाधनों को संग्रहित करने में योगदान देते हैं। संस्था पूर्व छात्र संघों/अध्यायों का पोषण करती है ताकि उन्हें वित्तीय और गैर-वित्तीय साधनों के माध्यम से संस्था के विकास में महत्वपूर्ण योगदान में सहायता मिल सके।

मापदंड 6: प्रशासन, नेतृत्व एवं प्रबंधन

किसी संस्था के प्रभावी कार्य का अनुमान उन नीतियों और प्रथाओं से लगाया जा सकता है जो मानव संसाधन नियोजन, भर्ती, प्रशिक्षण, कार्यनिष्पादन मूल्यांकन, वित्तीय प्रबंधन एवं नेतृत्व की समग्र भूमिका के संबंध में विकसित हुए हैं।

मापदंड 6 के केंद्रबिंदु निम्नलिखित प्रमुख संकेतकों में से प्राप्त किया गया:

प्रमुख संकेतक

6.1संस्थागत दृष्टि एवं नेतृत्व

6.2रणनीति विकास एवं तैनाती

6.3संकाय सशक्तिरण रणनीतियाँ

6.4वित्तीय प्रबंधन एवं संसाधन संग्रहण

6.5आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली (IQAS)

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

6.1 संस्थागत दृष्टि एवं नेतृत्व

मूल्यों को स्थापित करके प्रभावी नेतृत्व एवं सहभागी निर्णय लेने की प्रक्रिया न केवल संस्था की दृष्टि, ध्येय और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बल्कि संगठनात्मक संस्कृति के निर्माण में भी महत्वपूर्ण है। शैक्षणिक और प्रशासनिक योजना एवं कार्यान्वयन के समन्वय के लिए संस्थान में औपचारिक और अनौपचारिक व्यवस्थाएं संस्थान के अपने दृष्टि को प्राप्त करने के प्रयासों को दर्शाती हैं।

6.2 रणनीति विकास एवं तैनाती

नेतृत्व संस्था को स्पष्ट दृष्टि और लक्ष्य प्रदान करते है। संस्था एवं इसकी शैक्षणिक और प्रशासनिक इकाइयों के कार्य भागीदारी और पारदर्शिता के सिद्धांतों द्वारा शासित होते हैं। कार्यान्वयन के लिए विशिष्ट योजनाओं के साथ विकास के उद्देश्यों, निर्देशों और दिशानिर्देशों का निर्माण, शैक्षणिक एवं प्रशासनिक पहलुओं को संरेखित करके संस्थागत प्रावधानों की समग्र गुणवत्ता में सुधार करता है।

6.3 संकाय सशक्तिरण रणनीतियाँ

भर्ती, कार्यनिष्पादन मूल्यांकन, व्यवसायी विकास कार्यक्रमों सहित मानव संसाधन की योजना बनाने की प्रक्रिया एवं उचित प्रतिक्रिया प्राप्त करना, प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण यह सुनिश्चित करता है कि वे योजना का आधार बने। कर्मचारियों की व्यवसायी क्षमता को उन्नत करने के प्रयास किए जाते हैं। कर्मचारियों के नियमित कार्यनिष्पादन मूल्यांकन के लिए तंत्र विकसित किए गए हैं।

6.4 वित्तीय प्रबंधन एवं संसाधन संग्रहण

इस प्रमुख संकेतक के अधीन बजट तैयार करना एवं वित्त के इष्टतम उपयोग के साथ-साथ संसाधनों को संग्रहित करने पर विचार किया जाता है। वित्तीय संसाधनों के नियोजन तथा आबंटन के लिए स्थापित प्रक्रियाएं एवं कार्यविधियाँ विद्यमान हैं। संस्थान ने संसाधन संग्रहित के लिए रणनीति विकसित की है एवं संस्था के वित्तीय प्रबंधन में पारदर्शिता सुनिश्चित होती है। संस्था की आय और व्यय नियमित आंतरिक और बाह्य लेखा परीक्षा के अधीन की जाती हैं।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली (IQAS)

उच्च शिक्षा संस्थान की आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली, उच्च शिक्षा संस्थानों की स्व-विनियमित दायित्व हैं, जिसका उद्देश्य अकादमिक उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए गुणवत्ता में निरंतर सुधार करना है। संस्थान में अकादमिक

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

और प्रशासनिक लेखा परीक्षा के लिए तंत्र हैं। यह सभी शैक्षणिक और प्रशासनिक पहलुओं में गुणवत्ता प्रबंधन रणनीतियों को अपनाता है। संस्था में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन कक्ष (IQAC) है तथा इसके प्रावधानों के प्रबंधन में भागीदारी दृष्टिकोण अपनाता है।

मापदंड 7: संस्थागत मूल्य एवं सर्वोत्तम प्रथाएं

देश में शिक्षण संस्थान व्यापक शिक्षा प्रणाली के संदर्भ में कार्य करते हैं। परिवर्तनशील राष्ट्रीय तथा वैश्विक संदर्भों में प्रासंगिक होने के लिए, किसी भी शैक्षणिक संस्थान को उभरती चुनौतियों व महत्वपूर्ण विषयों के प्रति उत्तरदायी होना चाहिए। व्यापक संदर्भों में विकास की दिशा में प्रयत्नशील रहने की सामाजिक जिम्मेदारी है। संस्था की यह भूमिका कार्यक्रमों के प्रकार, गतिविधियों और वरीयताओं (मूल्यों) के संदर्भ में परिलक्षित होती है, जिसे वह अपने नियमित कार्य में सम्मिलित करता है। इसमें कोई संस्था किस सीमा तक प्रभावशाली है, यह उसकी गुणवत्ता का निश्चित प्रतिबिंब है।

प्रत्येक संस्थान को कम से कम कुछ महत्वपूर्ण विषय यथा लैंगिक समानता, पर्यावरण चेतना और स्थिरता, समावेशिता और व्यवसायी नैतिकता के प्रति उत्तरदायी होने के लिए कटिबद्ध होना चाहिए, परंतु जिस तरह से यह इन्हें निष्पादित किया जाता है एवं प्रथाओं को विकसित किया जाता है वह सदैव विलक्षण होगा। प्रत्येक संस्था ऐसा करते समय विभिन्न प्रकार के आंतरिक दबावों और स्थितियों का सामना करती है और उनका समाधान करती है। ऐसी स्थितियों से संबंधित कुछ सार्थक प्रथाएं संस्था के भीतर विकसित की जाती हैं एवं ये सुचारू रूप से काम करने में सहायक होती हैं और प्रभाव को भी बढ़ाती हैं। ऐसी प्रथाएँ, जो संस्थान द्वारा आंतरिक रूप से विकसित की जाती हैं, जिससे उसके कार्य के किसी एक पहलू में सुधार होता है – शैक्षणिक, प्रशासनिक या संगठनात्मक – को "सर्वोत्तम प्रथा" के रूप में मान्यता दी जाती है। समय के साथ, कार्य करने के ऐसे अनूठे तरीकों के कारण प्रत्येक संस्था एक विशिष्ट विशेषता विकसित करती है जो इसकी पहचान योग्य विशेषता बन जाती है।

मापदंड 7 के केंद्रबिंदु निम्नलिखित प्रमुख संकेतकों में से प्राप्त किया गया:

प्रमुख संकेतक

7.1 संस्थागत मूल्य एवं सामाजिक दायित्व

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएं

7.3 संस्थागत विशिष्टता

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

7.1 संस्थागत मूल्य एवं सामाजिक दायित्व

संस्था लैंगिक समानता संवर्धन कार्यक्रम आयोजित करती है। संस्था जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीयविषयों के प्रति संवेदनशीलता प्रदर्शित करती है। पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को अपनाते है एवं आवश्यक कार्रवाई करते हैं जैसे – ऊर्जा संरक्षण, वर्षा जल संचयन, अपशिष्टपुनर्चक्रण (ठोस/तरल अपशिष्ट प्रबंधन, ई–अपशिष्ट प्रबंधन), कार्बन तटस्थता, हरित रुझान आदि। संस्था भिन्न रूप से सक्षम लोगों की भी सुविधा प्रदान करती है (दिव्यांगजनअनुकूल), स्थानीय लाभ और हानि (स्थितियों) से प्रभावी व्यवहार, मानवीय मूल्यों तथा व्यवसायी नैतिकता आदि के लिए स्पष्ट दायित्व। अन्य शब्दों में, सामाजिक दायित्व के साथ–साथ संस्था द्वारा धारित मूल्य इसके नियमित गतिविधियों में स्पष्ट होता है।

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएं

गत कुछ वर्षों के दौरान संस्थान द्वारा आंतरिक रूप से विकसित और प्रयुक्त किसी भी प्रथा से संस्थान के नियमित कार्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जिसे "सर्वोत्तम प्रथा" के रूप में अभिज्ञात किया जाता है। ये किसी प्राधिकरण द्वारा निर्धारित कोई गतिविधि नहीं हैं। कभी–कभी संस्थान में कुछ नवोन्मेष या अपने कार्य के किसी पहलू में परिवर्तन होता है। यह प्रथा मुख्य रूप से एक निश्चित समय में संस्था के भीतर प्रासंगिक होता है। यह शिक्षण–अध्ययन, कार्यालय प्रथाओं, रखरखाव एवं मनुष्यों या धन के विषय से निपटने के संबंधित हो सकता है। संक्षेप में, ये 'सर्वोत्तम प्रथाएं' संस्थागत संदर्भ में प्रासंगिक होती हैं एवं संस्थागतकार्य के शैक्षणिक या प्रशासनिक या संगठनात्मक पहलुओं से संबंधित हो सकते हैं।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

प्रत्येक संस्थान अपनी कुछ विशिष्टताओं के लिए पहचाना जाना चाहेगा जो इसे 'विशिष्ट' बनाती है। इस तरह के संस्था की विशेषता इनके सभी गतिविधियों में विद्यमान केंद्रबिंदु एवं प्रथा द्वारा परिलक्षित होती हैं।

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

IV. नैक द्वारा मूल्यांकन एवंप्रत्यायन हेतु पात्रता

ऐसे उच्चतर शिक्षा संस्थानों जिनके या तो पहले न्यूनतम दो स्नातक वर्ग अथवा स्थापना के छः वर्ष हो चुके हों, वे नैक की मूल्यांकन एवं प्रत्यायन (A&A) की प्रक्रिया का आवेदन करने के लिए योग्य हैं एवं इसके अतिरिक्त प्रावधान के अनुसार जो नियम एवं शर्तें लागू होती हैं, उन्हें पूर्ण करना होगा, जो निम्नलिखित हैं :

1. विश्वविद्यालय (केन्द्रीय/राज्य/निजी/मानित) एवं राष्ट्रीय महत्व के संस्थान

क. मानवसंसाधनविकासमंत्रालयअथवाविश्वविद्यालयअनुदानआयोगद्वारामान्यता प्राप्तसंस्थान/मानितविश्वविद्यालय तथा उनकापरिसरहोनाचाहिए।नैक द्वारा अननुमोदित परिसरकेमूल्यांकनएवंप्रत्यायनपर विचार नहीं किया जाएगा।

ख. बशर्ते कि इन संस्थानों के परिसर में प्रस्तावित पूर्णकालिक शिक्षण एवं अनुसंधान कार्यक्रमों के लिएनियमितछात्रने प्रवेश लिया हो।

ग. बशर्ते कि देश के भीतर विधिवत स्थापित परिसर, यदि कोई हो, तो उन्हें मूल्यांकनएवंप्रत्यायनप्रक्रिया के लिए राष्ट्रीय महत्व के विश्वविद्यालयों/संस्थानों के अंश के रूप में माना जाएगा।

घ. नैकअपतटीयपरिसर (ऑफशोर) केप्रत्यायनका दायित्व नहींलेगा।

2. स्वायत्त महाविद्यालय/घटक महाविद्यालय/संबद्ध महाविद्यालय (उन विश्वविद्यालयों से संबद्ध जिन्हें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने संबद्धकर्ता विश्वविद्यालय के रुप में मान्यता प्रदान की हो)

क) बशर्ते कि महाविद्यालय संबद्धता के प्रयोजनों के लिए यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से संबद्ध हो। निजी एवं मानित विश्वविद्यालयों के घटक महाविद्यालयों को विश्वविद्यालय की घटक इकाइयों के रूप में माना जाता है तथा स्वतंत्र रूप से इनके मूल्यांकनएवंप्रत्यायन के लिए विचार नहीं किया जाता। ऐसे घटक महाविद्यालयों को विश्वविद्यालय के साथ आवेदन करना होता है।

ख) बशर्ते कि महाविद्यालय/संस्थान जो किसी विश्वविद्यालय से संबद्ध नहीं हैं, वे सांविधिक व्यावसायिक नियामक परिषदों द्वारा मान्यता प्राप्त कार्यक्रमों संचालित कर रहे हैं तथा भारतीय विश्वविद्यालयसंघ (AIU) या अन्य ऐसी सरकारी एजेंसियों द्वारा मान्यता प्राप्त हैं, जो किसी विश्वविद्यालय के डिग्री कार्यक्रम के समकक्ष है।

वे प्रत्यायित उच्च शिक्षा संस्थान जो पुनर्मूल्यांकन अथवा प्रत्यायन के उत्तरवर्ती आवर्तन (आवर्तन **2**, आवर्तन **3**, आवर्तन **4)** के लिए आवेदन कर रहे हैं।

क) ऐसे संस्थान जो अपनी प्रत्यायित स्थिति को उन्नत करना चाहते हैं, वे पिछले प्रत्यायन के कम-से-कम एक वर्ष बाद किन्तु तीन वर्षों से पहले पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन कर सकते हैं। साथ ही इस पर भी निर्भर है कि इस सन्दर्भ में समय-समय पर नैक द्वारा नियामक विशिष्ट शर्तों को पूरा करना होगा।

ख) प्रत्यायन के उत्तरवर्ती चक्रों (आवर्तन **2**, आवर्तन **3**, आवर्तन **4)** के विकल्प को लेने वाले संस्थान वैधता अवधि के अंतिम छह महीनों के दौरान गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए संस्थागत सूचना (IIQA) प्रस्तुत कर सकता है, बशर्ते कि नैक द्वारा समय-समय पर निर्दिष्ट अन्य शर्तों को पूरा किया हो।

ग) नैक के निर्णय पर कोई **अन्य उच्च शिक्षा संस्थान**

<u>नोट :</u>

1. नैक द्वारा मूल्यांकन एवंप्रत्यायन के लिए आवेदन करने के इच्छुक सभी संस्थान, उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण (AISHE) पोर्टल पर सूचना को अनिवार्य रूप से अपलोडकरें। AISHEकोड (संदर्भ संख्या) पंजीकरण, आवश्यकताओं में से एक है।

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

v. मूल्यांकन प्रक्रिया

संस्थानों के प्रकार में विविधता का संज्ञान लेते हुए, उच्च शिक्षा संस्थान को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है - विश्वविद्यालय, स्वायत्त महाविद्यालय तथा संबद्ध/घटक महाविद्यालय।

मूल्यांकन प्रक्रिया तीन चरणों में संपन्न होती है। जैसा कि पहले ही कहा गया है, इसमें तीन मुख्य घटक सम्मिलित होते यथा - स्व अध्ययन रिपोर्ट (SSR), छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण (SSS) और समकक्ष समूह रिपोर्ट (PTR)। SSR में विश्वविद्यालयों के लिए कुल 115 मैट्रिक्स, स्वायत्त के लिए 107 मैट्रिक्स, UG और PG संबद्ध/घटक महाविद्यालयों के लिए क्रमशः 93 और 96 मैट्रिक्स हैं।SSR में दो प्रकार के मैट्रिक्स होते हैं: एक, जिसमें मात्रात्मक तथ्यों की आवश्यकता होती है और डेटा के रूप में आंकड़े जिन्हें 'मात्रात्मकमैट्रिक्स (QnM) के रूप में दर्शाया गया है; और दूसरे, वे मैट्रिक्स जिन्हें वर्णनात्मक अनुक्रिया की आवश्यकता होती है तथा तदनुसार उन्हें 'गुणात्मक मैट्रिक्स' (QlM) के रूप में दर्शाया गया है।

तालिका 1: मापदंड के अनुसार मैट्रिक्स एवं KI का वितरण

उच्च शिक्षा संस्थान प्रकार	विश्वविद्यालय	स्वायत्त महाविद्यालय	संबद्ध/घटक महाविद्यालय	
			UG	**PG**
मापदंड	7	7	7	7
प्रमुख संकेतक **(KIs)**	34	34	31	32
गुणात्मक मैट्रिक्स **(Q_1M)**	36	35	35	36
मात्रात्मकमैट्रिक्स **(Q_nM)**	79	72	58	60
कुल मैट्रिक्स **($Q_1M + Q_nM$)**	**115**	**107**	**93**	**96**

1. **तालिका 2** विभिन्न प्रमुख संकेतकों एवं मापदंडों को दिए गए भारिता का विवरण दर्शाती है। उच्च शिक्षा संस्थान की तीन श्रेणियों के बीच KIs पर संस्थागतप्रमुखता में भिन्नता को देखते हुए, भारिताको उचित रूप से सीमांकित किया गया है। प्रत्येक मैट्रिक्सको एक मैट्रिक्सनिर्दिष्ट किया गया है, जो इस नियमावली में इंगित किया गया है।

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

तालिका 2 प्रमुख संकेतकों (KIs) में भारिता का वितरण

मापदंड	प्रमुख संकेतक (KIs)	विश्वविद्यालय	स्वायत्त महाविद्यालय	संबद्ध/घटक	
				UG	PG
1. पाठ्यक्रमपहलू	1.1 * (U) पाठ्यक्रम अभिकल्पन एवं विकास	50	50	NA	NA
	1.1.* (A) पाठ्यक्रम योजना एवंकार्यान्वयन	NA	NA	20	20
	1.2 शैक्षणिकलचीलापन	50	40	30	30
	1.3 पाठ्यक्रम समृद्धि	30	40	30	30
	1.4 प्रतिपुष्टि प्रणाली	20	20	20	20
	कुल	150	150	100	100
2. अध्यापन-अध्ययनएवंमूल्यांकन	2.1 छात्रनामांकनएवंप्रोफाइल	10	20	40	40
	2.2 छात्रविविधता की आवश्यकताएं पूर्ण करना	20	30	50	50
	2.3 शिक्षण-अध्ययन प्रक्रिया	20	50	50	50
	2.4 शिक्षकप्रोफाइलएवंगुणवत्ता	50	50	60	60
	2.5 मूल्यांकनप्रक्रियाएवंसुधार	40	50	30	30
	2.6 मूल्यांकनप्रक्रियाएवंसुधार	30	50	60	60
	2.7 छात्रसंतुष्टिसर्वेक्षण	30	50	60	60
	कुल	200	300	350	350
3. अनुसंधान, नवाचारएवंविस्तार	3.1 अनुसंधान व सुविधाओं को प्रोत्साहन देना	20	20	NA	NA
	3.2 अनुसंधान हेतु संसाधन संग्रहण	20	10	15	15
	3.3 नवाचारपारिस्थितिकीतंत्र	30	10	NA	10
	3.4 अनुसंधानप्रकाशनएवं पुरस्कार	100	30	15	25
	3.5 परामर्शकार्य	20	10	NA	NA
	3.6 विस्तारगतिविधियां	40	50	60	50
	3.7 सहयोग	20	20	20	20

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

	कुल	**250**	**150**	**110**	**120**
4. आधारभूत सुविधाएँ एवं अध्ययन संसाधन	4.1 भौतिक सुविधाएं	**30**	**30**	**30**	**30**
	4.2 अध्ययनसंसाधनकेरूपमेंपुस्तकालय	**20**	**20**	**20**	**20**
	4.3 IT आधारिकसंरचना	**30**	**30**	**30**	**30**
	4.4 परिसरके आधारिकसंरचना कारखरखाव 4.5	**20**	**20**	**20**	**20**
	कुल	**100**	**100**	**100**	**100**
5. छात्र सहायता और प्रगति	5.1 छात्र सहायता	**30**	**30**	**50**	**50**
	5.2 छात्र प्रगति	**40**	**30**	**30**	**25**
	5.3 छात्र भागीदारी एवं गतिविधियाँ	**20**	**30**	**50**	**45**
	5.4 पूर्वछात्रों की सहभागिता	**10**	**10**	**10**	**10**
	कुल	**100**	**100**	**140**	**130**
6. प्रशासन, नेतृत्व और प्रबंधन	6.1 संस्थागत दृष्टि एवं नेतृत्व	**10**	**10**	**10**	**10**
	6.2 रणनीति विकास एवं तैनाती	**10**	**10**	**10**	**10**
	6.3 संकायसशक्तिकरणरणनीतियाँ	**30**	**30**	**30**	**30**
	6.4 वित्तीयप्रबंधनवसंसाधनसंग्रहण	**20**	**20**	**20**	**20**
	6.5 आंतरिकगुणवत्ताआश्वासनप्रणाली	**30**	**30**	**30**	**30**
	कुल	**100**	**100**	**100**	**100**
7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएं	7.1 संस्थागत मूल्य एवं सामाजिक दायित्व	**50**	**50**	**50**	**50**
	7.2 सर्वोत्तम प्रथाएं	**30**	**30**	**30**	**30**
	7.3 संस्थागत विशिष्टता	**20**	**20**	20	20
	कुल	**100**	**100**	**100**	**100**
	कुलस्कोर	**1000***	**1000***	**1000***	

***उच्च शिक्षा संस्थानके मामले में जो गैर-लागू मेट्रिक्स के ≤3% के भारित का चयन करने का विकल्प लेते हैं, कुल स्कोर तदनुसार भिन्न होगा**

(U) – *केवल विश्वविद्यालयों एवंस्वायत्त महाविद्यालयों के लिए लागू*

(A) – *केवल संबद्ध/घटक महाविद्यालयों के लिए लागू*

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

NA - लागू नहीं

VI. प्रक्रियात्मक विवरण

उच्च शिक्षा संस्थानों से अपेक्षा की जाती है कि वे निम्नलिखित विवरणों को ध्यान से पढ़ें और A&A की संशोधित प्रक्रिया के विनिर्देशों को नोट करें।

1. A&A के इच्छुक योग्य उच्च शिक्षा संस्थान को वर्ष के दौरान किसी भी समय गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए संस्थागत सूचना (IIQA) ऑनलाइन जमा करना आवश्यक होता है। पात्र उच्च शिक्षा संस्थान के विधिवत भरे हुए IIQAs को अग्रवर्ती प्रक्रिया हेतु नैक द्वारा स्वीकार किया जाएगा एवं अपात्र उच्च शिक्षा संस्थान को अस्वीकार कर दिया जाएगा।

2. IIQA आवेदनों की अस्वीकृति के मामले में, उच्च शिक्षा संस्थान को IIQA को पुनः जमा करने की सुविधा के लिए विशिष्ट सुझाव दिए जाएंगे। पहले प्रयास में अस्वीकृति के बाद संस्थान दो बार पुनः आवेदन कर सकते हैं। अर्थात्, प्रत्येक उच्च शिक्षा संस्थान को एक ही शुल्क के साथ एक वर्ष में तीन प्रयासों की अनुमति है। इसके बाद, इसे आवश्यक शुल्क के साथ एक नया आवेदन माना जाएगा।

3. IIQA की स्वीकृति के बाद, संस्था को 45 दिनों के भीतर नैकवेबसाइट के पोर्टल पर अपलोड किए जाने वाले आवश्यक दस्तावेजों के साथ स्व-अध्ययन रिपोर्ट (SSR) भरने के लिए कहा जाएगा। उच्च शिक्षा संस्थान के SSR को अग्रवर्ती प्रक्रिया के लिए प्रेषित किया जाएगा। चूंकि SSR की तैयारी एक व्यवस्थित प्रक्रिया है, इसलिए यह सुझाव दिया जाता है कि उच्च शिक्षा संस्थान, IIQA जमा करने से पूर्व SSR और संबंधित दस्तावेजों की सॉफ्ट कॉपी सहित तैयार रहें। जो संस्थान 45 दिनों के भीतर SSR जमा करने में विफल होते हैं, उन्हें IIQA और इसके शुल्के से शुरू करके नए सिरे से आवेदन करना होगा। यह ध्यान दें कि SSR जमा करने का समय विस्तार तभी संभव होगा, यदि उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा निर्धारित समय की समाप्ति से पहले अनुरोध किया गया हो यथा केवल प्राकृतिक आपदा, बाढ़, भुगतान निपटान में देरी, तकनीकी समस्याएं आदि। सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद अधिकतम 15 दिनों तक (अर्थात, जारी प्रबंधन प्रणाली – नैक का IMS)। पोर्टल में और अधिक समय विस्तार नहीं दिया जाएगा। ऐसे सभी मामलों में A&A प्रक्रिया समाप्त हो जाएगी और IIQA शुल्क का भुगतान गिरफ्त हो जाएगा एवंउच्च शिक्षा संस्थान को अपेक्षित शुल्क सहितIIQA जमा करके नए सिरे से आवेदन करना होगा। किसी भी स्थिति में IIQA हेतु शुल्क नहीं लौटाया जाएगा।

4. SSR को नैक के पोर्टल में प्रारूप के अनुसार अपलोड करना होगा, जिसके बाद उच्च शिक्षा संस्थान को अपने पंजीकृत ईमेल आईडी में SSR का ऑटोजेनरेटेड लिंक/आईडी प्राप्त होगा। उसी SSR को .pdf प्रारूप में संस्थागत वेबसाइट पर अपलोड करें।

5. SSR को केवल ऑनलाइन ही जमा करें। उच्च शिक्षा संस्थान को SSR ऑनलाइन जमा करने के लिए नैक वेबसाइट पर लॉगइन करने से पूर्व आवश्यक डेटा, दस्तावेजों और/या अनुक्रियाओं सहित आवश्यक तैयारी करनी होगी। इस संबंध में नियमावली (मैनुअल) का गहन अध्ययन सहायक सिद्ध होगा।

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

6. उच्च शिक्षा संस्थानों से अनुरोध है कि वे SSR तैयार करने से पूर्व नैक वेबसाइट में ऑनलाइन आवेदन करें – टैब में उपलब्ध मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) को देखें।

7. जैसा कि पहले बताया जा चुका है कि SSR में मात्रात्मक और गुणात्मक दोनों मैट्रिक्स सम्मिलित हैं। मात्रात्मकमैट्रिक्स (क्यूएनएम) लगभग 70% होता हैं और शेष लगभग 30% गुणात्मक मैट्रिक्स (क्यूएलएम) होते हैं।

8. **वैकल्पिक मैट्रिक्स (केवल महाविद्यालयों के लिए लागू) :** वर्तमान विविध शिक्षा प्रणाली में, कुछ मैट्रिक्स हो सकते हैं जो उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए लागू नहीं होते हों। उच्च शिक्षा संस्थानों की सुविधा के लिए नैक ने **गैर-लागू मैट्रिक्स** की अवधारणा विकसित की है।

   उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए कुछ ऐसे मैट्रिक्स को छोड़ने का प्रावधान किया गया है, जो विभिन्न कारणों से उन पर लागू नहीं होते हैं। लागू न होने वाली मैट्रिक्सको छोड़ने के नियम निम्नलिखित हैं:

   क) छोड़े जाने वाली मैट्रिक्स का अधिकतम अंक 30 (3% तक) से अधिक नहीं होने चाहिए।

   ख) अधिकतम 10 अंक प्रति मापदंड वाले मैट्रिक्स को ही छोड़ा जा सकता है।

   ग) मापदंड 1, 2 एवं 7 में सभी मैट्रिक्स आवश्यक हैं। इन मापदंडों में से कोई भी मैट्रिकस् छोड़ा नहीं जा सकता।

   घ) वैकल्पिक मैट्रिक्स को छोड़ा जा सकता है (वैकल्पिक मैट्रिक्स की सूची स्वायत्त और संबद्ध महाविद्यालय नियमावली के परिशिष्ट 3 में दी गई है)।

   ङ) गुणात्मक मैट्रिक्स को छोड़ा नहीं जा सकता है।

   उच्च शिक्षा संस्थानों (HEIs) के संचयी ग्रेड बिंदु औसत (CGPA) की गणना 30 अंक (3% तक) के साथ मैट्रिक्स को छोड़कर की जाएगी। इस निर्णय का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों की सुविधा के लिए है, क्योंकि उनका मूल्यांकन उन पर लागू न होने वाले मैट्रिक्स पर नहीं किया जाएगा। गैर-लागू मैट्रिक्स को छोड़ने के इच्छुक उच्च शिक्षा संस्थानों को नैक को अंतिम रूप से SSR को प्रस्तुत करने से पूर्व, इस विकल्प के प्रयोग की अनुमति होगी।

9. नैक द्वारा डेटामान्यकरण एवं सत्यापन (DVV) प्रक्रिया की सहायता से सत्यापन प्रक्रिया के अधीन मात्रात्मकमैट्रिक्स (Q_nM) पर प्रस्तुत डेटा को संसाधित किया जाएगा। गुणात्मक मैट्रिक्स (Q_1M) के अनुक्रिया की समीक्षा, समकक्ष समूह द्वारा परिसर पर तभी होगा, जब संस्थान प्री-क्वालीफायर चरण में सफल होंगे।

10. यदि सत्यापन और सत्यापन चरण के दौरान कोई भी संस्थान गलत सूचना/डेटा प्रदान करता हुआ पाया गया तो उनसे स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण के आधार पर DVV प्रक्रिया के लिए डेटा की पुनःसमीक्षा की जाएगी। नैक द्वारा डेटामान्यकरण एवं सत्यापन (DVV) की प्रक्रिया 30 दिनों के भीतर संपन्न होगी।

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

11. **प्री-क्वालीफायर:** SSR के मात्रात्मकमैट्रिक्स (Q_nM) को **मान्यकरण एवं सत्यापन** (DVV) प्रक्रिया के लिए प्रेषित किया जाएगा। **DVV** प्रक्रिया के बाद, **DVV** विचलन रिपोर्ट तैयार की जाएगी। विचलन रिपोर्ट के आधार पर, A&A प्रक्रिया निम्नलिखित शर्तों के आधार पर आगे बढ़ेगी :

क) वे उच्च शिक्षा संस्थान जिनके मैट्रिक्स में विचलन पाए गए हैं, दंड या कानूनी कार्रवाई के लिए जिम्मेदार होंगे। उनकी मान्यता शुल्क की पहली किस्त भी गिरफ्त कर ली जाएगी, एवं ऐसे उच्च शिक्षा संस्थान का नाम अग्रवर्ती कार्रवाई के लिए सांविधिक अधिकारियों को प्रेषित की जाएगी।

ख) DVV प्रक्रिया में सफल उच्च शिक्षा संस्थान, प्री-क्वालीफायर की शर्त के साथ समकक्ष समूह दौरे के लिए जाएगा एवं उच्च शिक्षा संस्थान को DVV प्रक्रिया के बाद अंतिम स्कोर के अनुसार मात्रात्मकमैट्रिक्स (Q_nM) में कम से कम 25% स्कोर प्राप्त करने होंगे। यदि उच्च शिक्षा संस्थानप्री-क्वालीफायर चरण में सफल नहीं होते हैं, तो उन्हें IIQA एवं इसकाशुल्क जमा करके नए सिरे से आवेदन करना होगा। ऐसे उच्च शिक्षा संस्थानप्री-क्वालीफायरस्थिति की घोषणा के दिन से छह महीने के बाद ही अपना आवेदन प्रस्तुत करने के पात्र होंगे।

12. DVV प्रक्रिया के बाद, नैकप्री-क्वालीफायरकी स्थिति के बारे में उच्च शिक्षा संस्थानको सूचित करेंगे। केवल प्री-क्वालीफायरउच्च शिक्षा संस्थानअपने परिसरमेंसमकक्ष समूहद्वारा किए जाने वाले मूल्यांकन के अगले दौर में प्रवेश करेंगे। समकक्ष समूह के दौरे का केंद्रबिंदुगुणात्मक मैट्रिक्स (Q_1M) पर होगा।

13. **छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण (SSS) :** यह निम्नलिखित शर्तों के अनुसार आयोजित किया जाएगा:

क) SSSप्रक्रिया DVV प्रक्रियाकेसाथही आयोजितकियाजाएगा।

ख) उच्चशिक्षासंस्थानों) HEIs (कोपोर्टलमेंएक्सेलशीटमेंडेटानमूना प्रारूपकेअनुसारवर्तमानमेंभर्तीछात्रोंमें से कमसेकम50% के डेटाको अपलोडकरनाहोगा।

ग) SSS प्रश्नावली (20 वस्तुनिष्ठ और 01 व्यक्तिपरक) सभी छात्रों को ई-मेल की जाएगी और अनुक्रिया को संसाधित करने के लिए निम्नलिखित नियम लागू किए जाएंगे।

i. महाविद्यालयों के लिए - (UG/PG एवंस्वायत्त) कुल छात्रों के कम से कम 10% या 100छात्र, या जो भी कम होकी अनुक्रिया प्राप्त की जानी चाहिए।

ii. विश्वविद्यालयों के लिए - कुल छात्रों के 10% या 500 छात्र, या जो भी कम हो।

क) यदि अनुक्रिया दर नैक द्वारा उल्लिखित सीमा से कम है, तो मूल्यांकन के लिए मैट्रिक्स नहीं लिया जाएगा।

ख) SSS प्रारंभ होने के एक महीने के भीतर पूरा किया जाएगा।

14. प्री-क्वालीफायर चरण की स्वीकृति के बाद संस्थान की समकक्ष समूह का दौरा तीन महीने से अधिक नहीं होना चाहिए।

15. उच्च शिक्षा संस्थानों में शैक्षणिक कार्यक्रम के आकार एवं व्यापकता के आधार पर, परिसर दौरे के लिए दिन और विशेषज्ञों की संख्या 2-3 दिनों से भिन्न हो सकती है, जिसमें 2-5 विशेषज्ञ समीक्षक संस्थानों का दौरा करते हैं। संशोधित मॉडल में अतिथि टीमों की भूमिका बहुत विशिष्ट होगी, जो गुणात्मक मैट्रिक्स (Q_1M) तक सीमित होगी। अमूर्त पहलुओं की समीक्षा करने में टीमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

16. नैक निर्धारित PTV दिनांक से केवल तीन दिन पहले समकक्ष समूह के सदस्यों के विवरण का खुलासा करेंगे। दौरे करने वालेसमूह के लिए रसद आदि के लिए उच्च शिक्षा संस्थान जिम्मेदार नहीं होंगे। अब नैकही समकक्ष समूह के संस्थानों के दौरा के संबंध में सभी रसदकी व्यवस्था करेगा। टीए, डीए, मानदेय आदि के सभी भुगतान का भुगतान नैक द्वारा नामांकित सदस्यों को सीधे किया जाएगा। संस्था और समकक्ष समूह के सदस्यों के बीच कोई वित्तीय लेनदेन नहीं

17. संस्थानों को अपने हितधारकों की सुविधा के लिए नैकरिकॉर्ड्स/फाइलों यथा SSR, समकक्ष समूह रिपोर्ट, AQAR, नैक प्रमाण पत्र एवं प्रत्यायन दस्तावेज इत्यादि के लिए अपनी संस्थागत वेबसाइट के होम पेज में एक लिंक जोड़ना होगा। उक्त लिंक स्पष्ट रूप से दिखाई/हाइलाइट किया हुआ होना चाहिए एवं पासवर्ड रहित होना चाहिए।

18. **स्व-अध्ययन रिपोर्ट (SSR) भरने के लिए दिशानिर्देश :**

- विस्तारित प्रोफ़ाइल में वे सभी प्रश्न सम्मिलित हैं, जो मूल रूप से मैट्रिक्स के विभिन्न मूल्यों की गणना के लिए प्रयुक्त होने वाले सूत्रों के आंकड़े हैं।
- पोर्टल में विभिन्न स्थानों पर टूलटिप्स हैं, जैसे कि मैट्रिक्स, सब-मैट्रिक्स, अपलोड इत्यादि। जो संस्थान द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले आवश्यक डेटा के प्रकार के संबंध में मार्गदर्शन के रूप में दिए गए हैं। टूलटिप को ❓ के रूप में दर्शाया गया है। संस्थानों को चाहिए कि वे डेटा भरने से पूर्व संबंधित टूलटिप को अच्छी तरह से पढ़ लें।

- भरे गए डेटा को संबंधित मैट्रिक्स के साथ प्रासंगिक होना चाहिए। विभिन्न मैट्रिक्स के लिए दस्तावेज़ अपलोड करने की सीमा (5 MB) है; यदि दस्तावेज़ का आकार इस सीमा से अधिक है, तो संस्थान बिना पासवर्ड सुरक्षा के इसे अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर सकते हैं। अपलोड किए गए उक्त दस्तावेज का लिंक पोर्टल में दिया जाना चाहिए।

- छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण (SSS) के लिए छात्रों का डेटा, SSRके ऑनलाइन प्रस्तुत करने के दौरान समानान्तर रूप से प्रस्तुत किया जाना है।

- जहां-जहां 'तारांकन लाल निशान' ✱पोर्टल में इंगित किया गया है, इसे अनिवार्य रूप में भरा जाना चाहिए।

19. **उच्च शिक्षा संस्थानों (HEIs) द्वारा प्रत्यायन आवेदन वापस लेने की नीति:** उच्च शिक्षा संस्थानजिन्होंने अपना स्व-अध्ययन रिपोर्ट (SSRs) प्रस्तुत कर दिया है, परंतु किसी कारण से A&A प्रक्रिया को पूरा नहीं करते हैं : -

- उच्च शिक्षा संस्थानवेबसाइट पर इस जानकारी की बताएंगे कि उन्होंने प्रक्रिया को वापस ले लिया है/ पूर्ण नहीं की है एवं इसकी सूचना को नैक वेबसाइट पर भी दर्शाया जाएगा।

- SSR प्रस्तुत करने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के बाद ही A&Aके लिए आवेदन करने की अनुमति दी जाएगी।

- मूल्यांकन एवंप्रत्यायन प्रक्रिया के लिए उच्च शिक्षा संस्थानद्वारा जमा की गई फीस गिरफ्त कर ली जाएगी।

20. **DVV प्रक्रिया का अनुपालन न करना**

संस्थानों को DVV प्रक्रिया को पूरा करने के लिए 15 दिनों का समय दिया जाता है, और DVV स्पष्टीकरण चरण के दौरान निर्धारित समय के भीतर जवाब देना होता है। अप्रत्याशित परिस्थितियों में (जैसे प्राकृतिक आपदाएं, राजनीतिक अशांति आदि)

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

जब संस्थान DVV प्रक्रिया के अनुपालन में विफल होते हैं, तो सक्षम प्राधिकारी के निर्णय के आधार पर 7 दिनों का और विस्तार समय दिया जाएगा। DVV स्पष्टीकरण प्रक्रिया का अनुपालन नहीं करने वाले उच्च शिक्षा संस्थान के मूल्यांकन एवंप्रत्यायन प्रक्रिया को DVV स्पष्टीकरण के स्तर पर समाप्त कर दिया जाएगा और IIQA और SSR की पहली किस्त के लिए भुगतान की गई फीस गिरफ्त कर ली जाएगी। ऐसे संस्थान स्थायी समिति (SC) की बैठक में निर्णय की घोषणा की तारीख से एक वर्ष के बाद IIQA प्रस्तुत करके एवं SSR को नए सिरे से भरकर मान्यता के लिए पुनः आवेदन करेंगे।

VII. मूल्यांकन परिणाम

मूल्यांकन एवंप्रत्यायन गतिविधि का अंतिम परिणाम एक ICT -आधारित स्कोर होगा, जो गुणात्मक एवंमात्रात्मकमैट्रिक्स के मूल्यांकन का संयोजन है। इसे एक दस्तावेज के रूप में संकलित किया जाएगा जिसमें तीन भाग होंगे।

भाग I –<u>समकक्ष समूहरिपोर्ट</u>

- खंड 1: संस्था एवं उसके संदर्भ की **सामान्य जानकारी**प्रस्तुत करता है।
- खंड 2:गुणात्मक संकेतकों के समकक्ष मूल्यांकन के आधार पर मापदंड-वार विश्लेषण प्रस्तुत करता है। बुलेटपॉइंट सहित रिपोर्ट करने के बजाय, यह समकक्ष समूह के महत्वपूर्ण विश्लेषण पर आधारित गुणात्मक, वर्णनात्मक मूल्यांकन रिपोर्ट होता है, जिसमें प्रत्येक मापदंड के अधीन HEI के सामर्थ्य और कमजोरियों को प्रस्तुत किया जाता है।
- खंड 3: समग्र विश्लेषण प्रस्तुत करता है जिसमें संस्थागतसामर्थ्य, कमजोरियां, अवसर एवं चुनौतियां सम्मिलित हैं।
- खंड 4: संस्थान की गुणवत्ता में वृद्धि के लिए सिफारिशेरिकॉर्ड करता है (10 प्रमुख से अधिक नहीं)।

भाग II- *<u>मात्रात्मकमैट्रिक्स (QnM) पर आधारित ग्राफिकल प्रतिनिधित्व</u>*

उक्त भाग नैकके QIF (गुणवत्ता संकेतक रूपरेखा) में मात्रात्मक संकेतकों के सांख्यिकीय विश्लेषण के आधार पर HEI का **सिस्टमजनित गुणवत्ता प्रोफ़ाइल**होगा। मात्रात्मक संकेतकों के संश्लेषण के माध्यम से संस्थागत विशेषताओं की ग्राफिकलप्रस्तुति परिलक्षित होगी।

भाग III –*<u>संस्थागत ग्रेड शीट</u>*

उक्त भाग में संस्थागत ग्रेड शीट सम्मिलित है, जो वर्तमान गणना विधियों के उपयोग द्वारा गुणात्मक संकेतकों, मात्रात्मक संकेतकों एवं छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण पर आधारित होता है, परंतु यह सॉफ्टवेयर द्वारा तैयार किया जाता है।

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

उपरोक्त तीन भाग मिलकर "NAAC प्रत्यायन परिणाम" दस्तावेज़ बनेंगे। उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए यह अनिवार्य है कि वे अपनी संस्थागत वेबसाइट पर भी प्रदर्शित करें।

संस्थागतCGPA की गणना

CGPA की गणना तीन स्रोतों से प्राप्त अंकों के आधार पर की जाएगी, अर्थात मात्रात्मकमैट्रिक्स के सिस्टमजनित स्कोर (SGS), गुणात्मक मैट्रिक्स के स्कोर में परिसर दौरे के माध्यम से समकक्ष समूह द्वारा महत्वपूर्ण मूल्यांकन एवं छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण द्वारा प्राप्त स्कोर सम्मिलित है। इन्हें 'मानक' के आधार पर स्वचालित प्रक्रिया के माध्यम से एकत्रित किया जाएगा और पांच-बिंदु स्केल पर मूल्यांकित किया जाएगा, अर्थात (0, 1, 2, 3 व 4)।

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

अंतिम ग्रेड

संस्था द्वारा प्राप्त CGPA के आधार पर अधिकतम संभव स्कोर 4.00 में, अंतिम ग्रेड सात-बिंदु स्केल पर दिया जाता है जैसा कि तालिका 3 में दर्शाया गया है। स्केल में सात अंक सात अक्षर ग्रेड को संदर्भित करते हैं, प्रत्येक को सात विशिष्ट स्कोर रेंज समुनदेशित किया गया है।

तालिका 3 संस्थागत ग्रेड और प्रत्यायन स्थिति

संस्थागत संचयी ग्रेड बिंदु औसत (CGPA) की सीमा	अक्षर	स्थिति
3.51-4.00	A++	प्रत्यायित
3.26-3.50	A+	प्रत्यायित प्रत्यायित
3.01-3.25	A	प्रत्यायित प्रत्यायित
2.76-3.00	B++	प्रत्यायित प्रत्यायित
2.51-2.75	B+	प्रत्यायित प्रत्यायित
2.01-2.50	B	प्रत्यायित प्रत्यायित
1.51-2.00	C	प्रत्यायित
≤ 1.50	D	प्रत्यायित नहीं

1.50 के समकक्ष या उससे कम CGPA प्राप्त संस्थानों को "D" अक्षर ग्रेड के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाएगा। ऐसे अप्रत्यायित संस्थानों को भी नैकद्वारा "मूल्यांकन और प्रत्यायनके लिए योग्य नहीं पाया गया" के रूप में सूचित और अधिसूचित किया जाएगा।

Copyright Reg. No: L-94579/2020

VIII. संस्थागत अपील के लिए तंत्र

मूल्यांकन एवं प्रत्यायन की प्रक्रिया को नैकऔर मूल्यांकन किए जा रहे उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा संयुक्त रूप से की गई साझेदारी की गतिविधि के रूप में देखा जाता है। प्रक्रिया का हर चरण पारदर्शिता से चिह्नित होता है। प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में संस्थान से परामर्श किया जाता है, यात्रा कार्यक्रम की योजना बनाई जाती है, टीम के परिसर छोड़ने से पूर्व समकक्ष समूह रिपोर्ट का मसौदा साझा किया जाता है। इस सहभागी दृष्टिकोण के बावजूद, ऐसे संस्थान भी हो सकते हैं जिनकी शिकायतें दूर करने की आवश्यकता पड़ सकती है। अतःऐसे संस्थानों के लिए समीक्षा प्रणाली प्रदान करने के लिए नैक ने संस्थागत अपील हेतु तंत्र विकसित किया है।

A & A परिणाम की घोषणा पर, संस्थान प्रत्यायन की स्थिति से संतुष्ट नहीं हो तो:

1. उच्च शिक्षा संस्थान के पोर्टल के माध्यम से 15 दिनों के भीतर अपील जमा करें एवं परिणाम घोषित होने की तारीख से 45 दिनों के भीतर अपील प्रारूप जमा करें।
2. अपील हेतु आवेदन, 50,000/- रुपये (पचास हजार रुपये मात्र) + लागू कर की अपेक्षित अप्रतिदेय शुल्क सहित प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

   इस उद्देश्य के लिए गठित **अपील समिति**, अपील पर विचार करेगी और कार्यकारी समिति (EC) को संस्तुति देगी। EC का निर्णय संस्था पर बाध्यकारी होगा। सामान्यतः, संस्तुति पुनःDVV, पुनः दौरा, कोई परिवर्तन नहीं आदि हो सकते हैं।

3. पुनःDVV के लिए स्पष्टीकरण प्रक्रिया और समय सीमा DVVप्रक्रिया के समान होगी।

4. लॉजिस्टिकखर्चों को छोड़कर, जो नैक द्वारा वहन किया जाएगा, पुनः दौरा की प्रक्रिया समान होगी।

नोट: **उच्च शिक्षा संस्थान को सलाह दी जाती है कि संस्थागत अपील प्रक्रिया के दौरान अद्यतन सूचना के लिए अपने पोर्टल और पंजीकृत ईमेल-आईडी को प्रायः देखते रहें।**

IX. पुनर्मूल्यांकन

जो संस्थान, मान्यता प्राप्त स्थिति में सुधार चाहते हैं, कम से कम एक वर्ष पूर्ण होने पर एवं तीन वर्ष से पहले पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस विकल्प का प्रयोग साइकल में केवल एक बार किया जा सकता है। उसी साइकल में पुनर्मूल्यांकनसंस्थान एक और बार पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन नहीं दे सकेगा। पुनर्मूल्यांकन हेतु आवेदित सभी संस्थानों के लिए मूल्यांकन एवं प्रत्यायन के लिए नियमावली में सम्मिलित वर्तमान प्रक्रियाएं एवं कार्यप्रणाली लागू होती है। शुल्क रूपरेखा और अन्य

Copyright Reg. No: L-94579/2020

प्रक्रिया मूल्यांकन एवं प्रत्यायन की वर्तमान प्रक्रियाओं के अनुसार होगी (अधिक विवरण के लिए नैक वेबसाइट का आवलोकन करें)। पुनर्मूल्यांकन के इच्छुक संस्थान, शुल्क छूटएवं मान्यता व्यय की प्रतिपूर्ति के पात्र नहीं होंगे।

x. प्रत्यायन अनुवर्ती साइकल

प्रत्यायन के बाद के साइकलों के लिएप्रक्रिया प्रथम साइकलA/A के समान ही होगी। तथापि, प्रत्यायन के बाद की गतिविधियों पर उचित ध्यान दिया जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप गुणवत्ता में सुधार, गुणवत्ता को बनाए रखने और गुणवत्ता में वृद्धि होगी। अपने SSRsमें, प्रत्यायन के बाद के साइकलों के विकल्प को चुनने वाले संस्थानों को गत चार वर्षों के दौरान किए गए महत्वपूर्ण गुणवत्ता निर्वाह और वृद्धि उपायों को उजागर करने की आवश्यकता होगी। दूसरे, तीसरे या चौथे साइकल में कार्यात्मक आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन कक्ष (IQAC) एवं वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट (AQARs) समय पर प्रस्तुत करना मान्यता के लिए न्यूनतम संस्थागत आवश्यकताएं (MIR) हैं।

अपनी मान्यता जारी रखने के लिए मूल्यांकन के इच्छुक संस्थानों को अपनी वैधता अवधि के अंतिम छः महीनों के दौरान A&A आवेदन प्रस्तुत करके नए सिरे से आवेदन करने की आवश्यकता होती है।

संस्थानों के लिए तीसरे/चौथे साइकल के लिए नैकप्रत्यायन की वैधता अवधि को पांच वर्ष से बढ़ाकर सात वर्ष किया जाएगा, इस शर्त के साथ कि उन्होंने तत्काल पूर्ववर्ती दो साइकलों के लिए उच्चतम ग्रेड प्राप्त किया है, बशर्ते कि इसके अतिरिक्त संस्थान, तीसरे/चौथे साइकलों में फिर से उच्चतम ग्रेड प्राप्त करें।

तीन अनुवर्ती साइकलों के लिए लगातार उच्चतम ग्रेड (A ++ ग्रेड) प्राप्त करने वाले संस्थान के प्रत्यायन वैधता को उनके तीसरे अनुवर्ती साइकलों में पांच वर्ष से बढ़ाकर सात वर्ष कर दिया जाएगा।

विभिन्न साइकलों में उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा प्राप्त उच्चतम ग्रेड निम्नानुसार होंगे : -

- ग्रेडिंग प्रणाली में CGPA 3.51के साथ 'A++', जो **1 मार्च2018** से प्रभावी है
- 1जुलाई, 2016से 28फरवरी, 2018के बीच प्रभावी,ग्रेडिंग प्रणाली में CGPA3.51के साथ 'A++ और A+'
- 1 अप्रैल, 2007 से30 जून, 2016 के बीच प्रभावी, ग्रेडिंग प्रणाली में 'A'

Copyright Reg. No: L-94579/2020

- 'A++, A+, और A' सहित 85-100 स्कोर, जो 16 मार्च2002 से31 मार्च2007 के बीच प्रभावीथा।

नैक के दिशानिर्देशों के अनुसार, उन संस्थानों के संबंध में जो प्रत्यायन के साइकल की समाप्ति से पहले छः महीने की निर्धारित अवधि के भीतर पुन: प्रत्यायन के लिए आवेदन करते हैं, उनके लिएलगातार दो प्रत्यायन के अंतराल अवधि को माफ कर दिया जाएगा। अन्य संस्थानों के संबंध में, जिन्होंने उपरोक्त दिशानिर्देशों के अनुसार आवेदन नहीं किया है, लगातार दो प्रत्यायन चक्रों के बीच छूट की अधिकतम अवधि एक वर्ष होगी।

XI. शुल्क संरचना

(01 अप्रैल, 2021 से प्रभावी)

नोट :. नई शुल्क संरचना उन उच्च शिक्षा संस्थानों पर लागू होती है, जिन्होंने 01 अप्रैल, 2021 को या उसके बाद IIQA शुल्क जमा किया है

1. 1. गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए संस्थागत सूचना (**IIQA**) शुल्क पंजीकरण के लिए – सभी संस्थानों पर लागू अर्थात यूजीसी अधिनियम, 1956 के 12 (बी) के तहत उनकी मान्यता की स्थिति के बावजूद (अर्थात मान्यता प्राप्त / मान्यता प्राप्त नहीं)	
प्रक्रिया	संस्थान द्वारा भुगतान किए जाने वाले मूल्यांकन और प्रत्यायन (**A&A**) के लिए आवेदन शुल्क की कुल राशि
गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए संस्थागत सूचना (**IIQA**)	**Rs. 25,000/- + G S T 18% (अप्रतिदेय) ***

*** IIQA आवेदन की अस्वीकृति के मामले में, उच्च शिक्षा संस्थान, IIQA के पहले आवेदन से एक वर्ष की अवधि के भीतर IIQA शुल्क के बिना अधिकतम तीन प्रयासों के लिए IIQA आवेदन को फिर से जमा कर सकते हैं, जिसमें अस्वीकृति प्रयास भी सम्मिलित है।**

2. मूल्यांकन एवं प्रत्यायनशुल्क:		
1	**2**	**3**
प्रकार	**A&A** शुल्क की कुल राशि	संस्था द्वारा भुगतान की जाने वाली राशि
विश्वविद्यालयों और व्यावसायिक संस्थानों के लिए *	Rs. 3,00,000/- **+ GST18%	Rs.1,50,000/-** + GST18% = Rs.1,77,000/- **(SSR**सहित कुल शुल्क का **50%)** **(**अप्रतिदेय**)**
महाविद्यालयों के लिए (अनुदान-सहायता, निजी एवं सरकारी)	Rs. 1,00,000/- **+ GST18%	Rs.50,000/-**+ GST18% = Rs. 59,000/-

Copyright Reg. No: L-94579/2020

एकल संकाय, बहु संकाय, शिक्षक शिक्षा संस्थान और शारीरिक शिक्षा संस्थान		**(SSR** सहित कुल शुल्क का **50%)** **(**अप्रतिदेय**)**
**** उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा कुल शुल्क का 50% शेष, 18% GST सहित पूर्व योग्यता की तारीख से 15 दिनों के भीतर भुगतान किया जाना चाहिए.**		

* व्यावसायिक संस्थान:

1. विश्वविद्यालयों, यानी इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, कानून, स्वास्थ्य विज्ञान (एलोपैथी, होम्योपैथी, आयुर्वेद, दंत चिकित्सा, नर्सिंग आदि) पर लागू शुल्क संरचना के अनुसार शुल्क लिया जाएगा।

2. उच्च शिक्षा संस्थान (HEIs) जिसमें प्रस्तावित सभी कार्यक्रमों को वैधानिक नियामक प्राधिकरण (SRA) (शिक्षक शिक्षा संस्थानों को छोड़कर) या HEIs द्वारा मान्यता प्राप्त है जिसमें 50% या अधिक उपलब्ध कार्यक्रमों वैधानिक नियामक प्राधिकरण द्वारा मान्यता प्राप्त है। ऐसे संस्थानों के लिए विश्वविद्यालयों के समान, व्यावसायिक संस्थानों के लिए A&A शुल्क लागू होंगे।

4. शेष राशि 50%

उपरोक्त कॉलम2 और 3 में दर्शाए गए अनुसारदौरेकी तारीख से 15 दिनों से पहले, प्री-क्वालीफायडHEIs को निर्धारित शुल्क का शेष 50% + लागू करों का भुगतान करना होगा। यदि संस्थान 15 दिनों के भीतर शुल्क का भुगतान नहीं करते हैं, तो SSR संसाधित नहीं किया जाएगा। उन्हें IIQA और इसकेशुल्क सहित फिर से/नए सिरे से आवेदन करना होगा>

5. लॉजिस्टिक्स शुल्क: प्री-क्वालीफायर चरण में सफल होने पर, संस्थान को समकक्ष समूह दौरे की व्यवस्था के लिए लॉजिस्टिक खर्च के लिए अग्रिम भुगतान करना होगा, जो निम्न है :-

a. सभी सामान्य महाविद्यालयों, व्यावसायिक महाविद्यालयों और शिक्षक शिक्षा संस्थानों का दो (2) दिन का दौरा होगा, जिसके लिए शुल्क संरचना 1,50,000 रुपये + GST 18%होगी।

b. उचित औचित्य एवं सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन सहित व्यावसायिक महाविद्यालयों के अपवादी मामले में समकक्ष समूह का दौरा तीन (3) दिनों तक बढ़ाया जा सकता है और शुल्क संरचना 3,00,000 रुपये + GST18% होगी।

c. तीन (3) दिनों के दौरे के लिए विश्वविद्यालय के लिए लॉजिस्टिक शुल्क संरचना 3,00,000 रुपये + GST18% होगी।

d. यदि विश्वविद्यालय के पास यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त ऑफ-शोर परिसर/केंद्र हैं, तो विश्वविद्यालय को 2,00,000/- रुपये + GST18% का अतिरिक्त शुल्क देना होगा।

6. अपील तंत्र एवं शुल्क (05 अप्रैल, 2021 से प्रभावी):

HEI द्वारा समय-समय पर लागू होने वाले अपील (शिकायत) तंत्र के लिए 50,000/- रु. + GST 18% काभुगतान करना होगा।

7. प्रत्यायन के अनुवर्ती साइकल के लिए:

मूल्यांकन एवं प्रत्यायन तथा समकक्ष समूह लॉजिस्टिक्स व्यय के लिए प्रस्तावित शुल्क संरचना सभी प्रकार

Copyright Reg. No: L-94579/2020

के संस्थानों के प्रत्यायन एवं पुनर्मूल्यांकन के सभी साइकलों के लिए समान होंगे।

8. भुगतान विधि : ऑनलाइन:

सभी शुल्क नैकपोर्टल पर नेटबैंकिंग या क्रेडिट/डेबिट कार्ड के माध्यम से ही जमा करने होंगे। शुल्क का भुगतान HEIs की ओर से व्यक्तिगत खातों से भी किया जा सकता है। डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) या NEFT द्वारा भुगतान स्वीकृत नहीं होंगे।

सरकारी महाविद्यालयों के लिए, राजकोष से शुल्क अंतरित होने की स्थिति में, महाविद्यालय नैक के निदेशक या नैक के वित्त अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

XII. स्व-अध्ययन रिपोर्ट (SSR) प्रस्तुत करने के लिए तैयार होना

A&A प्रक्रिया के लिए आवेदन करने वाले HEIs को मूल्यांकन प्रक्रिया में किए गए परिवर्तन पर ध्यान देना चाहिए। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि **SSR** को केवल पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन जमा करना होगा। नैक वेबसाइट पर संस्थान को 'ऑनलाइन आवेदन' पोर्टल में उपलब्ध कराया जाएगा। यदि संस्थान नियमावली तथा मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) को ध्यान से पढ़े, तो ऑनलाइन प्रारूप भरने में सहायक सिद्ध होगा। A&A की संशोधित प्रक्रिया को समझने के लिए इस नियमावली का उपयोग करें एवं नए ऑनलाइन प्रारूप में SSR जमा करने की तैयारी करें।

कुछ महत्वपूर्ण सलाह नीचे दोहराए गए हैं।

- IIQA जमा करते समय, सुनिश्चित करें कि नैक द्वारा इसकी स्वीकृति की तारीख के बाद, निर्धारित अवधि के भीतर SSR को संसाधित करने के लिए पर्याप्त समय (दिन) है।
- SSR ऑनलाइन भरना होगा; इसके लिए नैक पूर्व घोषित समय-सीमा के अनुसार संस्थानों के लिए वेबसाइट पर संबंधित पोर्टल का अभिगम प्रदान करेगा।
- दस्तावेजों एवं डेटा को कहां अपलोड करना है, विभिन्न मैट्रिक्स हेतु डेटा किस प्रारूप में प्रस्तुत करना है तथा गुणात्मक मैट्रिक्स के लिए आवश्यक मौखिक विश्लेषण के बारे में निर्देश पढ़ें।
- SSR में भरी जाने वाली जानकारी के प्रकार QIF में दिए गए हैं, जो खंड खमें प्रस्तुत किए गए हैं।
- खंड ख में प्रस्तुत संस्था की रूपरेखा संस्था के बारे में जानकारी प्राप्त करने में स्वतः स्पष्ट है।

Copyright Reg. No: L-94579/2020

- खंड ख में प्रस्तुत QIF,SSR भरते समय प्रत्येक मैट्रिक्स के लिए आवश्यक डेटा और दस्तावेजों के प्रकार और HEIद्वारा दी जाने वाली अनुक्रिया के प्रकार को इंगित करता है।

- प्रारंभिक अभ्यास के रूप में, संस्थान अपने कार्य के विभिन्न पहलुओं के बारे में QIF (खंड ख) में मांगे गए विवरण तैयार कर सकता है तथा उन्हें संस्थागत वेबसाइट पर संरक्षित स्थान पर अपलोड कर सकता है। इससे जब भी आवश्यक हो, हाइपरलिंक के माध्यम से अपलोड करना और/या उन्हें उपलब्ध कराना आसान हो जाएगा।

- कुछ दस्तावेज यथा विभिन्न समितियाँ/निकायों के कार्यवृत्त, वित्तीय विवरण आदि जिन्हें संस्थान ओपन एक्सेस में अपलोड करना पसंद नहीं करते हैं, उन्हेंतैयार रखे तथा जब भी आवश्यक हो हाइपरलिंक के माध्यम से उपलब्ध कराएं।

- सभी KIs के तहत प्रत्येक मैट्रिक्स के लिए QIF में दर्शाए गए सभी प्रासंगिक दस्तावेजों एवं डेटा को टेम्पलेट के रूप में रखें ताकि जब ऑनलाइन SSR तक अभिगम उपलब्ध हो, तो प्रासंगिक डेटा प्रदान करना आसान हो।

- जहां कहीं भी मौखिक विवरण की आवश्यकता हो, संक्षेप में लिखें (उदाहरण के लिए ... 500 शब्दों से अधिक नहीं ... या ... 200 से अधिक शब्दों में ..., और ऐसे अन्य)। अच्छी तरह से चिंतन करें और 'फ्रिल' विवरण पर स्थान/शब्दों को व्यर्थ किए बिना संस्थान के बारे में मांगे गए विवरणों की मुख्य विशेषताएं बताते हुए विवरण तैयार करें।

- मात्रात्मकमैट्रिक्स (QnM) के संबंध में डेटा जमा करने के लिए ऑनलाइन प्रारूप (टेम्पलेट) खंड ख के उप खंड 6 में दिए गए हैं। नैक वेबसाइट में उपलब्ध एक्सेलप्रारूप में टेम्पलेट'ऑनलाइन आवेदन टैब' से डाउनलोड किया जा सकता है।

- सुनिश्चित करें कि हर जगह प्रामाणिक, सही डेटा उपलब्ध कराया गया है। गलत डेटा या गलत विवरण के कारण अपात्रता या जुर्माना हो सकता है।

- नैक द्वारा दिए गए समय विनिर्देशों का सख्ती से पालन करें।

- कुछ विवरण पर काम करना पड़ सकता है यदि वे तैयार नहीं हैं; उदाहरण के लिए COs, PSOs, विभिन्न मिनटों से संकलित रिपोर्ट एवं फीडबैक का विश्लेषण, आदि।

- खंड ख में दिए गए विवरण के अनुसार अपलोड करने के लिए एक संक्षिप्त कार्यकारी सारांश तैयार रखें।

- नैक को जब तक निर्दिष्ट न हो, हार्ड कॉपी के रूप में कोई सूचना न भेजें।

- नैक वेबसाइट में उपलब्ध शब्दावली/नोट्स एवं SOP सहित नियमावली को अच्छे से पढ़ें। इससे गुणवत्ता संकेतक रूपरेखा (QIF) में प्रयुक्त शर्तों की स्पष्ट समझ होगी।

Copyright Reg. No: L-94579/2020

- वित्त से संबंधित मेट्रिक्स के लिए, पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष (1 अप्रैल से 31 मार्च) के उपयोग द्वारा डेटा को समेकित करने के लिए, प्रकाशन-संबंधित डेटा के लिए, पूर्ववर्ती कैलेंडर वर्ष (1 जनवरी से 31 दिसंबर) डेटा दर्ज करने के लिए और अन्य मैट्रिक्स के लिए किया जा सकता है। पोर्टल के 'डेटाकैप्चरिंगप्रारूप' में डेटा दर्ज करने के लिए पूर्ववर्ती शैक्षणिक वर्ष लिया जा सकता है। जहां भी वर्तमान वर्ष के आंकड़ों की आवश्यकता का उल्लेख हो, अंतिम पूर्ण शैक्षणिक वर्ष के आंकड़ों का उपयोग करें।

XIII. HEIकी वेबसाइट पर अनिवार्य प्रकटीकरण

मूल्यांकन एवं प्रत्यायन की प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, उच्च शिक्षण संस्थानों (HEIs) के लिए यह आवश्यक है कि वे SSR को अन्य प्रासंगिक दस्तावेजों के साथ संस्थागत वेबसाइट पर अपलोड करें। उच्च शिक्षा संस्थान (HEIs) की वेबसाइट पर एक अलग नैकटैब/लिंक बनाने और प्रत्यायन की वैधता अवधि समाप्त होने तक निम्नलिखित दस्तावेज अपलोड करने का सुझाव जाता है:

1) DVV प्रक्रिया (.पीडीएफप्रारूप) के बाद SSR ऑनलाइन जमा किया जाना चाहिए।

2) डेटाटेम्प्लेटSSR सहित अपलोड करें।

3) वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट (AQAR - वर्ष-वार)।

4) प्रत्यायन परिणाम दस्तावेज अर्थात प्रमाण पत्र, ग्रेड शीट, आदि।

उच्च शिक्षा संस्थान (HEIs) सभी प्रासंगिक दस्तावेजों को समायोजित करने के लिए अपने नैकटैब/लिंक को उपयुक्त रूप से डिजाइन कर सकते हैं।

Copyright Reg. No: L-94579/2020

खंड-ख

स्व-अध्ययन रिपोर्ट (SSR) के लिए डेटा आवश्यकता

यह खंड स्व-अध्ययन रिपोर्ट के ऑनलाइन प्रारूप को भरने के लिए विभिन्न आवश्यक डेटा का विवरण प्रस्तुत करता है,

1. कार्यकारी सारांश
2. विश्वविद्यालय की रूपरेखा
3. विश्वविद्यालय की विस्तारित रूपरेखा
4. गुणवत्ता संकेतक रूपरेखा (*QIF*)
5. विभागों की मूल्यांकन रिपोर्ट
6. डेटाटेम्प्लेट / दस्तावेज़ (मात्रात्मकमैट्रिक्स)

Copyright Reg. No: L-94579/2020

1. कार्यकारी सारांश

A&A प्रक्रिया के लिए आवेदन करने वाला की प्रत्येक HEI, संस्थान की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कार्यकारी सारांश तैयार करेगा जिसमें सम्मिलित हैं:

- **संस्था पर परिचयात्मक नोट:** स्थान, दृष्टि, लक्ष्य, संस्थान का प्रकार आदि।
- संस्थान की कार्य पद्धति पर **मापदंड-वार सारांश,** प्रत्येक मापदंड **250** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
- संस्थान के **सामर्थ्य, कमजोरी, अवसर एवंचुनौतियाँ** (**SWOC**) पर संक्षिप्त टिप्पणी।
- संस्था के बारे में पहले से बताई गई जानकारी के अलावा **कोई अतिरिक्त जानकारी।**
- संस्था के कार्य पद्धति के बारे में **कुल निर्णायक विश्लेषण।**

कार्यकारी सारांश 5000 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

Copyright Reg. No: L-94579/2020

2. विश्वविद्यालय की रूपरेखा

मूल जानकारी

विश्वविद्यालय का नाम और पता			
नाम			
पता			
शहर		**पिनकोड**	
राज्य		**वेबसाइट**	

संचार के लिए संपर्क विवरण

पदनाम	**नाम**	**एसटीडीकोड सहित टेलीफोन**	**मोबाइल**	**फैक्स**	**ईमेल**

विश्वविद्यालय की प्रकृति	संस्थान की स्थिति	
विश्वविद्यालय प्रकार	विश्वविद्यालय प्रकार	
स्थापना विवरण	विश्वविद्यालय की स्थापना की तिथि	
	स्थापना से पहले की स्थिति (यदि लागू हो)	स्वायत्त, संघटक, पीजी केंद्र, अन्य कोई
	उपरोक्त स्थिति की स्थापना तिथि	

मान्यता विवरण

Copyright Reg. No: L-94579/2020

यूजीसी या किसी अन्य राष्ट्रीय एजेंसी द्वारा विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता की तिथि	
धारा के तहत	दिनांक
यूजीसी के **2f**	
यूजीसी के **12**बी	

उत्कृष्टता सामर्थ्य विश्वविद्यालय

क्या विश्वविद्यालय को UGC द्वारा 'उत्कृष्टता सामर्थ्य विश्वविद्यालय (UPE)' के रूप में मान्यता मिली है?	हाँ	नहीं

स्थान, परिसर क्षेत्र एवं उपलब्ध कार्यक्रम

परिसर प्रकार	पता	स्थान	एकड़ में परिसर क्षेत्र	निर्मित क्षेत्र **sq.mts.**	उपलब्ध कार्यक्रम	स्थापना की तिथि	**UGC/MHRD** द्वारा मान्यता की तिथि
		शहरी					
		अर्धशहरी					
		ग्रामीण					
		जनजातीय					
		पहाड़ी					

शैक्षणिक सूचना

विश्वविद्यालय से संबद्ध संस्थान (निजी एवंमानित विश्वविद्यालयों के लिए लागू नहीं)

महाविद्यालय प्रकार	**स्थायी संबद्धता वाले महाविद्यालयों की संख्या**	**अस्थायी संबद्धता वाले महाविद्यालयों की संख्या**

महाविद्यालय प्रकार	**स्थायी**	**अस्थायी**	**कुल**	
शिक्षा शिक्षक/प्रशिक्षण				
व्यवसाय प्रशासनवित्त/प्रबंधन/वाणिज्य /				
सार्वभौमिकसभी विषयों के लिए / सामान्य				

Copyright Reg. No: L-94579/2020

विश्वविद्यालय के अंतर्गत महाविद्यालयों की संख्या का विवरण प्रस्तुत करें

संघटकमहाविद्यालय	
संबद्ध महाविद्यालय	
2(f) के अधीन महाविद्यालय	
2(f) एवं 12B2(f) के अधीन महाविद्यालय	
नैक से मान्यतामहाविद्यालय	
उत्कृष्टता सामर्थ्य वालेमहाविद्यालय (UGC)	
स्वायत्त महाविद्यालय	
स्नातकोत्तर विभागों वालेमहाविद्यालय	
अनुसंधान विभाग वाले महाविद्यालय	
विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त अनुसंधान संस्थान / केंद्र	

क्या विश्वविद्यालय किसी अन्य वैधानिक नियामक प्राधिकरण (**SRA**) द्वारा मान्यता प्राप्त कार्यक्रम उपलब्ध कराता है	हाँ	नहीं

विश्वविद्यालय में शिक्षण और c की संख्या का विवरण

शिक्षण संकाय

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	पदनान											
	प्रोफेसर				एसोसिएटप्रोफेसर				सहायक प्रोफेसर			
	पुरुष	स्त्री	अन्य	कुल	पुरुष	स्त्री	अन्य	कुल	पुरुष	स्त्री	अन्य	कुल
स्वीकृत												
भर्ती												
भर्ती करने के लिए शेष												
संविदात्मक												

गैर-शिक्षण स्टाफ

	पुरुष	स्त्री	अन्य	कुल
स्वीकृत				
भर्ती				
भर्ती करने के लिए शेष				
संविदात्मक				

तकनीकी स्टाफ

	पुरुष	स्त्री	अन्य	कुल
स्वीकृत				
भर्ती				
भर्ती करने के लिए शेष				
संविदात्मक				

Copyright Reg. No: L-94579/2020

शिक्षण स्टाफ की योग्यता

स्थायी शिक्षक										
उच्चतम योग्यता	**प्रोफेसर**			**एसोसिएटप्रोफेसर**			**सहायक प्रोफेसर**			**कुल**
	पुरुष	स्त्री	अन्य	पुरुष	स्त्री	अन्य	पुरुष	स्त्री	अन्य	
D.sc/D.Litt										
Ph.D.										
M.Phil.										
PG										

अस्थायी शिक्षक										
उच्चतम योग्यता	**प्रोफेसर**			**एसोसिएटप्रोफेसर**			**सहायक प्रोफेसर**			**कुल**
	पुरुष	स्त्री	अन्य	पुरुष	स्त्री	अन्य	पुरुष	स्त्री	अन्य	
D.sc/D.Litt										
Ph.D.										
M.Phil.										
PG										

अंशकालिक शिक्षक										
उच्चतम योग्यता	**प्रोफेसर**			**एसोसिएटप्रोफेसर**			**सहायक प्रोफेसर**			**कुल**
	पुरुष	स्त्री	अन्य	पुरुष	स्त्री	अन्य	पुरुष	स्त्री	अन्य	
D.sc/D.Litt										
Ph.D.										
M.Phil.										
PG										

Copyright Reg. No: L-94579/2020

प्रतिष्ठित शिक्षाविदों की नियुक्ति

	पुरुष	स्त्री	अन्य	कुल
प्रतिष्ठित प्रोफेसर				
अनुबंधक प्रोफेसर				
अतिथि प्रोफेसर				

विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित चेयर्स

क्रसं	विभाग का नाम	चेयर का नाम	प्रायोजक संगठन/एजेंसी का नाम

वर्तमान शैक्षणिक वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय में दाखिला लेने वाले छात्रों का निम्नलिखित विवरण प्रदान करें

कार्यक्रम		उस राज्य से जहां विश्वविद्यालय स्थित है	भारत के अन्य राज्यों से	NRI छात्र	विदेशी छात्र	कुल
PG	पुरुष					
	स्त्री					
	अन्य					
UG	पुरुष					
	स्त्री					
	अन्य					
वैधानिक प्राधिकरण	पुरुष					
	स्त्री					

Copyright Reg. No: L-94579/2020

द्वारा मान्यता प्राप्त पीजी डिप्लोमा	अन्य					

क्या विश्वविद्यालय कोई एकीकृत कार्यक्रम प्रदान करता है ? हाँ/नहीं

एकीकृत कार्यक्रमों की कुल संख्या	

एकीकृत कार्यक्रम	उस राज्य से जहां विश्वविद्यालय स्थित है	भारत के अन्य राज्यों से	NRI छात्र	विदेशी छात्र	कुल
पुरुष					
स्त्री					
अन्य					

UGC **मानव संसाधन विकास केंद्र के अधीन कार्यक्रमों का विवरण, यदि लागू हो**

स्थापना वर्ष	
यूजीसीउन्मुखीकरण कार्यक्रमों की संख्या	
यूजीसीपुनश्चर्या पाठ्यक्रम की संख्या	
विश्वविद्यालय के अपने कार्यक्रमों की संख्या	
आयोजित कार्यक्रमों की कुल संख्या (गत पांच वर्षों के दौरान)	

विभाग मूल्यांकन रिपोर्ट

विभाग का नाम	मूल्यांकन रिपोर्ट

Copyright Reg. No: L-94579/2020

3. विश्वविद्यालय की विस्तारित रूपरेखा

1 कार्यक्रम:

1.1 गत पांच वर्षों के दौरान वर्ष-वार प्रस्तावित कार्यक्रमों की संख्या

वर्ष					
संख्या					

2 छात्र डेटा:

2.1 गत पांच वर्षों के दौरान वर्षवार छात्रों की संख्या

वर्ष					
संख्या					

2.2 गत पांच वर्षों के दौरान वर्ष-वार बहिर्गामी/अंतिम वर्ष के छात्रों की संख्या

वर्ष					
संख्या					

2.3गत पांच वर्षों के दौरान विश्वविद्यालय की वर्ष-वार परीक्षा में उपस्थित छात्रों की संख्या

वर्ष					
संख्या					

2.4गत पांच वर्षों के दौरान वर्ष-वार प्राप्त पुनर्मूल्यांकन आवेदनों की संख्या

वर्ष					
संख्या					

Copyright Reg. No: L-94579/2020

3 शैक्षणिक डेटा:

3.1 गत पांच वर्षों के दौरान वर्ष-वार सभी कार्यक्रमों में पाठ्यक्रमों की संख्या

वर्ष					
संख्या					

3.2गत पांच वर्षों के दौरान वर्ष-वार पूर्णकालिक शिक्षकों की संख्या

वर्ष					
संख्या					

3.3गत पांच वर्षों के दौरान वर्ष-वार स्वीकृत पदों की संख्या

वर्ष					
संख्या					

4 प्रवेश डेटा:

4.1 गत पांच वर्षों के दौरान वर्ष-वार सभी कार्यक्रमों के लिए प्राप्त पात्र आवेदनों की संख्या

वर्ष					
संख्या					

4.2 गत पांच वर्षों के दौरान भारत सरकार/राज्य सरकार के नियमानुसार आरक्षित वर्ग के लिए निर्धारित सीटों की संख्या

वर्ष					
संख्या					

Copyright Reg. No: L-94579/2020

4.3 कक्षा तथा संगोष्ठी हॉल की कुल संख्या : कक्षा : _____ संगोष्ठी हॉल : _____

4.4 शैक्षणिक उद्देश्य के लिए परिसर में कुल कंप्यूटरों की संख्या : _____

4.5 गत पांच वर्षों के दौरान वर्ष-वार वेतन को छोड़कर कुल व्यय (लाख रुपये)

वर्ष					
व्यय					

4. गुणवत्ता संकेतक रूपरेखा (QIF)

आवश्यक नोट :

नैक वेबसाइट पर उपलब्ध SSR को ऑनलाइन प्रारूप में भरना होगा।

निम्न QIF सभी सात मापदंडों के लिए प्रत्येक प्रमुख संकेतक (KI) के अधीन मैट्रिक्स प्रस्तुत करता है।

QIF के दौरान, प्रत्येक मैट्रिक को निम्न विवरण के रूप में दिया गया है :

- *आवश्यक डेटा*
- *सूचना की गणना के लिए सूत्र, जहाँ भी आवश्यक हो, एवं*
  - *फ़ाइल विवरण – जहाँ भी आवश्यक हो, दस्तावेज़ को अपलोड करने के लिए*

(**येउपाय संस्थानों को उनके** SSR **की तैयारी में मदद करेंगे**).

कुछ गुणात्मक मैट्रिक्स (QlM) के लिए जहाँ वर्णनात्मक डेटा आवश्यक हैं, यह निर्दिष्ट किया जाता है कि किस प्रकार की जानकारी दी जानी है और कितनी। यह सलाह दी जाती है कि डेटा को पहले से ही संकलित किया जाए।

Copyright Reg. No: L-94579/2020

मात्रात्मकमैट्रिक्स (Q_nM) के लिए जहां भी सूत्र दिए गए हैं, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि ये केवल HEIs को सूचित करने के लिए हैं कि उनके द्वारा प्रस्तुत डेटा का उपयोग किस तरह से किया जाएगा। वास्तविक ऑनलाइन प्रारूप केवल एक निर्दिष्ट तरीके से डेटा प्राप्त करता है जिसे बाद उसे डिजिटल रूप से संसाधित किया जाता है।

मैट्रिक-वार भारिता भी दिया गया है।

IT डिजाइन के अनुकूल बनाने के लिए वास्तविक ऑनलाइन प्रारूप इस नियमावली में दिए गए QIF से थोड़ा अलग हो सकता है। भरते समय इसे ध्यान से देखें।

मापदंड1–पाठ्यक्रम पहलू (150)

मुख्य संकेतक – 1.1 पाठ्यक्रम अभिकल्पन व विकास (50)

मैट्रिकसं		भारिता
1.1.1 **Q_1M**	***विकसित एवं कार्यान्वित पाठ्यक्रम, स्थानीय, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और वैश्विक विकास संबंधी आवश्यकताओं के साथ प्रासंगिक होती है, जो विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रमों के कार्यक्रम परिणामों (*** POs***), कार्यक्रम विशिष्ट परिणामों (***PSOs***) एवं पाठ्यक्रम परिणामों (***COs***) में परिलक्षित होती है।*** अधिकतम 500 शब्दों में विवरण लिखें **फाइल विवरण** • अतिरिक्त जानकारी अपलोड करें • अतिरिक्त जानकारी के लिए लिंक प्रदान करें।	**20**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

1.1.2	***उन कार्यक्रमों का प्रतिशत, जहां पिछले पांच वर्षों के दौरान पाठ्यक्रम में संशोधन किया गया था***	**20**
Q_nM	1.1.2.1: पिछले पांच वर्षों के दौरान उपलब्ध कराए कार्यक्रमों की कुल संख्या में से कितने कार्यक्रमों को संशोधित किया गया? 1.1.2.2 :पिछले पांच वर्षों के दौरान संस्था द्वारा उपलब्ध कराए सभी कार्यक्रमों की संख्या गत पांच वर्षों की डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • प्रोग्राम कोड • संशोधित कार्यक्रमों के नाम सूत्र: $\frac{\text{Number of Programmes in which syllabus was revised during the last five years}}{\text{Total Number of Programmes offered by the institution during the last five years}} \text{ X } \mathbf{100}$ **फाइल विवरण (**अपलोड करें) • संबंधित अकादमिक परिषद/ BOS बैठकों के कार्यवृत्त • कोई अतिरिक्त जानकारी • पिछले 5 वर्षों में कार्यक्रम पाठ्यक्रम संशोधन का विवरण (डेटाटेम्पलेट)	

Copyright Reg. No: L-94579/2020

1.1.3 **Q_nM**	***विश्वविद्यालय द्वारा रोजगार योग्यता/उद्यमिता/कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करने वाले पाठ्यक्रमों का औसत प्रतिशत*** 1.1.3.1: पिछले पांच वर्षों के दौरान वर्ष-वार रोजगार योग्यता/उद्यमिता/कौशल विकास पर केंद्रित पाठ्यक्रमों की संख्या गत पांच वर्षों की डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • कोड संख्या सहित पाठ्यक्रम का नाम • रोजगार क्षमता/उद्यमिता/कौशल विकास को प्रभावित करने वाली गतिविधियां • कार्यक्रम का नाम सूत्र: $$\textbf{Percentageperyear} = \frac{\text{Number of courses having focus on employability or entrepreneurship or skill development}}{\text{Total Number of courses in all Programmes}} \textbf{X100}$$ $$\text{Average percentage} = \frac{\sum \text{Percentage per year}}{5}$$ **फाइल विवरण (**अपलोड करें) • कोई अतिरिक्त जानकारी • कार्यक्रम/पाठ्यक्रम/कोर्स का पाठ्यक्रम • इन पाठ्यक्रमों के अनुमोदन सहित अध्ययन बोर्ड/शैक्षणिक परिषद की बैठकों का कार्यवृत्त • इन पाठ्यक्रमों के लिए संबंधित संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन, यदि कोई हो। • रोजगार क्षमता/उद्यमिता/कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करने वाले पाठ्यक्रमों का औसत प्रतिशत (डेटाटेम्पलेट)	**10**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

मुख्य संकेतक – 1.2शैक्षणिक लचीलापन (50)

मैट्रिकसं		भारिता
1.2.1 QnM	**गत पांच वर्षों के दौरान सभी कार्यक्रमों में कुल पाठ्यक्रमों में से प्रारंभ किए गए नए पाठ्यक्रमों का प्रतिशत** 1.2.1.1: गत पांच वर्षों के दौरान कितने नए पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए? 1.2.1.2 :पिछले पांच वर्षों के दौरान संस्थान द्वारा सभी कार्यक्रमों में उपलब्ध पाठ्यक्रमों की संख्या गत पांच वर्षों की डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • प्रारंभ किए गए नए पाठ्यक्रम का नाम • कार्यक्रम का नाम सूत्र : $\frac{\text{Numberofnewcourses introducedduringthelastfiveyears}}{\text{Total Numberof courses offered duringthelastfiveyears}} \text{X}100$ **फाइल विवरण (**अपलोड करें) • संबंधित अकादमिक परिषद/ BOS बैठकों के कार्यवृत्त • कोई अतिरिक्त जानकारी • निर्धारित प्रारूप में संस्थागतडेटा (1.1.3 के अनुसारडेटाटेम्पलेट)	30

1.2.2 QnM	**उन कार्यक्रमों का प्रतिशत जिनमें विकल्प आधारित क्रेडिटसिस्टम (*CBCS*) /वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रणाली लागू की गई है (पूर्ण शैक्षणिक वर्ष के लिए डेटा प्रदान करें)** 1.2.2.1: कार्यक्रम की संख्या, जिसमें CBCS / वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रणाली लागू की गई थी डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • CBCSको अपनाने वाले सभी कार्यक्रमों के नाम	20

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	• वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रणाली को अपनाने वाले सभी कार्यक्रमों के नाम सूत्र : $\frac{\text{Number of Programmes in which CBCS or elective course system implemented}}{\text{Total number of Programmes offered}}$ **X 100** **फाइल विवरण (**अपलोड करें) • कोई अतिरिक्त जानकारी • संबंधित अकादमिक परिषद/ BOS बैठकों के कार्यवृत्त • निर्धारित प्रारूप में संस्थागतडेटा (1.1.2 के अनुसारडेटाटेम्पलेट)	

मुख्य संकेतक –1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन (30)

मैट्रिकसं		भारिता
1.3.1 Q_1M	***संस्थान, व्यावसायिक नैतिकता, लिंग, मानवीय मूल्यों, पर्यावरण और स्थिरता से संबंधित प्रमुख विषयों को पाठ्यक्रम में एकीकृत करता*** अधिकतम 500 शब्दों में विवरण लिखें **फाइल विवरण (**अपलोड करें) • कोई अतिरिक्त जानकारी • पाठ्यक्रम में लिंग, पर्यावरण और स्थिरता, मानवीय मूल्यों और व्यावसायिक नैतिकता को संबोधित करने वाले पाठ्यक्रमों की सूची और विवरण अपलोड करें	**5**
1.3.2 Q_nM	***गत पांच वर्षों के दौरान हस्तांतरणीयएवं जीवन कौशल प्रदान करने के लिए मूल्य वर्धित पाठ्यक्रमों की संख्या*** 1.3.2.1: गत 5 वर्षों के दौरान कितने नए मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए गत पांच वर्षों की डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • 30 या अधिक घंटे वाले मूल्यवर्धित पाठ्यक्रमों के नाम • एक वर्ष के दौरान ऐसे पाठ्यक्रमों की संख्या	**10**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

<table>
<tr><td></td><td>• वर्ष में पाठ्यक्रम पूरा करने वाले छात्रों की कुल संख्या
फाइल विवरण (अपलोड करें)
• कोई अतिरिक्त जानकारी
• मूल्य वर्धित पाठ्यक्रमों से संबंधित ब्रोशर या कोई अन्य दस्तावेज
• मूल्य वर्धित पाठ्यक्रमों की सूची (डेटाटेम्पलेट)</td><td></td></tr>
<tr><td>1.3.3

Q_nM</td><td>***उपरोक्तानुसार1.3.2 के अंतर्गत पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों का औसत प्रतिशत***
1.3.3.1: गत पांच वर्षों के दौरान वर्ष–वार हस्तांतरणीय और जीवन कौशल प्रदान करने वाले मूल्य वर्धित पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों की संख्या
<table><tr><td>वर्ष</td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>संख्या</td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td></tr></table>
गत पांच वर्षों की डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार)
• 30 या अधिक घंटे वाले मूल्यवर्धित पाठ्यक्रमों के नाम
• एक वर्ष के दौरान ऐसे पाठ्यक्रमों की संख्या
• वर्ष में पाठ्यक्रम पूरा करने वाले छात्रों की कुल संख्या
सूत्र:
$$\frac{\textbf{Number of students enrolled in the courses during the last five years}}{\textbf{Total Number of students}} \textbf{X100}$$
$$\text{Average percentage} = \frac{\sum \text{Percentage per year}}{5}$$
फाइल विवरण (अपलोड करें)
• कोई अतिरिक्त जानकारी
• नामांकित छात्रों की सूची (1.3.2 के रूप में डेटाटेम्पलेट)</td><td>10</td></tr>
<tr><td>1.3.4

Q_nM</td><td>***फील्ड परियोजना/ अनुसंधान परियोजना/ इंटर्नशिप करने वाले छात्रों का प्रतिशत (वर्तमान पूर्ण शैक्षणिक वर्ष के लिए डेटा दें)***
1.3.4.1: फील्ड परियोजनाओं या अनुसंधान परियोजनाओं या इंटर्नशिप करने वाले छात्रों की संख्या
डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार)
• कार्यक्रमों के नाम
• फील्ड परियोजनाओं या अनुसंधान परियोजनाओं या इंटर्नशिप करने वाले छात्रों की</td><td>5</td></tr>
</table>

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	संख्या सूत्र : $\frac{\text{Number of students undertaking field projects or research projects orinterships}}{\text{Total number of students}} \text{ X } 100$ **फाइल विवरण (**अपलोड करें) • कोई अतिरिक्त जानकारी • कार्यक्रमों सूची और फील्ड परियोजना अनुसंधान परियोजना/इंटर्नशिप करने वाले छात्रों की संख्या (डेटाटेम्पलेट)	

मुख्य संकेतक – 1.4 प्रतिपुष्टि प्रणाली (20)

मैट्रिकसं		भारिता
1.4.1 QnM	**पाठ्यक्रम के अभिकल्पन एवं समीक्षा के लिए संरचित प्रतिपुष्टि – सेमेस्टर-वार / वर्ष-वार** 1) छात्र , 2) शिक्षक, 3) कर्मचारी तथा 4) पूर्व छात्र विकल्प : A. उपरोक्त सभी 4 B. उपरोक्त में से कोई3 c. उपरोक्त में से कोई2किसी एक विकल्प को चुनें D. उपरोक्त में से कोई1 E. उपरोक्त में से कोई नहीं डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) विभिन्न हितधारकों से वर्ष-वार प्राप्त प्रतिपुष्टि का विश्लेषण रिपोर्ट **फाइल विवरण (**अपलोड करें) • हितधारकप्रतिपुष्टि रिपोर्ट के लिए URL • शासी परिषद, सिंडिकेट, प्रबंधन बोर्ड के कार्यवृत्त में दिए प्रतिपुष्टि पर विश्वविद्यालय की कार्रवाई रिपोर्ट (अपलोड करें) • कोई अतिरिक्त जानकारी (अपलोड करें)	10

Copyright Reg. No: L-94579/2020

1.4.2 **QnM**	*संस्था की प्रतिपुष्टि प्रक्रिया को निम्नानुसार वर्गीकृत किया जा सकता है:* • प्रतिपुष्टि एकत्र, विश्लेषण, कार्रवाई एवं प्रतिपुष्टि को संस्थागत वेबसाइट पर होस्ट किया गया • प्रतिपुष्टि एकत्र, विश्लेषण वकार्रवाई • प्रतिपुष्टि एकत्र • प्रतिपुष्टि नहीं ली गई **किसी एक विकल्प को चुनें** दस्तावेज़: शासी परिषद, सिंडिकेट, प्रबंधन बोर्ड और ऐसे अन्य वैधानिक निकायों के कार्यवृत्त में दिए प्रतिपुष्टि पर हितधारकप्रतिपुष्टि रिपोर्ट, विश्वविद्यालय की कार्रवाई रिपोर्ट को अपलोड करें **फाइल विवरण (**अपलोड करें) • कोई अतिरिक्त जानकारी • प्रतिपुष्टि रिपोर्ट के लिए URL	**10**

मापदंड 2 – शिक्षण-अध्ययन एवं मूल्यांकन (200)

मुख्य संकेतक – 2.1 छात्र नामांकन एवं प्रोफाइल (10)

मैट्रिकसं		भारिता
2.1.1 **QnM**	*मांग अनुपात (गत पांच वर्षों का औसत)* 2.1.1.1: गत पांच वर्षों के दौरान वर्षवार उपलब्ध सीटों की संख्या वर्ष | | | | | | संख्या | | | | | | गत पाँच वर्षों की डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • सभी कार्यक्रमों में उपलब्ध सीटों की संख्या • प्राप्त पात्र आवेदनों की कुल संख्या • स्वीकृत सीटों की तुलना में भरे गए सीटों की कुल संख्या	**5**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

<table>
<tr><td></td><td>सूत्र :

$$\frac{\textbf{Number of eligible applications received}}{\textbf{Total Number of seats available}} = \textbf{Ratio Per Year}$$

$$\textbf{Average Ratio} = \frac{\sum \textbf{Ratio per Year}}{5}$$

फाइल विवरण (अपलोड करें)

- कोई अतिरिक्त जानकारी
- डेटाटेम्पलेट के आधार पर मांग अनुपात (गत पांच वर्षों का औसत) (**दस्तावेज़ अपलोड करें**)</td><td></td></tr>
<tr><td>2.1.2

QnM</td><td>***गत पांच वर्षों के दौरान लागू आरक्षण नीति के अनुसार आरक्षित श्रेणियों (एससी, एसटी, ओबीसी, दिव्यांगजन, आदि) में भरी गई सीटों का औसत प्रतिशत***

(सुपरन्यूमेरीसीटों को छोड़कर)

2.1.2.1: गत पांच वर्षों के दौरान वर्ष-वार आरक्षित वर्ग से प्रवेश लेने वाले वास्तविक छात्रों की संख्या

वर्ष					
संख्या					

गत पाँच वर्षों की डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार)

- आरक्षित वर्ग के प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या
- भारत सरकार या राज्य सरकार के नियमानुसार आरक्षित वर्ग के लिए निर्धारित सीटों की कुल संख्या

सूत्र:

$$\textbf{Percentageperyear} = \frac{\textbf{Actualnumberofstudentsadmitted from the reservedcategories}}{\textbf{Total Numberofseats earmarked for reserved category as per GOIor StateGovernmentrule}} \textbf{X100}$$

$$\text{Average percentage} = \frac{\sum \text{Percentage per year}}{5}$$

फाइल विवरण (अपलोड करें)

- कोई अतिरिक्त जानकारी
- आरक्षित सीटों के सापेक्ष भरी गई सीटों का औसत प्रतिशत (डेटाटेम्पलेट)</td><td>5</td></tr>
</table>

मुख्य संकेतक -2.2 छात्र विविधता की आवश्यकताओं को पूर्ण करना (20)

Copyright Reg. No: L-94579/2020

मैट्रिकसं		भारिता
2.2.1 Q_1M	*संस्था छात्रों के सीखने के स्तर का मूल्यांकन करती है एवं उन्नत शिक्षार्थियों और कमजोर शिक्षार्थियों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करती है।* अधिकतम 500 शब्दों में विवरण लिखें **फाइल विवरण** • अतिरिक्त जानकारी के लिए लिंक प्रदान करें • कोई अतिरिक्त जानकारी अपलोड करें	10
2.2.2 Q_nM	*छात्र - पूर्णकालिक शिक्षक अनुपात (वर्तमान शैक्षणिक वर्ष के लिए डेटा)* डेटा आवश्यकता : • संस्थान में नामांकित छात्रों की कुल संख्या • संस्था में पूर्णकालिक शिक्षकों की कुल संख्या सूत्र : छात्र : शिक्षक **फाइल विवरण (**अपलोड करें) • कोई अतिरिक्त जानकारी	10

मुख्य संकेतक - 2.3 शिक्षण-अध्ययन प्रक्रिया (20)

मैट्रिकसं		भारिता
2.3.1 Q_1M	*छात्र-केंद्रित विधियों, जैसे कि अनुभवात्मक अध्ययन, सहभागी अध्ययन एवं समस्या समाधान पद्धतियों का उपयोग उनके अध्ययन अनुभवों को बढ़ाने के लिए किया जाता है।*	6

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	अधिकतम 500 शब्दों में विवरण लिखें **फाइल विवरण** • अतिरिक्त जानकारी के लिए लिंक प्रदान करें • कोई अतिरिक्त जानकारी अपलोड करें	
2.3.2 **Q_1M**	***शिक्षक प्रभावी शिक्षण एवं अध्ययन प्रक्रियाओं के लिए ऑनलाइन संसाधनों सहित ICT -सक्षम उपकरणों का उपयोग करते हैं*** अधिकतम 500 शब्दों में विवरण लिखें **फाइल विवरण** • अतिरिक्त जानकारी के लिए लिंक प्रदान करें • " LMS/शैक्षणिक प्रबंधन प्रणाली" का वर्णन करने वाले वेबपेज के लिए लिंक प्रदान करें	**6**
2.3.3 **Q_nM**	**अकादमिक और अन्य संबंधित विषयोंपर सलाह प्राप्त छात्रों का अनुपात (डेटा केवल वर्तमान शैक्षणिक वर्ष के लिए प्रदान किया जाए)** 2.3.3.1: परामर्शदाता की संख्या प्रत्येक परामर्शदाता को निर्दिष्ट छात्रों की संख्या सूत्र : परामर्शदाता : सलाह प्राप्त छात्र **फाइल विवरण** • वर्ष-वार नामांकित छात्रों की संख्या और पूर्णकालिक शिक्षक की संख्या अपलोड करें। • परामर्शदाता को सौंपने जाने छात्रों से संबंधित परिपत्र • परामर्शदाता/सलाह प्राप्त छात्र अनुपात	**8**

मुख्य संकेतक – 2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल एवं गुणवत्ता (50)

मैट्रिकसं		भारिता
2.4.1	***गत पांच वर्षों के दौरान स्वीकृत पदों की संख्या के सापेक्ष नियुक्त पूर्णकालिक शिक्षकों का औसत प्रतिशत***	**15**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

QnM	गत पाँच वर्षों की डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • पूर्णकालिक शिक्षकों की संख्या • स्वीकृत पदों की संख्या सूत्र : Percentage per year = $\frac{\textbf{Number of full-time teachers}}{\textbf{Total Number of sanctioned posts}}$ X **100** Average percentage = $\frac{\sum \text{Percentage per year}}{5}$ **फाइल विवरण (**अपलोड करें) • वर्षवार पूर्णकालिक शिक्षक और 5 वर्षों के लिए स्वीकृत पद (डेटाटेम्पलेट) • कोई अतिरिक्त जानकारी • उच्च शिक्षा संस्थान प्रमुख द्वारा प्रमाणित संकाय सदस्यों की सूची	
2.4.2 **QnM**	***Ph.D./D.M/M.Ch./D.N.Bसुपरस्पेशलिटी/D.Sc./D'Litवाले पूर्णकालिक शिक्षकों का औसत प्रतिशत।*** 2.4.2.1: गत पांच वर्षों के दौरान वर्ष-वार Ph.D./D.M/M.Ch./D.N.Bसुपरस्पेशलिटी/D.Sc./D'Lit. वाले पूर्णकालिक शिक्षकों की संख्या | वर्ष | | | | | | | | संख्या | | | | | | | गत पाँच वर्षों की डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार • Ph.D./D.M/M.Ch./D.N.Bसुपरस्पेशलिटी/D.Sc./D'Lit. वाले पूर्णकालिक शिक्षकों की संख्या • पूर्णकालिक शिक्षकों की संख्या सूत्र: Percentage per year =	**15**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	$\frac{\text{Numberoffulltimeteachers with Ph.D./D.M/M.Ch./D.N.B Superspeciality/D.Sc./D'Lit.}}{\text{Total Number of fulltimeteachers}} \text{ X } 100$ $\text{Average percentage} = \frac{\sum \text{Percentage per year}}{5}$ **फाइल विवरण (**अपलोड करें) • कोई अतिरिक्त जानकारी • Ph.D./D.M/M.Ch./D.N.Bसुपरस्पेशलिटी/D.Sc./D'Litवाले पूर्णकालिक शिक्षकों की सूची एवं पांच वर्षों के लिए पूर्णकालिक शिक्षकों की संख्या (डेटाटेम्पलेट)	
2.4.3 **QnM**	***संस्थान में पूर्णकालिक शिक्षकों का औसत शिक्षण अनुभव (डेटा केवल वर्तमान शैक्षणिक वर्ष के लिए, वर्षों की संख्या में प्रदान करें)*** 2.4.3.1: पूर्णकालिक शिक्षकों का कुल अनुभव डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • वर्षों के अध्यापन अनुभव वाले पूर्णकालिक शिक्षकों के नाम और संख्या सूत्र: $\frac{\text{Sum of total experience of full time teachers in the same institution}}{\text{Number of full time teachers}}$ **फाइल विवरण (**अपलोड करें) • कोई अतिरिक्त जानकारी • शिक्षकों की सूची, उनके पैन संख्या, पदनाम, विभाग और अनुभव विवरण सहित (2.4.1 के अनुसार डेटाटेम्पलेट)	**10**
2.4.4 **QnM**	***गत पांच वर्षों के दौरान राज्य, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार, मान्यता, फेलोशिप प्राप्त करने वाले पूर्णकालिक शिक्षकों का औसत प्रतिशत।***	**10**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	2.4.4.1: गत पांच वर्षों के दौरान राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त करने वाले पूर्णकालिक शिक्षकों की संख्या। वर्ष | | | | | | संख्या | | | | | | गत पाँच वर्षों की डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • राज्य, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त करने वाले पूर्णकालिक शिक्षकों की संख्या • पूर्णकालिक शिक्षकों की संख्या सूत्र: $\frac{\text{Numberoffulltimeteachers receivingawards fromstatelevel,nationallevel, internationallevel during the last five years}}{\text{Average number of full time teachers during the last five years}} \text{ X } 100$ **फाइल विवरण (**अपलोड करें) • निर्धारित प्रारूप में संस्थागतडेटा (डेटाटेम्पलेट) • कोई अतिरिक्त जानकारी • पुरस्कार पत्रों की ई-कॉपी (स्कैन या सॉफ्ट कॉपी)	

मुख्य संकेतक – 2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया एवं सुधार (40)

मैट्रिकसं		भारिता
2.5.1 **Q_nM**	***गत पांच वर्षों के दौरान अंतिम सेमेस्टर-अंत/वर्ष-अंत परीक्षा की तारीख से परिणामों की घोषणा तक दिनों की औसत संख्या*** 2.5.1.1: गत पांच वर्षों के दौरान वर्ष-वार परिणाम घोषित होने तक अंतिम सेमेस्टर-अंत/वर्ष-अंत परीक्षा की तारीख से दिनों की संख्या वर्ष | | | | | |	**15**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	संख्या	

गत पाँच वर्षों की डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार)

- सेमेस्टर-वार/वर्षवार
- अंतिम सेमेस्टर-अंत/वर्ष-अंत परीक्षा की अंतिम तिथि
- परिणामों की घोषणा हेतु लिए गए दिनों की संख्या
- गत पांच वर्षों के दौरान परिणामों की घोषणा के लिए दिनों की औसत संख्या

फाइल विवरण (अपलोड करें)

- कोई अतिरिक्त जानकारी
- कार्यक्रमों की सूची एवं अंतिम सेमेस्टर की तारीख और परिणामों की घोषणा की तारीख (डेटाटेम्पलेट)

2.5.2 — ***गत पांच वर्षों के दौरान परीक्षाओं में कुल संख्या में से मूल्यांकन हेतु छात्रों की शिकायतों/शिकायतों का औसत प्रतिशत*** — **10**

Q_nM

2.5.2.1: गत पांच वर्षों के दौरान वर्षवार मूल्यांकन संबंधी शिकायतों की संख्या

वर्ष					
संख्या					

गत पांच वर्षों की डेटा आवश्यकता:

- मूल्यांकन संबंधी शिकायतों की संख्या
- परीक्षा में उपस्थित छात्रों की कुल संख्या

सूत्र:

$$\text{Percentage per year} = \frac{\text{Number of complaints or grievances about evaluation}}{\text{Total Number of students appeared in the examination}} \text{ X } \mathbf{100}$$

$$\text{Average percentage} = \frac{\sum \text{Percentage per year}}{5}$$

फाइल विवरण (अपलोड करें)

- कोई अतिरिक्त जानकारी

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	• शिकायतों की संख्या और वर्ष-वार उपस्थित होने वाले छात्रों की कुल संख्या	
2.5.3 **Q_1M**	***परीक्षा प्रक्रियाओं में*** IT ***एकीकरण और सुधार (निरंतर आंतरिक मूल्यांकन एवं अंतिम सेमेस्टर मूल्यांकन) के कारण संस्थान की परीक्षा प्रबंधन प्रणाली में काफी सुधार हुआ है।*** अधिकतम 500 शब्दों में विवरण लिखें **फाइल विवरण (**अपलोड करें) • कोई अतिरिक्त जानकारी • आवेदनों की वर्ष-वार संख्या, छात्र और पुनर्मूल्यांकन मामले	**10**
2.5.4 **Q_nM**	***अनुमोदित परीक्षा नियमावली के साथ परीक्षा प्रभाग के स्वचालन की स्थिति*** ***क.*** संपूर्ण प्रभाग का ***100%*** स्वचालन और परीक्षा प्रबंधन प्रणाली) EMSका कार्यान्वयन (***ख.*** केवल छात्र पंजीकरण, हॉल टिकट जारी करना एवं परिणाम प्रसंस्करणकेवल छात्र पंजीकरण एवं परिणाम प्रसंस्करण ***ग.*** केवल परिणाम प्रसंस्करण ***घ.*** केवल मैनुअल कार्यप्रणालीकिसी एक विकल्प को चुनें डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) **फाइल विवरण (**अपलोड करें) • परीक्षा स्वचालन प्रणाली की वर्तमान नियमावली • स्वचालन की वर्तमान स्थिति सहित परीक्षाओं का वार्षिक रिपोर्ट • परीक्षा स्वचालन प्रणाली का वर्तमान नियमावली एवं स्वचालन की वर्तमान स्थिति सहित परीक्षाओं की वार्षिक रिपोर्ट (डेटाटेम्पलेट) • कोई अतिरिक्त जानकारी	**5**

मुख्य संकेतक - 2.6 छात्र प्रदर्शन एवं अध्ययन परिणाम (30)

Metric No.		Weightage
2.6.1 **Q_1M**	***संस्थान ने अध्ययन के परिणामों (सामान्य और कार्यक्रम विशिष्ट) / स्नातक विशिष्टता को बताया है जो मूल्यांकन प्रक्रिया में एकीकृत हैं तथा वेबसाइट व अन्य दस्तावेजों के माध्यम से व्यापक रूप से प्रचारित हैं।*** अधिकतम 500 शब्दों में विवरण लिखें **फाइल विवरण** • कोई अतिरिक्त जानकारी अपलोड करें • अतिरिक्त जानकारी के रूप में लिंक प्रदान करें • सभी पाठ्यक्रमों के लिए COs अपलोड करें (शब्दावली से प्रतिमान)	**10**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

2.6.2 **Q_1M**	***कार्यक्रम के परिणामों की प्राप्ति, कार्यक्रम विशिष्ट परिणामों और पाठ्यक्रम के परिणामों का मूल्यांकन संस्था द्वारा किया जाता है*** POs , PSOs एवं COs की प्राप्ति के स्तर को मापने की विधि का वर्णन *500* शब्दों से अधिक में न करें। **फाइल विवरण** • कोई अतिरिक्त जानकारी अपलोड करें • अतिरिक्त जानकारी के लिए लिंक प्रदान करें	**10**
2.6.3 **Q_nM**	***छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत (डेटा केवल वर्तमान शैक्षणिक वर्ष के लिए प्रदान करें)*** 2.6.3.1: संस्थान द्वारा आयोजित परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले अंतिम वर्ष के छात्रों की कुल संख्या 2.6.3.2: संस्थान द्वारा आयोजित परीक्षा लेने वाले अंतिम वर्ष के छात्रों की कुल संख्या डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • कार्यक्रम कोड • कार्यक्रम का नाम • परीक्षा लेने वाले छात्रों की कुल संख्या • परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों की कुल संख्या • उत्तीर्णप्रतिशत सूत्र: $$\frac{\text{Total number of final year students who passed in the university examination}}{\text{Total number of final year students who appeared for the examination}} \text{ X } 100$$ **फाइल विवरण** • अंतिम वर्ष की परीक्षा में उत्तीर्ण और उपस्थित हुए छात्रों की संख्या और कार्यक्रमों की सूची अपलोड करें (डेटाटेम्पलेट) • कोई अतिरिक्त जानकारी अपलोड करें • वार्षिक रिपोर्ट के लिए लिंक प्रदान करें	**10**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

मुख्य संकेतक – 2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण (30)

मैट्रिकसं		भारिता
2.7.1 Q_nM	*शिक्षण–अध्ययन प्रक्रिया के संबंध में ऑनलाइन छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण।* (*ऑनलाइन सर्वेक्षण किया जाए)* डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • नाम/कक्षा/लिंग • छात्र आईडी नंबर/आधार संख्या • मोबाइल नंबर • ईमेल आईडी • डिग्री कार्यक्रम (वर्तमान में नामांकित सभी छात्रों का डेटाबेस तैयार करने और QIF को ऑनलाइन जमा करने के साथ नैक के साथ साझा करना आवश्यक है) **फाइल विवरण** • कोई अतिरिक्त जानकारी अपलोड करें • वर्तमान में नामांकित सभी छात्रों का डेटाबेसअपलोड करें (डेटाटेम्प्लेट)	30

Copyright Reg. No: L-94579/2020

मापदंड 3 – अनुसंधान, नवाचार और विस्तार (250)

मुख्य संकेतक – 3.1 अनुसंधान एवं सुविधाओं को प्रोत्साहित करवना (20)

<table>
<tr><th>मैट्रिकसं</th><th></th><th>भारिता</th></tr>
<tr><td>3.1.1

Q_1M</td><td>संस्थान की अनुसंधान सुविधाओं को अकसर अद्यतन किया जाता है एवं अनुसंधान को प्रोत्साहित करने हेतु परिभाषित नीति है जिसे संस्थागत वेबसाइट पर अपलोड किया जाता है तथा लागू किया जाता है।

दस्तावेज़: अनुसंधान प्रोत्साहन नीति एवं इसे अपनाने से संबंधित शासी परिषद/ सिंडिकेट/प्रबंधन बोर्ड के कार्यवृत्त

फाइल विवरण (अपलोड करें)

• कोई अतिरिक्त जानकारी
• अनुसंधान प्रोत्साहन नीति एवं इसे अपनाने से संबंधित शासी परिषद/ सिंडिकेट/प्रबंधन बोर्ड के कार्यवृत्त
• वेबसाइट पर अपलोड किए जाने वाले अनुसंधान के प्रचार पर नीति दस्तावेज का URL</td><td>2</td></tr>
<tr><td>3.1.2

Q_nM</td><td>संस्थान अपने शिक्षकों को अनुसंधान के लिए बीज राशि प्रदान करता है (औसत प्रति वर्ष; लाख रुपये में)

3.1.2.1: गत पांच वर्षों के दौरान संस्थान द्वारा अपने संकाय को वर्ष-वार प्रदान की गई बीज राशि (लाख रुपये में)

<table><tr><td>वर्ष</td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>लाख रुपये में</td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td></tr></table>
गत पांच वर्षों की डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार)

• बीज राशि प्राप्त करने वाले शिक्षक का नाम
• बीज राशि
• बीज राशि प्राप्त करने का वर्ष

सूत्र:</td><td>3</td></tr>
</table>

Copyright Reg. No: L-94579/2020

<table>
<tr><td></td><td>

The amount of seed money provided by the institution to its faculty in the last 5 years

$$\frac{\text{The amount of seed money provided by the institution to its faculty in the last 5 years}}{5}$$

फाइल विवरण (अपलोड करें)

- कोई अतिरिक्त जानकारी
- विश्वविद्यालय के प्रासंगिक सांविधिक निकायों के कार्यवृत्त
- वित्त अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित बजटएवं व्यय विवरण, जो प्रदत्त व प्रयुक्त बीज राशि को दर्शाता है
- बीज राशि प्राप्त करने वाले शिक्षकों की सूची और प्राप्त बीज धन का विवरण (डेटाटेम्पलेट)

</td><td></td></tr>
<tr><td>3.1.3

QnM</td><td>

गत पांच वर्षों के दौरान उन्नत अध्ययन/अनुसंधान के लिए विभिन्न एजेंसियों द्वारा राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय फेलोशिप/वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले शिक्षकों का प्रतिशत

3.1.3.1: उन्नत अध्ययन/अनुसंधान के लिए विभिन्न एजेंसियों से राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय फेलोशिप/वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले शिक्षकों की संख्या; गत पांच वर्षों के दौरान वर्ष–वार

वर्ष					
शिक्षकों की संख्या					

गत पांच वर्षों की डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार)

- उन्नत अध्ययन/अनुसंधान के लिए विभिन्न एजेंसियों द्वारा राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय फेलोशिप/वित्तीय सहायता प्राप्त शिक्षक का नाम
- प्राप्त पुरस्कार का नाम
- पुरस्कार वर्ष
- पुरस्कार देने वाली एजेंसी

$$\frac{\text{Total number of teachers who received national/ international fellowship/ financial support by various agencies for advanced studies/research during the last five years}}{\text{Total number of full time teachers during the last five years}} \times 100$$

फाइल विवरण (अपलोड करें)

- कोई अतिरिक्त जानकारी
- शिक्षकों के पुरस्कार पत्रों की ई–प्रतियां
- शिक्षकों की सूची और उनके अंतर्राष्ट्रीय फेलोशिप विवरण (डेटाटेम्प्लेट)

</td><td>3</td></tr>
</table>

Copyright Reg. No: L-94579/2020

3.1.4 **Q_nM**	***गत पांच वर्षों के दौरान संस्थान में नामांकित JRFs, SRFs, पोस्ट डॉक्टरलफेलो, रिसर्चएसोसिएट्स और अन्य रिसर्चफेलो की संख्या*** 3.1.4.1: गत पांच वर्षों के दौरान संस्थान में नामांकित JRFs, SRFs, पोस्ट डॉक्टरलफेलो, रिसर्चएसोसिएट्स और अन्य रिसर्चफेलो की संख्या वर्ष | | | | | | संख्या | | | | | | गत पांच वर्षों की डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • रिसर्चफेलो का नाम • प्रवेश वर्ष • फेलोशिप की अवधि • फेलोशिप प्रकार • अनुदान देने वाली एजेंसी **फाइल विवरण (अपलोड करें)** • कोई अतिरिक्त जानकारी • रिसर्चफेलो की सूची और उनके फेलोशिप विवरण प्रदान करें (डेटाटेम्पलेट)	**4**
3.1.5 **Q_nM**	***संस्थान में अनुसंधान के लिए निम्नलिखित सुविधाएं हैं:*** • ***सेंट्रल इंस्ट्रुमेंटेशन सेंटर*** • ***एनिमल हाउस/ग्रीन हाउस*** • ***संग्रहालय*** • ***मीडिया प्रयोगशाला/स्टूडियो*** • ***व्यापार प्रयोगशाला*** • ***अनुसंधान/सांख्यिकीय डेटाबेस*** • ***मूट कोर्ट*** • ***थिएटर*** • ***कला दीर्घा*** विकल्प: विकल्प : A. उपरोक्त में 4 या सभी B. उपरोक्त में 3या सभी C. उपरोक्त में 2 या सभीकिसी एक विकल्प को चुनें D. उपरोक्त में 1 या सभी E. उपरोक्त में से कोई नहीं डेटा आवश्यकता: • सुविधा का नाम • स्थापना वर्ष	**3**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	• जियोटैग की गई तस्वीरें **फाइल विवरण** • वीडियो और जियोटैग की गई तस्वीरों का लिंक प्रदान करें • विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं और उनकी स्थापना के वर्षों की सूची अपलोड करें • कोई अतिरिक्त जानकारी अपलोड करें	
3.1.6 Q_nM	***UGC-SAP, CAS, DST-FIST, DBT, ICSSR एवं राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा अन्य मान्यता वाले विभागों का प्रतिशत (वर्तमान शैक्षणिक वर्ष के लिए डेटा)*** 3.1.6.1: UGC-SAP, CAS, DST-FIST , DBT, ICSSR और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा अन्य समरूप मान्यता वाले विभागों की संख्या डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • विभाग का नाम • योजना का नाम • वित्त पोषण एजेंसी का नाम • पुरस्कृत वर्ष • प्रदत्त धनराशि • पुरस्कृत अवधि सूत्र: $$\frac{\text{Number of departments with UGC} - \text{SAP, CAS, DST} - \text{FIST, DBT, ICSSR and other similar recognitions}}{\text{Total number of departments offering academic programmes}} \text{X100}$$ **फाइल विवरण (अपलोड करें)** • कोई अतिरिक्त जानकारी • विभागीय मान्यता पुरस्कार पत्रों का ई-संस्करण • विभागों की सूची एवं पुरस्कार विवरण प्रदान करें (डेटाटेम्पलेट)	**5**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

मुख्य संकेतक – 3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन संग्रहण (20)

मैट्रिकसं		भारिता
3.2.1 Q_nM	***गत पांच वर्षों के दौरान विश्वविद्यालय में अनुसंधान के लिए बाह्य वित्त पोषण (लाख रुपये में) (गैर-सरकारी स्रोतों यथा उद्योग, कॉर्पोरेट, अनुसंधान परियोजनाओं हेतु अंतर्राष्ट्रीय निकायों द्वारा प्रायोजित अनुदान), निधि, चेयर्स*** 3.2.1.1: गत पांच वर्षों के दौरान संस्थान में गैर-सरकारी स्रोतों जैसे उद्योग, कॉरपोरेट, अंतर्राष्ट्रीय निकायों, निधि, चेयर्स की संस्था द्वारा प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए कुल अनुदान (लाख रुपये में) वर्ष | | | | | | लाख रुपये में | | | | | | गत पांच वर्षों की डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • परियोजना का नाम/निधि, चेयर्स • प्रधान अन्वेषक का नाम • प्रधान अन्वेषक विभाग • पुरस्कृत वर्ष • प्रदत्त धनराशि • परियोजना अवधि **फाइल विवरण (अपलोड करें)** • कोई अतिरिक्त जानकारी • गैर-सरकारी एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अनुदान/पुरस्कार पत्रों की ई-प्रतियां • परियोजनाओं की सूची एवं अनुदान विवरण (3.1.6 के डेटाटेम्पलेट के अनुसार)	5
3.2.2 Q_nM	***गत पांच वर्षों के दौरान सरकारी एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अनुदान (लाख रुपये में)*** 3.2.2.1: गत पांच वर्षों के दौरान वर्ष-वार सरकारी एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए कुल अनुदान (लाख रुपये में) वर्ष | | | | | |	10

Copyright Reg. No: L-94579/2020

लाख रुपये में						

गत पांच वर्षों की डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार)

- परियोजना का नाम /निधि, चेयर्स
- प्रधान अन्वेषक का नाम
- प्रधान अन्वेषक विभाग
- पुरस्कृत वर्ष
- प्रदत्त धनराशि
- परियोजना अवधि
- वित्त पोषण एजेंसी
- कुल धनराशि

फाइल विवरण (अपलोड करें)

- कोई अतिरिक्त जानकारी
- गैर-सरकारी एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अनुदान/पुरस्कार पत्रों की ई-प्रतियां
- परियोजनाओं की सूची एवं अनुदान विवरण (3.1.6 के डेटाटेम्पलेट के अनुसार)

3.2.3 — ***गत पांच वर्षों के दौरान सरकारी एवं गैर-सरकारी एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित प्रति शिक्षक अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या*** — **5**

Q_nM

3.2.3.1: गत पांच वर्षों के दौरान सरकारी एवं गैर-सरकारी एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या

3.2.3.2 :पिछले 5 वर्षों के दौरान संस्थान में कार्यरत अनुसंधान परियोजनाओं वाले पूर्णकालिक शिक्षकों की संख्या

वर्ष					
लाख रुपये में					

गत पांच वर्षों की डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार)

- प्रधान अन्वेषक का नाम
- परियोजना अवधि
- अनुसंधान परियोजना का नाम
- प्राप्त राशि/निधि
- स्वीकृति वर्ष
- प्राप्तकर्ता का विभाग

सूत्र:

$$\frac{\textbf{Total numberofresearchprojects funded by government and non – government agencies duringthelastfiveyears}}{\textbf{Average numberof full time teachers during the last five years}}$$

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	फाइल विवरण (अपलोड करें) • अनुसंधान परियोजनाओं की सूची एवं अनुदान विवरण (3.1.6 के डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • कोई अतिरिक्त जानकारी • वित्त पोषण एजेंसी से प्राप्त सहायक दस्तावेज • वित्त पोषण एजेंसी की वेबसाइट के लिए लिंक प्रदान करें	

मुख्य संकेतक – 3.3 नवाचारपारिस्थितिकी तंत्र (30)

मैट्रिकसं		**भारिता**
3.3.1 Q_1M	***संस्थान ने नवाचारों के लिए पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है, जिसमें इन्क्यूबेशन केंद्र और ज्ञान के सृजन और हस्तांतरण के लिए अन्य पहल सम्मिलित हैं*** उपलब्ध इन्क्यूबेशन केंद्र एवं उसके उपयोग (गतिविधि) के साक्ष्य का अधिकतम 500 शब्दों में वर्णन करें **फाइल विवरण** • कोई अतिरिक्त जानकारी अपलोड करें • अतिरिक्त जानकारी के लिए लिंक प्रदान करें	**10**
3.3.2 Q_nM	***गत पांच वर्षों के दौरान अनुसंधान पद्धति, बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR), उद्यमिता, कौशल विकास पर आयोजित कार्यशालाओं/सेमिनारों की संख्या*** 3.3.2.1: गत पांच वर्षों के दौरान अनुसंधान पद्धति, बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR), उद्यमिता, कौशल विकास पर वर्षवार आयोजित कार्यशालाओं/संगोष्ठियों की कुल संख्या वर्ष | | | | | | संख्या | | | | | | गत पांच वर्षों की डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • कार्यशाला/संगोष्ठियोंके नाम • प्रतिभागियों की संख्या • तारीख (..से....तक) • वेबसाइट पर गतिविधि रिपोर्ट का लिंक प्रदान करें	**10**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	फाइल विवरण (अपलोड करें) • आयोजन रिपोर्ट • कोई अतिरिक्त जानकारी • गत 5 वर्षों के दौरान आयोजित कार्यशाला/संगोष्ठियों की सूची (डेटाटेम्पलेट)	
3.3.3 **QnM**	***गत पांच वर्षों के दौरान संस्थान/शिक्षकों/शोध विद्वानों/छात्रों द्वारा अनुसंधान/नवाचार के लिए प्राप्त पुरस्कारों/मान्यताओं की संख्या*** 3.3.3.1: गत पांच वर्षों के दौरान संस्थान/शिक्षकों/शोध विद्वानों/छात्रों द्वारा अनुसंधान/नवाचार के लिए प्राप्त पुरस्कारों/मान्यताओं की कुल संख्या वर्ष | | | | | | संख्या | | | | | | गत पांच वर्षों की डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • पुरस्कार पाने वाले का नाम • पुरस्कार देने वाली एजेंसी का नाम व संपर्क विवरण • पुरस्कार वर्ष **फाइल विवरण (अपलोड करें)** • पुरस्कार प्रमाणपत्रों की ई-प्रतियां • कोई अतिरिक्त जानकारी • नवाचार एवं पुरस्कार विवरण की सूची (डेटाटेम्पलेट)	**10**

मुख्य संकेतक - 3.4 अनुसंधान प्रकाशन एवं पुरस्कार (100)

मैट्रिकसं		**भारिता**
3.4.1 **QnM**	***संस्थान, अनुसंधान के लिए अपनी वर्णित आचार संहिता का कार्यान्वयन सुनिश्चित करता है*** 3.4.1.1संस्थान में अनुसंधान के लिए वर्णित आचार संहिता है एवं जिसका कार्यान्वयन निम्नलिखित के माध्यम से सुनिश्चित किया जाता है: 1. अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम कार्य में अनुसंधान नैतिकता को सम्मिलित करना 2. संस्थागत आचार समितियों की उपस्थिति (पशु, रसायन, जैव-नैतिकता आदि) 3. साहित्यिक चोरी की जाँच	**5**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	4. अनुसंधान सलाहकार समिति **विकल्प:** A. उपरोक्तसभी B. उपरोक्त में से कोई 3 C. उपरोक्त में से कोई 2 D. उपरोक्त में से कोई 1 E. इनमे से कोई भी नहीं **(**किसी एक को चुनें**)** **फाइल विवरण (अपलोड करें)** • अनुसंधान दस्तावेज के लिए आचार संहिता, अनुसंधान सलाहकार समिति एवं आचार समिति का गठन व इन समितियों के सदस्यों की सूची, साहित्यिक चोरी की जांच के लिए प्रयुक्त सॉफ्टवेयर, वेबसाइट का लिंक • कोई अतिरिक्त जानकारी	
3.4.2 **QnM**	***संस्थान उन शिक्षकों को प्रोत्साहित करती है, जो राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मान्यताएं/पुरस्कार प्राप्त करते हैं*** 1.विश्वविद्यालय समारोह में प्रशस्ति पत्र एवं आर्थिक प्रोत्साहन 2.विश्वविद्यालय समारोह में प्रशस्ति पत्र और पदक 3. सम्मान प्रमाण पत्र 4.न्यूज़लेटर/वेबसाइट में घोषणा **विकल्प:** A. उपरोक्तसभी B. उपरोक्त में से कोई 3 C. उपरोक्त में से कोई 2 D. उपरोक्त में से कोई 1 E. इनमे से कोई भी नहीं **(**किसी एक को चुनें**)** डेटा आवश्यकताएँ: (**2.4.4** के डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • पुरस्कार पाने वाले का नाम संपर्क विवरण सहित	**5**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	• पुरस्कार देने वाली एजेंसी का नाम • पुरस्कार वर्ष • प्रोत्साहन विवरण **फाइल विवरण (अपलोड करें)** • पुरस्कार पत्रों की ई-प्रतियां • कोई अतिरिक्त जानकारी पुरस्कार विजेताओं की सूची एवं पुरस्कार विवरण प्रदान करें (2.4.4 के अनुसार डेटाटेम्पलेट)	
3.4.3 **QnM**	***गत पांच वर्षों के दौरान प्रकाशित/पुरस्कृत पेटेंटों की संख्या*** 3.4.3.1: गत पांच वर्षों के दौरान प्रकाशित/पुरस्कृत पेटेंटों की संख्या वर्ष | | | | | | संख्या | | | | | | गत पांच वर्षों की डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • प्रकाशित/पुरस्कृतपेटेंट का नाम • पेटेंट संख्या • पुरस्कार वर्ष **फाइल विवरण (अपलोड करें)** • कोई अतिरिक्त जानकारी • पेटेंट सूची एवं प्रदत्त वर्ष का विवरण प्रदान करें (डेटाटेम्पलेट)	**10**
3.4.4 **QnM**	***पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रति शिक्षक प्रदत्त पीएचडी की संख्या*** 3.4.4.1:गत 5 वर्षों के दौरान कितने पीएच.डी प्रदान किए गए 3.4.4.2 :गत पांच वर्षों के दौरान गाइड के रूप में मान्यता प्राप्त शिक्षकों की संख्या गत पांच वर्षों की डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • PhD विद्यार्थी का नाम • विभाग का नाम • गाइड के नाम • विद्यार्थी का पंजीकरण वर्ष • PhD प्रदत्त वर्ष	**10**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	सूत्र: **Number of Ph. D degrees awarded during the last five years** **Numberof Teachers as recognised guides during the last five years** **फाइल विवरण (अपलोड करें)** • HEI के वेबसाइट पर अनुसंधान पृष्ठ का URL • पीएचडी विद्यार्थी की सूची व उनके विवरण जैसे गाइड का नाम, शोध प्रबंध शीर्षक, पुरस्कार वर्ष आदि, (डेटाटेम्पलेट) • कोई अतिरिक्त जानकारी	
3.4.5 Q_nM	***पांच वर्षों के दौरान UGC की वेबसाइट पर अधिसूचित पत्रिकाओं में प्रति शिक्षक प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या*** 3.4.5.1: गत पांच वर्षों के दौरान UGC की वेबसाइट पर अधिसूचित पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या वर्ष | | | | | | संख्या | | | | | | डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • शोध पत्र का शीर्षक • *लेखक का नाम* • शिक्षक विभाग • पत्रिका का नाम • प्रकाशन वर्ष • ISBN/ISSN संख्या सूत्र : **Number of publications in UGCnotified journals during the last five years** **Average number of full time teachers during the last five years**	**15**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	फाइल विवरण (अपलोड करें) • कोई अतिरिक्त जानकारी • शीर्षक, लेखक, विभाग, पत्रिका का नाम और प्रकाशन के वर्ष के अनुसार शोध पत्रों की सूची (डेटाटेम्पलेट)	
3.4.6 **QnM**	***गत पांच वर्षों के दौरान संपादित संस्करणों मेंप्रति शिक्षक प्रकाशित पुस्तक व अध्यायों की संख्या*** 3.4.6.1: गत पांच वर्षों के दौरान वर्ष-वार संपादित खण्डों/प्रकाशित पुस्तकों तथा राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-कार्यवाहियों में पुस्तकों व अध्यायों की कुल संख्या वर्ष | | | | | | संख्या | | | | | | गत पांच वर्षों की डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • शिक्षक का नाम: शोध पत्र का शीर्षक • प्रकाशित पुस्तक/अध्याय का शीर्षक: लेखक का नाम: सम्मेलन की कार्यवाही का शीर्षक • प्रकाशक का नाम: राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय • राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय : कार्यवाही की ISBN/ISSN संख्या • प्रकाशन वर्ष: सूत्र: $$\frac{\text{Total number of books and chapters in edited volumes , books published, and papers in national/international conference proceedings during last five years}}{\text{Average number of full time teachers during the last five years}}$$ **फाइल विवरण (अपलोड करें)** • कोई अतिरिक्त जानकारी • संपादित संस्करणों/प्रकाशित पुस्तकों एवं अध्यायों की सूची उपलब्ध कराएं (डेटाटेम्पलेट)	**15**
3.4.7	***ई-सामग्री शिक्षकों द्वारा विकसित की जाती है:*** ***1. e-PG*** पाठशाला के लिए ***2. CEC*** (स्नातक) के लिए	**10**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

QnM	***3. SWAYAM*** के लिए ***4. MOOCs*** प्लेटफार्म के लिए ***5. NPTEL/NMEICT***/किसी अन्य सरकारी पहल के लिए ***6.*** संस्थागत***LMS*** के लिए A. कोई 5 या उपरोक्त सभी B. कोई 4 या उपरोक्त सभी C. कोई 3 या उपरोक्त सभी — किसी एक विकल्प को चुनें D. कोई 2 या उपरोक्त सभी E. उपरोक्त में से कोई नहीं डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • शिक्षक का नाम • मॉड्यूल का नाम • प्लेटफार्म जिस पर मॉड्यूल विकसित किया गया है • ई-कंटेंटप्रारंभ करने की तारीख • उन प्लेटफार्मों की संख्या जिन पर शिक्षकों द्वारा ई-सामग्री विकसित की गई है **फाइल विवरण (अपलोड करें)** • कोई अतिरिक्त जानकारी • विकसित ई-सामग्री के लिंक प्रदान करें या दस्तावेज़ अपलोड करें • ई-पीजी-पाठशाला, CEC (UG) के लिए शिक्षकों द्वारा विकसित ई-सामग्री का विवरण (डेटाटेम्पलेट)	
3.4.8 QnM	***गत पांच वर्षों के दौरान स्कोपस/वेब ऑफ साइंस/पबमेड में औसत उद्धरण सूचकांक के आधार पर प्रकाशनों की ग्रंथ सूची*** गत पांच वर्षों के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले डेटा: • शोध पत्र का शीर्षक • लेखक का नाम • पत्रिका का शीर्षक • प्रकाशन का वर्ष • उद्धरण सूचकांक सूत्र: $$\frac{0.50 \times \text{Total number of Citation in SCOPUS in five years} + 0.50 \times \text{Total number of Citation in Web of Science in five years}}{0.50 \times \text{Total number of Publication in SCOPUS in five years} + 0.50 \times \text{Total number of Publication in Web of Science in five years}}$$	**15**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	फाइल विवरण (अपलोड करें) • कोई अतिरिक्त जानकारी • गत पांच वर्षों के दौरान प्रकाशनों की ग्रंथ सूची * इनफ्लिबनेट से प्राप्त डेटा का उपयोग स्कोर की गणना के लिए किया जाएगा।	
3.4.9 **QnM**	***गतपांचवर्षोंकेदौरानस्कोपस/वेबऑफसाइंस – विश्वविद्यालयकेh – इंडेक्सपरआधारितप्रकाशनोंकीग्रंथसूची*** गत पांच वर्षों के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले डेटा : • शोध पत्र का शीर्षक • लेखक का नाम • पत्रिका का शीर्षक • प्रकाशन का वर्ष • H सूचकांक सूत्र : $$\frac{\text{h – Index of Scopus + h – index of Web of Science in last five years}}{2}$$ **फाइल विवरण (अपलोड करें)** • स्कोपस/वेब ऑफ साइंस पर आधारित प्रकाशनों कीग्रंथ सूची – संस्थान का एच–सूचकांक • कोई अतिरिक्त जानकारी * इनफ्लिबनेट से प्राप्त डेटा का उपयोग स्कोर की गणना के लिए किया जाएगा।	**15**

मुख्य संकेतक – 3.5 परामर्श (20)

मैट्रिकसं		**भारिता**
3.5.1	**संस्थान में संस्थान एवं अन्य व्यक्तियों के मध्य राजस्व बंटवारे सहित परामर्श के लिए नीति है एवं अपने संकाय को परामर्श करने के लिए प्रोत्साहित करती है** **फाइल विवरण**	**5**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

Q_1M	• परामर्श नीति से संबंधित शासी परिषद/सिंडिकेट/प्रबंधन बोर्ड के कार्यवृत्तअपलोड करें • परामर्श नीति की सॉफ्ट कॉपी अपलोड करें • कोई अतिरिक्त जानकारीअपलोड करें • परामर्श नीति दस्तावेज़ का URL प्रदान करें	
3.5.2 Q_nM	***गत पांच वर्षों के दौरान परामर्श और कॉर्पोरेट प्रशिक्षण से उत्पन्न राजस्व (लाख रुपये में)*** 3.5.2.1: गत पांच वर्षों के दौरान परामर्श एवं कॉर्पोरेट प्रशिक्षण से वर्ष-वार उत्पन्न कुल राशि (लाख रुपये में) वर्ष | | | | | | लाख रुपये में | | | | | | गत पांच वर्षों के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले डेटा: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • परामर्शकर्ता के नाम • परामर्श परियोजना का नाम • संपर्क विवरण सहित परामर्श/प्रायोजन एजेंसी • उत्पन्न राजस्व (राशि रुपये में) • *उत्पन्न कुल राजस्व रुपये में* • प्रदत्त कॉर्पोरेट प्रशिक्षण का विवरण (प्रशिक्षण, जिस कॉर्पोरेट को प्रदत्त प्रशिक्षण का शीर्षक, प्रतिभागियों की संख्या आदि)। **फाइल विवरण (अपलोड करें)** • लेखा परीक्षित विवरण/लेखा के माध्यम से उत्पन्न होने वाली आय। • कोई अतिरिक्त जानकारी • परामर्शकर्ताओं की सूची और उनके द्वारा उत्पन्न राजस्व प्रदान करें (डेटाटेम्पलेट)	15

महत्वपूर्ण संकेतक – 3.6 विस्तार गतिविधियां (40)

मैट्रिकसं		भारिता
3.6.1	***गत पांच वर्षों के दौरान छात्रों को सामाजिक विषयों एवं समग्र विकास हेतु प्रभावी व संवेदनशील बनाने के संदर्भ में पड़ोस के समुदाय में विस्तार गतिविधियाँ***	6

Copyright Reg. No: L-94579/2020

Q_1M	छात्रों को सामाजिक विषयों एवं समग्र विकास के प्रति संवेदनशील बनाने में विस्तार गतिविधियों का प्रभाव : अधिकतम 500 शब्दों में वर्णन करें **फाइल विवरण** • अतिरिक्त जानकारी के लिए लिंक प्रदान करें • कोई अतिरिक्त जानकारीअपलोड करें	
3.6.2 Q_nM	**गत पांच वर्षों के दौरान विस्तार गतिविधियों की मान्यता में सरकार या सरकार से मान्यता प्राप्त निकायों से संस्थान, उसके शिक्षकों और छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कारों की संख्या** 3.6.2.1: गत पांच वर्षों के दौरान सरकार या सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त निकायों से वर्ष-वार विस्तार गतिविधियों के लिए प्राप्त पुरस्कारों की कुल संख्या वर्ष | | | | | | संख्या | | | | | | गत पांच वर्षों के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले डेटा: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • गतिविधि का नाम • पुरस्कार का नाम • पुरस्कृत करने वाली सरकार/सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त निकायों का नाम • पुरस्कार वर्ष **फाइल विवरण (अपलोड करें)** • कोई अतिरिक्त जानकारी • पिछले 5 वर्षों में विस्तार गतिविधियों हेतु प्राप्त पुरस्कारों की संख्या (डेटाटेम्पलेट) • पुरस्कार पत्रों की ई-कॉपी	**10**
3.6.3 Q_nM	***गत पांच वर्षों के दौरान NSS/NCC/रेडक्रॉस/YRC के माध्यम से संस्था द्वारा आयोजित विस्तार और आउटरीच कार्यक्रमों की संख्या (स्वच्छ भारत, एड्स जागरूकता, लिंग मुद्दे, आदि जैसे सरकार द्वारा शुरू किए गए कार्यक्रम एवंउद्योग, समुदाय एवं गैर सरकारी संगठनों के सहयोग में आयोजित कार्यक्रम)*** 3.6.3.1:गत पांच वर्षों के दौरान NSS/NCC/रेडक्रॉस/YRC आदि के माध्यम से संस्था द्वारा संचालित विस्तार और आउटरीच कार्यक्रमों की संख्या (स्वच्छ भारत, एड्स जागरूकता, लिंग मुद्दे, आदि जैसे सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए कार्यक्रम एवं उद्योग, समुदाय और गैर सरकारी संगठनों के सहयोग में आयोजित कार्यक्रम)	**12**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

वर्ष						
संख्या						

गत पांच वर्षों के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले डेटा: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार)

- विस्तार एवं आउटरीच कार्यक्रमों के नाम व संख्या
- सहयोगी एजेंसी का नाम: गैर-सरकारी, उद्योग, समुदाय, संपर्क विवरण सहित

फाइल विवरण (अपलोड करें)

- आयोजन रिपोर्ट
- कोई अतिरिक्त जानकारी
- गत पांच वर्षों के दौरान उद्योग, समुदाय आदि के सहयोग में किए गए विस्तार एवं आउटरीच कार्यक्रमों की संख्या (डेटाटेम्पलेट)

3.6.4

Q_nM

गत पांच वर्षों के दौरान उपरोक्त 3.6.3 में सूचीबद्ध विस्तार गतिविधियों में भाग लेने वाले छात्रों का औसत प्रतिशत

12

3.6.4.1: गत पांच वर्षों के दौरान उपरोक्त 3.6.3 में सूचीबद्ध विस्तार गतिविधियों में भाग लेने वाले छात्रों की कुल संख्या

वर्ष						
संख्या						

गत पांच वर्षों के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले डेटा: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार)

- गतिविधि का नाम
- योजना का नाम
- गतिविधि वर्ष
- गतिविधियों में भाग लेने वाले छात्रों की कुल संख्या

सूत्र:

$$\text{Percentage per year} = \frac{\text{Total Numberofstudents participatingin suchactivities}}{\text{Total Numberofstudents}} \text{X}100$$

$$\text{Average percentage} = \frac{\sum \text{Percentage per year}}{5}$$

फाइल विवरण (अपलोड करें)

- आयोजन रिपोर्ट
- कोई अतिरिक्त जानकारी

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	• सरकार या गैर सरकारी संगठन आदि के सहयोग में विस्तार गतिविधियों में भाग लेने वाले छात्रों का औसत प्रतिशत। (3.6.3 के अनुसार डेटाटेम्पलेट)	

मुख्य संकेतक – 3.7 सहयोग (20)

मैट्रिकसं		भारिता
3.7.1 Q_nM	***प्रति वर्ष संकाय एवं छात्रों के अनुसंधान व शैक्षणिक विकास के लिए अन्य संस्थानों/अनुसंधान स्थापना/उद्योग के साथ सहयोगी गतिविधियों की संख्या*** 3.7.1.1: गत पांच वर्षों के दौरान संकाय एवं छात्रों के अनुसंधान व शैक्षणिक विकास के लिए अन्य संस्थानों/अनुसंधान स्थापना/उद्योग के साथ सहयोगी गतिविधियों की कुल संख्या वर्ष | | | | | | संख्या | | | | | | गत पांच वर्षों के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले डेटा: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • सहयोगी गतिविधि का शीर्षक • सहयोगी एजेंसी का नाम सहित संपर्क विवरण • वित्तीय सहायता का स्रोत • सहयोग वर्ष • अवधि • गतिविधि की प्रकृति सूत्र **Total Numberofsuchactivities duringthelastfiveyears / 5** **फाइल विवरण (अपलोड करें)** • सहयोगात्मक पत्रों की प्रतियां • कोई अतिरिक्त जानकारी • अनुसंधान, संकाय आदि के लिए सहयोगात्मक गतिविधियों की संख्या, (डेटाटेम्पलेट)	10
3.7.2	***गत पांच वर्षों के दौरान इंटर्नशिप, व्यवहारिक प्रशिक्षण, परियोजना कार्य, छात्र / संकाय विनिमय एवं सहयोगी अनुसंधान के लिए भारत व विदेशों में संस्थानों / उद्योगों के साथ कार्यात्मक समझौता ज्ञापन की***	

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	संख्या	**10**
Q_nM	3.7.2.1: गत पांच वर्षों के दौरान इंटर्नशिप, व्यवहारिक प्रशिक्षण, परियोजना कार्य, छात्र / संकाय विनिमय व सहयोगी अनुसंधान के लिए भारत और विदेशों में संस्थानों / उद्योगों के साथ कार्यात्मक समझौता ज्ञापन वर्ष | | | | | | संख्या | | | | | | गत पांच वर्षों के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले डेटा: **(डेटाटेम्पलेट के अनुसार)** • उस संगठन का नाम जिसके साथ समझौता ज्ञापन किए गए हैं • समझौता ज्ञापन वर्ष • अवधि • प्रत्येक समझौता ज्ञापन के अधीन वास्तविक गतिविधियों की सूची बनाएं • समझौता ज्ञापन के अधीन भाग लेने वाले छात्रों/शिक्षकों की वर्षवार संख्या **फाइल विवरण (अपलोड करें)** • संस्था/उद्योग के साथ समझौता ज्ञापनों की ई-प्रतियां • कोई अतिरिक्त जानकारी गत पांच वर्षों के लिए राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों, अन्य विश्वविद्यालयों के साथ कार्यात्मक समझौता ज्ञापनों का विवरण (डेटाटेम्पलेट)	

Copyright Reg. No: L-94579/2020

मापदंड4 – आधारभूत सुविधाएँ एवं अध्ययन संसाधन (100)

मुख्य संकेतक – 4.1 भौतिक सुविधाएं (30)

Metric No		Weightage
4.1.1 Q_1M	*संस्थान में शिक्षण-अध्ययन के लिए पर्याप्त सुविधाएं हैं। जैसे, कक्षाएं, प्रयोगशालाएं, कंप्यूटिंग उपकरण, आदि।* सांविधिक निकायों द्वारा न्यूनतम निर्दिष्ट आवश्यकता के अनुसार शिक्षण-अध्ययन के लिए सुविधाओं की पर्याप्तता: अधिकतम 500 शब्दों में वर्णन करें। **फाइल विवरण** • कोई अतिरिक्त जानकारीअपलोड करें • अतिरिक्त जानकारी के लिए लिंक प्रदान करें	10
4.1.2 Q_1M	*संस्थान में सांस्कृतिक गतिविधियों, योग, और खेल (इनडोर एवं आउटडोर) हेतु पर्याप्त सुविधाएं हैं; (व्यायामशाला, योग केंद्र, सभागार, आदि)* सांस्कृतिक गतिविधियों, योग, खेल (इनडोर, आउटडोर) एवं खेलों के लिए सुविधाओं की पर्याप्तता व क्षेत्र / आकार, स्थापना का वर्ष और उपयोगकर्ता दर के बारे में विनिर्देश सम्मिलित करें। अधिकतम 500 शब्द में विवरण दें। **फाइल विवरण** • कोई अतिरिक्त जानकारीअपलोड करें। • जियोटैग तस्वीरें • अतिरिक्त जानकारी के लिए लिंक प्रदान करें	5
4.1.3 Q_1M	*सामान्य परिसर सुविधाएं एवं समग्र परिवेश की उपलब्धता* **फाइल विवरण** • कोई अतिरिक्त जानकारीअपलोड करें। • अतिरिक्त जानकारी के लिए लिंक प्रदान करें	5
4.1.4 Q_nM	*गत पांच वर्षों के दौरान वेतन को छोड़कर, आधारिक संरचना में वृद्धि हेतु व्यय का औसत प्रतिशत, (लाख रुपये में)* 4.1.4.1: गत पांच वर्षों के दौरान वेतन को छोड़कर आधारिक संरचना में वृद्धि के लिए व्यय (लाख रुपये में)	10

Copyright Reg. No: L-94579/2020

वर्ष					
संख्या					

गत पांच वर्षों के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले डेटा: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार)

- आधारिक संरचना के विस्तार के लिए आबंटित बजट
- आधारिक संरचना के विस्तार के लिए
- खातों का लेखापरीक्षित विवरण
- वेतन को छोड़कर कुल व्यय

सूत्र:

$$\text{Percentage per year} = \frac{\text{Expenditure for infrastructure augmentation excluding salary}}{\text{Total expenditure excluding salary}} \text{ X } \mathbf{100}$$

$$\text{Average percentage} = \frac{\sum \text{Percentage per year}}{5}$$

फाइल विवरण

- कोई अतिरिक्त जानकारीअपलोड करें।
- लेखापरीक्षित उपयोग विवरण अपलोड करें
- गत पांच वर्षों के दौरान वेतन को छोड़कर बजट आवंटन का विवरण अपलोड करें (डेटाटेम्पलेट)

मुख्य संकेतक – 4.2 अध्ययनसंसाधन के रूप में पुस्तकालय (20)

मैट्रिकसं		भारिता
4.2.1 Q_1M	***पुस्तकालय एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली (आईएलएमएस) द्वारा स्वचालित है एवं इसमें डिजिटलीकरण की सुविधा है*** पुस्तकालय के स्वचालन के कार्यान्वयन एवं उपलब्ध डिजिटलीकरण सुविधा का अधिकतम 500 शब्दों में वर्णन करें **फाइल विवरण** • कोई अतिरिक्त जानकारीअपलोड करें	4

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	• अतिरिक्त जानकारी के लिए लिंक प्रदान करें	
4.2.2 **Q_nM**	संस्थान में ई-लाइब्रेरी संसाधनों की सदस्यता है पुस्तकालय में निम्नलिखित की नियमित सदस्यता है: 1. ई-जर्नल 2. ई-बुक्स 3. ई-शोध सिंधु 4. शोधगंगा **5.** डेटाबेस विकल्प 1. कोई 4 या उपरोक्त सभी 2. कोई 3 या उपरोक्त सभी 3. कोई 2 या उपरोक्त सभी किसी एक विकल्प को चुनें 4. उपरोक्त में से कोई नही **फाइल विवरण** **1.** कोई अतिरिक्त जानकारीअपलोड करें **2.** ई-पत्रिकाओं, ई-पुस्तकों, ई-शोध सिंधु, शोधगंगा सदस्यता आदि जैसी सदस्यताओं का विवरण (डेटाटेम्पलेट)	**6**
4.2.3 **Q_nM**	***गत पांच वर्षों के दौरान पुस्तकों/ई-पुस्तकों की खरीद एवं पत्रिकाओं/ई-पत्रिकाओं की सदस्यता के लिए औसत वार्षिक व्यय (लाख रुपये में)*** 4.2.3.1: पिछले पांच वर्षों के दौरान वर्ष-वार पुस्तकों और पत्रिकाओं की खरीद के लिए वार्षिक व्यय (लाख रुपये में) गत पांच वर्षों के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले डेटा: **(**डेटाटेम्पलेट के अनुसार**)** • पुस्तकों की खरीद पर व्यय • वर्ष में पत्रिकाओं की खरीद पर व्यय	**5**

वर्ष					
लाख रुपये में					

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	• व्यय वर्ष: **सूत्र:** $$\frac{1}{5} \times \sum_{i=1}^{5} Expd_i$$ Where: $\mathbf{Expd_i}$= Expenditure in rupees on purchase of books and journals in i^{th} year **फाइल विवरण (अपलोड करें)** • कोई अतिरिक्त जानकारी • लेखों का लेखापरीक्षित विवरण गत पांच वर्षों के दौरान पुस्तकों एवं पत्रिकाओं की खरीद के लिए वार्षिक व्यय का विवरण (4.2.2 के अनुसार डेटाटेम्पलेट)	
4.2.4 **Q_nM**	***शिक्षकों एवं छात्रों द्वारा प्रति दिन पुस्तकालय के उपयोग का प्रतिशत (ऑनलाइ अभिगम हेतु लॉगिनडेटा) (डेटा केवल नवीनतम पूर्ण शैक्षणिक वर्ष के लिए प्रदान करें)*** 4.2.4.1: गत एक वर्ष में प्रतिदिन पुस्तकालय का उपयोग करने वाले शिक्षकों और छात्रों की संख्या आवश्यक डेटा: • अधिगम रजिस्टर विवरण का अंतिम पृष्ठ अपलोड करें • पुस्तकालय के प्रतिदिन लॉगिन/ऑनलाइन उपयोगकर्ता • ई-एक्सेस के माध्यम से पुस्तकालय का उपयोग करने वाले उपयोगकर्ताओं की संख्या • पुस्तकालय के भौतिक उपयोगकर्ताओं की संख्या **सूत्र:** $$\frac{\text{Number of teachers and students using library per day}}{\text{Total number of teachers and students}} \mathbf{X\ 100}$$ **फाइल विवरण (अपलोड करें)** • कोई अतिरिक्त जानकारी • शिक्षकों एवं छात्रों द्वारा पुस्तकालय के उपयोग का विवरण (पुस्तकालय अधिगम रजिस्टर, सहायक दस्तावेजों के रूप में ऑनलाइन अधिगम विवरण प्रदान करें)	**5**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

मुख्य संकेतक – 4.3 IT आधारिक संरचना (30)

मैट्रिकसं		भारिता
4.3.1 Q_nM	*LCD, स्मार्ट बोर्ड, वाई-फाई / लैन, ऑडियोवीडियोरिकॉर्डिंग सुविधाओं जैसी ICT - सक्षम सुविधाओं के साथ कक्षाओं एवं संगोष्ठी कक्ष का प्रतिशत। (केवल नवीनतम पूर्ण शैक्षणिक वर्ष का डेटा प्रदान करें)* 4.3.1.1: ICT सुविधावाले कक्षाओं और संगोष्ठी कक्ष की संख्या **डेटा आवश्यकता : (डेटाटेम्पलेट के अनुसार)** • LCD सुविधावालेकक्षाओं की संख्या • Wi-Fi/LAN सुविधावालेकक्षाओं की संख्या • ICT सुविधावाले संगोष्ठी कक्ष की संख्या **सूत्र:** $\frac{\text{Number of classrooms and seminar halls with ICT facilities}}{\text{Total number of classrooms/seminar halls in the institution}} \times 100$ **फाइल विवरण** • कोई अतिरिक्त जानकारीअपलोड करें • अतिरिक्त जानकारी के लिए लिंक प्रदान करें • ICT सक्षम सुविधावाले कक्षाओं एवं संगोष्ठी कक्ष की संख्या अपलोड करें (डेटाटेम्पलेट)	5
4.3.2 Q_1M	*संस्थान में IT नीति है, जिसमें उपयुक्त बजटीय प्रावधान है एवं Wi-Fi सुविधा सहित अपनी IT सुविधाओं को अद्यतन करता है* IT नीति की मुख्य विशेषताएं प्रदान करें एवं नीति के कार्यान्वयन व अनुपालन की प्रक्रिया, प्रयुक्त बजटीय प्रावधानों व विस्तार योजना का अधिकतम 500 शब्दों में वर्णन करें। **फाइल विवरण**	5

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	• कोई अतिरिक्त जानकारीअपलोड करें • अतिरिक्त जानकारी के लिए लिंक प्रदान करें	
4.3.3 **Q_nM**	***छात्र - कंप्यूटर अनुपात (केवल नवीनतम पूर्ण शैक्षणिक वर्ष का डेटा प्रदान करें)*** छात्रों की संख्या: शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए छात्रों के लिए उपलब्ध कंप्यूटरों की संख्या डेटा आवश्यकताएँ: • शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए कंप्यूटरों की संख्या • छात्रों की कुल संख्या **फाइल विवरण** • कोई अतिरिक्त जानकारीअपलोड करें • छात्र-कंप्यूटर अनुपात	**10**
4.3.4 **Q_nM**	***संस्थान में इंटरनेट कनेक्शन की उपलब्ध बैंडविड्थ (लीज्ड लाइन)*** **विकल्प:** A. ≥1 GBPS B. 500 MBPS - 1 GBPS C. 250 MBPS - 500 MBPS किसी एक विकल्प को चुनें D. 50 MBPS - 250 MBPS E. <50 MBPS डेटा आवश्यकताएँ: • उपलब्ध इंटरनेट बैंडविड्थ **फाइल विवरण** • कोई अतिरिक्त जानकारीअपलोड करें • संस्थान में उपलब्ध इंटरनेट कनेक्शन का बैंविड्थ	**5**
4.3.5 **Q_nM**	***ई-सामग्री विकास हेतु संस्थान में निम्नलिखित सुविधाएं हैं*** 1. मीडिया केंद्र 2. श्रव्य दृश्य केंद्र 3. व्याख्यान प्रग्रहणसिस्टम (LCS) 4. एडिटिंग के लिए मिक्सिंग उपकरण एवं सॉफ्टवेयर विकल्प : A. उपरोक्त सभी 4 B. उपरोक्त में से कोई3 C. उपरोक्त में से कोई2किसी एक विकल्प को चुनें D. उपरोक्त में से कोई1 E. उपरोक्त में से कोई नहीं डेटा आवश्यकता : (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • ई-सामग्री विकास सुविधाओं के नाम अपलोड करें	**5**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	फाइल विवरण • कोई अतिरिक्त जानकारीअपलोड करें • तस्वीरों के लिंक प्रदान करें • ई-सामग्री विकास के लिए सुविधाएं यथा मीडिया केंद्र, रिकॉर्डिंग सुविधा, LCS आदि (3.4.7 में डेटाटेम्पलेट के अनुसार)	

मुख्य संकेतक - 4.4 परिसर आधारिक संरचना का रखरखाव (20)

मैट्रिकसं		भारिता
4.4.1 Q_nM	***गत पांच वर्षों के दौरान वेतन घटक को छोड़कर भौतिक सुविधाओं एवं शैक्षणिक सहायता सुविधाओं के रखरखाव पर किया गया औसत प्रतिशत व्यय*** 4.4.1.1: गत पांच वर्षों के दौरान वेतन घटक को छोड़कर भौतिक सुविधाओं एवं अकादमिक सहायता सुविधाओं के रखरखाव पर किया गया व्यय (लाखों रुपये में) गत पांच वर्षों के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले डेटा: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • गैर-वेतन व्यय • परिसर के आधारिक संरचना के रखरखाव पर किया गया व्यय सूत्र: Percentage per year = $\frac{\text{Expenditure on maintenance of physical and academic support facilities excluding salary component}}{\text{Total expenditure excluding salary component}} \times 100$	10

वर्ष					
लाख रुपये में					

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	Average percentage = $\frac{\sum \text{Percentage per year}}{5}$ **फाइल विवरण** • कोई अतिरिक्त जानकारीअपलोड करें • लेखा परीक्षित विवरण • नियत बजट आबंटन एवं भौतिक सुविधाओं व शैक्षणिक सुविधाओं पर किए व्यय का विवरण (4.1.4 में डेटाटेम्पलेट के अनुसार)	
4.4.2 **Q_1M**	***भौतिक, शैक्षणिक एवं सहायक सुविधाओं - प्रयोगशाला, पुस्तकालय, स्पोर्ट्सकॉम्प्लेक्स, कंप्यूटर, कक्षाओं आदि के रखरखाव व प्रयुक्त स्थापित प्रणालियां व प्रक्रियाएं।*** भौतिक, शैक्षणिक और समर्थन सुविधाओं के रखरखाव एवं प्रयुक्त प्रणालियों व प्रक्रियाओं के नीति विवरण का वर्णन करें। न्यूनतम 500 और अधिकतम 1000 शब्द। **फाइल विवरण** • कोई अतिरिक्त जानकारीअपलोड करें • अतिरिक्त जानकारी के लिए लिंक प्रदान करें	**10**

मापदंड 5 - छात्र सहायता एवं प्रगति (100)

मुख्य संकेतक - 5.1 छात्र सहायता (30)

मैट्रिकसं		**भारिता**
5.1.1 **Q_nM**	***गत पांच वर्षों के दौरान संस्थान, सरकारी व गैर-सरकारी एजेंसियों (NGOs) द्वारा प्रदत्तछात्रवृत्ति एवं फ्रीशिप से लाभान्वित छात्रों का औसत प्रतिशत (आरक्षित श्रेणियों के लिए सरकारी योजनाओं के अधीन छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों के अतिरिक्त)*** 5.1.1.1: गत पांच वर्षों के दौरान संस्थान, सरकारी व गैर-सरकारी एजेंसियों (NGOs) द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति एवं फ्रीशिप से लाभान्वित छात्रों की संख्या (आरक्षित श्रेणियों के लिए सरकारी योजनाओं के अधीन छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों के अतिरिक्त) वर्ष | | | | |	**10**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

संख्या					

गत पांच वर्षों के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले डेटा: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार)

- योजना का नाम
- लाभान्वित छात्रों की संख्या

सूत्र:

$$\text{Percentage per year} = \frac{\text{Number of students benefited by scholarships and freeships by institution, government and non-government agencies}}{\text{Number of students}} \text{ X } 100$$

$$\text{Average percentage} = \frac{\sum \text{Percentage per year}}{5}$$

फाइल विवरण

- स्वीकृत छात्रवृति की सूची सहित स्वप्रमाणित पत्र अपलोड करें
- कोई अतिरिक्त जानकारीअपलोड करें
- गत पांच वर्षों के दौरान संस्था, सरकारी व गैर-सरकारी एजेंसियों (NGOs) द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति एवं फ्री-शिप से लाभान्वित छात्रों का औसत प्रतिशत (डेटाटेम्पलेट)

5.1.2 — Q_nM — 10

गत पांच वर्षों के दौरान संस्थान द्वारा प्रस्तावित प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए जीविका परामर्श एवं मार्गदर्शन से लाभान्वित छात्रों का औसत प्रतिशत

5.1.2.1: गत पांच वर्षों के दौरान संस्थान द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए जीविका परामर्श एवं मार्गदर्शन से लाभान्वित छात्रों की वर्ष-वार संख्या

वर्ष					
संख्या					

गत पांच वर्षों के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले डेटा: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार)

- योजना का नाम
- प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या
- जीविका परामर्श से लाभान्वित छात्रों की संख्या

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	सूत्र: $\text{Percentage per year} = \frac{\text{Number of students benefited by career counseling and guidance for competitive examinations}}{\text{Total Number of students}} \times 100$ $\text{Average percentage} = \frac{\sum \text{Percentage per year}}{5}$ फाइल विवरण (अपलोड करें) • कोई अतिरिक्त जानकारी • गत पांच वर्षों के दौरान प्रतियोगी परीक्षाओं एवं जीविका परामर्श के मार्गदर्शन से लाभान्वित छात्रों की संख्या (डेटाटेम्पलेट)	
5.1.3 Q_nM	***संस्थान द्वारा निम्नलिखित क्षमता विकास एवं कौशल वृद्धि की पहल की जाती है:*** 1. ***व्यवहार कुशलता*** 2. ***भाषा एवं संचार कौशल*** 3. ***जीवन कौशल (योग, शारीरिक स्वस्थता, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता)*** 4. ***प्रौद्योगिकी जागरूकता*** **विकल्प** A. उपरोक्त सभी B. उपरोक्त में से कोई3 C. उपरोक्त में से कोई2किसी एक विकल्प को चुनें D. उपरोक्त में से कोई1 E. उपरोक्त में से कोई नहीं **डेटा आवश्यकता : (डेटाटेम्पलेट के अनुसार)** • क्षमता विकास एवं कौशल वृद्धि योजना का नाम • कार्यान्वयन वर्ष • नामांकित छात्रों की संख्या • सम्मिलित एजेंसियों का नाम, संपर्क विवरण सहित फाइल विवरण (अपलोड करें) • संस्थागत वेबसाइट का लिंक प्रदान करें • कोई अतिरिक्त जानकारी • क्षमता विकास एवं कौशल वृद्धि योजनाओं का विवरण (डेटाटेम्पलेट)	**5**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

5.1.4 Q_nM	***यौन उत्पीड़न एवं रैगिंग के मामलों सहित छात्रों की शिकायतों के निवारण हेतु संस्थान निम्नलिखित को अपनाता है:*** ***1. सांविधिक/नियामक निकायों के दिशा-निर्देशों का कार्यान्वयन*** ***2. शून्य सहनशीलता वाली नीतियों पर संगठन-व्यापी जागरूकता एवं दायित्व*** ***3. ऑनलाइन/ऑफलाइन छात्रों की शिकायतों को प्रस्तुत करने के लिए तंत्र*** ***4. उपयुक्त समितियों के माध्यम से शिकायतों का समय पर निवारण*** **विकल्प** A. उपरोक्त सभी B. उपरोक्त में से कोई3 C. उपरोक्त में से कोई2किसी एक विकल्प को चुनें D. उपरोक्त में से कोई1 E. उपरोक्त में से कोई नहीं डेटा आवश्यकता: यौन उत्पीड़न की रोकथाम (आंतरिक शिकायत समिति) एवं रैगिंग विरोधी समिति, मामलों के समाधान हेतु विभिन्न समितियों का गठन, समितियों की बैठकों के कार्यवृत्त, प्राप्त एवं निवारण मामलों की संख्या के संदर्भ में संस्थागत शिकायत निवारण नीति दस्तावेज अपलोड करें। फाइल विवरण (अपलोड करें) • छात्र निवारण समिति, आंतरिक शिकायत समिति, यौन उत्पीड़न निवारण समिति एवं रैगिंग विरोधी समिति की बैठकों का कार्यवृत्त • कोई अतिरिक्त जानकारीअपलोड करें • यौन उत्पीड़न एवं रैगिंग के मामलों सहित छात्र शिकायतों का विवरण	5

मुख्य संकेतक – 5.2 छात्र प्रगति (40)

मैट्रिकसं		भारिता
5.2.1 Q_nM	***गत पांच वर्षों के दौरान राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों का औसत प्रतिशत*** ***(यथा: NET/SLET/GATE/GMAT/CAT/GRE/JAM/IELTS/TOEFL/CLAT/सिविल सेवा/राज्य सरकार की परीक्षाएं)*** 5.2.1.1: गत पांच वर्षों के दौरान राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की	10

Copyright Reg. No: L-94579/2020

संख्या (यथा: NET/SLET/GATE/GMAT/CAT/GRE/JAM/IELTS/TOEFL/CLAT/सिविल सेवा/राज्य सरकार की परीक्षाएं)

वर्ष					
संख्या					

5.2.1.2: गत पांच वर्षों के दौरान राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों
कीसंख्या (यथा: NET/SLET/GATE/GMAT/CAT/GRE/JAM/IELTS/TOEFL/CLAT/ सिविल सेवा/राज्य सरकार की परीक्षाएं)

वर्ष					
संख्या					

गत पांच वर्षों के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले डेटा: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार)

निम्न के लिए चयनित छात्रों की संख्या

- NET
- SLET
- GATE
- GMAT
- CAT
- GRE
- JAM
- IELTS
- TOEFL
- Civil Services
- CLAT
- राज्य सरकार की परीक्षाएं

सूत्र:

$$\text{Percentage per year} = \frac{\text{Number of students qualifying in state,national,international level exams}}{\text{Number of students appeared for the state,national,International level exams}} \text{ X } \mathbf{100}$$

Copyright Reg. No: L-94579/2020

<table>
<tr><td></td><td>

$$\text{Average percentage} = \frac{\sum \text{Percentage per year}}{5}$$

फाइल विवरण (अपलोड करें)

- सहायक डेटाअपलोड करें
- कोई अतिरिक्त जानकारी
- गत पांच वर्षों के दौरान राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या (डेटाटेम्पलेट)

</td><td></td></tr>
<tr><td>5.2.2

Q_nM</td><td>

गत पांच वर्षों के दौरान बहिर्गामी छात्रों के नियोजन (प्लेसमेंट) का औसत प्रतिशत

5.2.2.1:गत पांच वर्षों के दौरान बहिर्गामी छात्रों की संख्या

वर्ष					
संख्या					

गत पांच वर्षों के डेटा उपलब्ध कराए: **(**डेटाटेम्पलेट के अनुसार)

- नियोक्ता का नाम संपर्क विवरण सहित
- नियोजित छात्रों की संख्या

सूत्र:

$$\text{Percentage per year} = \frac{\text{Number of outgoing students placed}}{\text{Number of outgoing students}} \text{X } \mathbf{100}$$

$$\text{Average percentage} = \frac{\sum \text{Percentage per year}}{5}$$

फाइल विवरण (अपलोड करें)

- नियोजित छात्रों की स्व-सत्यापित सूची
- कोई अतिरिक्त जानकारीअपलोड करें
- गत पांच वर्षों के दौरान छात्र नियोजन का विवरण (डेटाटेम्पलेट)

</td><td>15</td></tr>
<tr><td>5.2.3

Q_nM</td><td>

हाल ही में उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले स्नातक छात्रों का प्रतिशत (पिछला स्नातक बैच)

5.2.3.1:उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले बहिर्गामी छात्रों की संख्या

</td><td>15</td></tr>
</table>

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) छात्रों की संख्या • UG से PG • PG से MPhil • PG से PhD • MPhil से PhD • PhD सेPost-doctoral सूत्र: $\frac{\text{Number of outgoing students progressing to higher education}}{\text{Total number of final year students}} X100$ फाइल विवरण (अपलोड करें) • छात्र/पूर्व छात्रों संबंधित सहायक डेटाअपलोड करें • कोई अतिरिक्त जानकारी • उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने छात्रों विवरण (डेटाटेम्पलेट)	

मुख्य संकेतक – 5.3 छात्र भागीदारी एवं गतिविधियाँ (20)

मैट्रिकसं		भारिता
5.3.1 Q_nM	***गत पांच वर्षों के दौरान अंतर-विश्वविद्यालय/राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में खेल/सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कारों/पदकों की संख्या (टीम प्रतियोगिता हेतु प्राप्त पुरस्कार को एक पुरस्कार के रूप में गिना जाए)*** 5.3.1.1:गत पांच वर्षों के दौरान अंतर-विश्वविद्यालय/राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल/सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कारों/पदकों की संख्या (टीम प्रतियोगिता हेतु प्राप्त पुरस्कार को एक पुरस्कार के रूप में गिना जाए)	10

वर्ष					
संख्या					

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	गत पांच वर्षों के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले डेटा: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • पुरस्कार/पदक का नाम • अंतर-विश्वविद्यालय/राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय • प्रतियोगिता का नाम फाइल विवरण (अपलोड करें) • पुरस्कार पत्रों एवं प्रमाणपत्रों की ई-प्रतियां • कोई अतिरिक्त जानकारी • गत पांच वर्षों के दौरान अंतर-विश्वविद्यालय/राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल/सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्राप्त पुरस्कारों/पदकों की संख्या (डेटाटेम्पलेट)	
5.3.2 Q_1M	***छात्र परिषद एवं संस्थागत विकास व छात्र कल्याण हेतु इसकी गतिविधियाँ।*** छात्र परिषद एवं संस्थागत विकास व छात्र कल्याण हेतु उसकी गतिविधियों का वर्णन अधिकतम 500 शब्दों में करें **फाइल विवरण** • अतिरिक्त जानकारी के लिए लिंक प्रदान करें • कोई अतिरिक्त जानकारीअपलोड करें	5
5.3.3 Q_nM	***संस्था द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों/प्रतियोगिताओं की औसत संख्या*** 5.3.3.1:गत पांच वर्षों के दौरान संस्था द्वारा वर्ष-वार आयोजित खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों/प्रतियोगिताओं की संख्या वर्ष | | | | | | संख्या | | | | | | **गत पांच वर्षों के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले डेटा: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार)** • प्रतियोगिता का नाम **सूत्र:** **Numberofsports and cultural events or competitions organisedbytheinstitutionduring thelast5years** **5**	5

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	फाइल विवरण • प्रतियोगिता रिपोर्ट • कोई अतिरिक्त जानकारीअपलोड करें • प्रति वर्ष आयोजित होने वाले खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों / प्रतियोगिताओं की संख्या (डेटाटेम्पलेट)	

मुख्य संकेतक – 5.4 पूर्व छात्रों की भागीदारी (10)

मैट्रिकसं		**भारिता**
5.4.1 Q_1M	**गत पांच वर्षों के दौरान पूर्व छात्र संघ/अध्याय (पंजीकृत एवं कार्यात्मक), वित्तीय व अन्य सहायता सेवाओं के माध्यम से संस्थान के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है।** संस्था के लिए पूर्व छात्र संघ के योगदान : अधिकतम 500 शब्दों में वर्णन करें **फाइल विवरण** • अतिरिक्त जानकारी के लिए लिंक प्रदान करें • कोई अतिरिक्त जानकारीअपलोड करें	2
5.4.2 Q_nM	***पिछले पांच वर्षों के दौरान पूर्व छात्रों का योगदान (लाख रुपये में)*** **विकल्प:** **A. ≥ 100 लाख** **B. 50 लाख- 100 लाख** **C. 20 लाख - 50 लाख** किसी एक विकल्प कोचुनें **D. 5 लाख- 20 लाख** **E. <5 लाख** गत पांच वर्षों का डेटा (वर्ष-वार) : • पूर्व छात्र संघ/पूर्व छात्रों के नाम • योगदान परिमाण • प्राप्तियों को दर्शाने वाले पूर्व छात्र संघ निधियों के खातों का लेखापरीक्षित विवरण। फाइल विवरण • कोई अतिरिक्त जानकारीअपलोड करें	8

मापदंड 6 – प्रशासन, नेतृत्व एवं प्रबंधन (100)

मुख्य संकेतक – 6.1 संस्थागत दृष्टि एवं नेतृत्व (10)

Copyright Reg. No: L-94579/2020

मैट्रिकसं		भारिता
6.1.1 Q_1M	***संस्था में स्पष्ट दृष्टि एवं लक्ष्य है, जो इनके शैक्षणिक और प्रशासनिक प्रबंधन में परिलक्षित होता है*** अधिकतम 500 शब्दों में विवरण लिखें फाइल विवरण • अतिरिक्त जानकारी के लिए लिंक प्रदान करें • कोई अतिरिक्त जानकारीअपलोड करें	5
6.1.2 Q_1M	***प्रभावी नेतृत्व, विकेंद्रीकरण एवं सहभागी प्रबंधन जैसी विभिन्न संस्थागत प्रथाओं में परिलक्षित होता है*** अधिकतम 500 शब्दों में विवरण लिखें फाइल विवरण • अतिरिक्त जानकारी के लिए लिंक प्रदान करें • कोई अतिरिक्त जानकारीअपलोड करें	5

मुख्य संकेतक – 6.2 रणनीति विकास एवं तैनाती (10)

मैट्रिकसं		भारिता
6.2.1 Q_1M	***संस्थागतरणनीतिक योजना को प्रभावी ढंग से कार्यान्वित किया गया है।*** रणनीतिक योजना के आधार पर सफलतापूर्वक कार्यान्वित एक गतिविधि का वर्णन अधिकतम 500 शब्दों में करें फाइल विवरण • वेबसाइट पर रणनीतिक योजना एवं तैनाती दस्तावेज • अतिरिक्त जानकारी के लिए लिंक प्रदान करें • कोई अतिरिक्त जानकारीअपलोड करें	3

Copyright Reg. No: L-94579/2020

6.2.2 **Q_1M**	***संस्थागत निकायों की कार्यप्रणाली प्रभावी एवं कुशल है जो नीतियों, प्रशासनिक प्रबंधन, नियुक्ति, सेवा नियमों और प्रक्रियाओं आदि से स्पष्ट है।*** अधिकतम 500 शब्दों में विवरण प्रदान करें। फाइल विवरण • अतिरिक्त जानकारी के लिए लिंक प्रदान करें • विश्वविद्यालय के वेबपेज परऑर्गनोग्राम का लिंक प्रदान करें • कोई अतिरिक्त जानकारीअपलोड करें	**2**
6.2.3 **Q_nM**	***संस्थान अपने प्रचालन क्षेत्रों में ई-गवर्नेंस कार्यान्वित करता है*** 6.2.3.1 निम्नलिखित प्रचालन क्षेत्रों में ई-गवर्नेंस कार्यान्वित किया गया है: 1. प्रशासन 2. वित्त और लेखा 3. छात्र प्रवेश और समर्थन 4. परीक्षाएं **विकल्प** A. उपरोक्त सभी B. उपरोक्त में से कोई3 C. उपरोक्त में से कोई2किसी एक विकल्प को चुनें D. उपरोक्त में से कोई1 E. उपरोक्त में से कोई नहीं **डेटा आवश्यकता : (डेटाटेम्पलेट के अनुसार)** • **ई-गवर्नेंस के क्षेत्र** o प्रशासन o वित्त एवं लेखा o छात्र प्रवेश एवं सहायता o परीक्षा • विक्रेता का नाम संपर्क विवरण सहित • कार्यान्वयन का वर्ष फाइल विवरण (अपलोड करें) • ERP (एंटरप्राइजरिसोर्सप्लानिंग) दस्तावेज़ • यूजरइंटरफेस के स्क्रीनशॉट • कोई अतिरिक्त जानकारी • प्रचालन, प्रशासन आदि के क्षेत्रों में ई-गवर्नेंस के कार्यान्वयन का विवरण, (डेटाटेम्पलेट)	**5**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

मुख्य संकेतक – 6.3 संकाय सशक्तिरण रणनीतियाँ (30)

मैट्रिकसं		भारिता
6.3.1 Q_1M	***संस्थान में शिक्षण व गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए कार्यनिष्पादन मूल्यांकन प्रणाली, उन्नति अवसर एवं प्रभावी कल्याणकारी उपाय हैं।*** अधिकतम 500 शब्दों में वर्णन करें फाइल विवरण • अतिरिक्त जानकारी के लिए लिंक प्रदान करें • कोई अतिरिक्त जानकारीअपलोड करें	4
6.3.2 Q_nM	***गत पांच वर्षों के दौरान सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भाग लेने एवं व्यावसायिक निकायों की सदस्यता शुल्क हेतु वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले शिक्षकों का औसत प्रतिशत*** 6.3.2.1: गत पांच वर्षों के दौरान सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भाग लेने एवं व्यावसायिक निकायों की सदस्यता शुल्क हेतु वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले शिक्षकों की संख्या वर्ष | | | | | | संख्या | | | | | | गत पांच वर्षों के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले डेटा: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • शिक्षक का नाम • सम्मेलन/कार्यशाला का नाम जिसमें भाग लिया गया जिसके लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई थी • व्यावसायिक निकाय का नाम जिसके लिए सदस्यता शुल्क प्रदान किया गया था सूत्र: $\text{Percentage per year} = \frac{\text{Number of teachers provided with financial support to attend conferences,workshops and towards membership fee of professional bodies}}{\text{Number of full time teachers}} \times 100$	10

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	$\text{Average percentage} = \frac{\sum \text{Percentage per year}}{5}$ फाइल विवरण • कोई अतिरिक्त जानकारी अपलोड करें • गत पांच वर्षों के दौरान सम्मेलनों, कार्यशालाओं आदि में भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त शिक्षकों का विवरण (डेटाटेम्पलेट)	
6.3.3 Q_nM	***गत पांच वर्षों के दौरान शिक्षण व गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए संस्था द्वारा आयोजित व्यावसायिक विकास/प्रशासनिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की औसत संख्या*** 6.3.3.1: गत पांच वर्षों के दौरान शिक्षण व गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए संस्था द्वारा आयोजित व्यावसायिक विकास/प्रशासनिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की औसत संख्या वर्ष | | | | | | संख्या | | | | | | गत पांच वर्षों के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले डेटा: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • शिक्षण स्टाफ के लिए आयोजित व्यावसायिक विकास कार्यक्रम का शीर्षक • गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए आयोजित प्रशासनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक • दिनांक (.....से.....) सूत्र: $\frac{\text{Total Number of professional development or administrative training Programmes organized for teaching and non teaching staff during the last five years}}{5}$ फाइल विवरण *(अपलोड करें)* • मानव संसाधन विकास केंद्र (UGC HRDC या ऐसे अन्य संबंधित केंद्र) की रिपोर्ट। • अकादमिक स्टाफ कॉलेज (ASC) या अन्य समान केंद्रों की रिपोर्ट • कोई अतिरिक्त जानकारी अपलोड करें • शिक्षण व गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित व्यावसायिक विकास/प्रशासनिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण (डेटाटेम्पलेट)	8
6.3.4	***गत पांच वर्षों के दौरान ऑनलाइन/प्रत्यक्ष संकाय विकास कार्यक्रम (FDP) प्राप्त कर रहे शिक्षकों का औसत प्रतिशत***	8

Copyright Reg. No: L-94579/2020

Q_nM	(*व्यावसायिक विकास कार्यक्रम, अभिविन्यास / परिचय कार्यक्रम, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, लघु अवधि पाठ्यक्रम*) 6.3.4.1: गत पांच वर्षों के दौरान ऑनलाइन/प्रत्यक्ष संकाय विकास कार्यक्रम (FDP) प्राप्त शिक्षकों की संख्या (व्यावसायिक विकास कार्यक्रम, अभिविन्यास / परिचय कार्यक्रम, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, लघु अवधि पाठ्यक्रम) वर्ष | | | | | | संख्या | | | | | | **गत पांच वर्षों के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले डेटा: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार)** • शिक्षकों का नाम • कार्यक्रम का शीर्षक • अवधि (.....से.....) सूत्र: $\text{Percentage per year} = \frac{\text{Total Number of teaching staff attending such Programmes}}{\text{Total Number of full time teachers}} X\ 100$ $\text{Average percentage} = \frac{\sum \text{Percentage per year}}{5}$ फाइल विवरण • IQAC रिपोर्ट सारांश • मानव संसाधन विकास केंद्रों की रिपोर्ट (UGC ASC या अन्य प्रासंगिक केंद्र) • कोई अतिरिक्त जानकारी अपलोड करें • गत पांच वर्षों के दौरान व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों में भाग लेने वाले शिक्षकों का विवरण (डेटाटेम्पलेट)	

मुख्य संकेतक – 6.4 वित्तीय प्रबंधन एवं संसाधन संग्रहण (20)

Copyright Reg. No: L-94579/2020

मैट्रिकसं		भारिता
6.4.1 **Q_1M**	***धन संग्रहण एवं संसाधनों के इष्टतम उपयोग के लिए संस्थागत रणनीतियाँ*** संस्थान के संसाधन संग्रहण नीति एवं प्रक्रियाओं का वर्णन अधिकतम 500 शब्दों में करें फाइल विवरण • अतिरिक्त जानकारी के लिए लिंक प्रदान करें • कोई अतिरिक्त जानकारी अपलोड करें	4
6.4.2 **Q_nM**	***गत पांच वर्षों के दौरान आधारिक संरचना के विकास एवं रखरखाव के लिए सरकारी निकायों से प्राप्त धन/अनुदान (जो मापदंड III एवं V के अधीन सम्मिलित नहीं) (लाख रुपये में)*** 6.4.2.1: गत पांच वर्षों के दौरान आधारिक संरचना के विकास एवं रखरखाव के लिए सरकारी निकायों से प्राप्त कुल धन/अनुदान (जो मापदंड ***III*** एवं ***V*** के अधीन सम्मिलित नहीं है) (लाख रुपये में) वर्ष | | | | | | (लाख रुपये में) | | | | | | गत पांच वर्षों के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले डेटा: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) • सरकारी फंडिंग एजेंसियों/व्यक्तियों का नाम • प्राप्त धन/अनुदान फाइल विवरण (अपलोड करें) • वार्षिक लेखा विवरण • कोई अतिरिक्त जानकारी • गत पांच वर्षों के दौरान सरकारी निकायों से प्राप्त निधियों/अनुदानों का विवरण (डेटाटेम्पलेट)	**8**
6.4.3 **Q_nM**	***गत पांच वर्षों के दौरान आधारिक संरचना के विकास एवं रखरखाव के लिए गैर-सरकारी निकायों, व्यक्तियों, परोपकारी व्यक्तियों से प्राप्त धन/अनुदान (जो मापदंड III और V के अधीन आधारिक संरचना नहीं है) (लाख रुपये में)*** 6.4.3.1: गत पांच वर्षों के दौरान गैर-सरकारी निकायों, व्यक्तियों, परोपकारी व्यक्तियों से प्राप्त कुल अनुदान (लाख रुपये में)	**6**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

<table>
<tr>
<td></td>
<td>
<table>
<tr><td>वर्ष</td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>लाख रुपये में</td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td></tr>
</table>

गत पांच वर्षों के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले डेटा: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार)
• गैर सरकारी फंडिंग एजेंसियों/व्यक्तियों का नाम
• प्राप्त धन/अनुदान
फाइल विवरण (अपलोड करें)
• वार्षिक लेखा विवरण
• कोई अतिरिक्त जानकारी
• गत पांच वर्षों के दौरान गैर-सरकारी निकायों से प्राप्त निधियों/अनुदानों का विवरण (6.4.2 के अनुसार डेटाटेम्पलेट)
</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>6.4.4

Q₁M</td>
<td>
संस्थान नियमित रूप से आंतरिक और बाह्य वित्तीय लेखा परीक्षा आयोजित करता है

गत पांच वर्षों के दौरान किए गए विभिन्न आंतरिक और बाह्य वित्तीय लेखा परीक्षा सहित लेखा परीक्षा आपत्तियों से निपटने के लिए अपनाए गए तंत्र को सूचीबद्ध करें। अधिकतम 500 शब्द

फाइल विवरण
• अतिरिक्त जानकारी के लिए लिंक प्रदान करें
• कोई अतिरिक्त जानकारी अपलोड करें
</td>
<td>2</td>
</tr>
</table>

Copyright Reg. No: L-94579/2020

मुख्य संकेतक – 6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली (IQAS) (30)

मैट्रिकसं		भारिता
6.5.1 Q_1M	*आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन कक्ष (IQAC) ने समय-समय पर शिक्षण-अध्ययन प्रक्रिया, प्रचालन एवं अध्ययन के परिणामों की संरचनाओं एवं पद्धतियों की लगातार समीक्षा करके गुणवत्ता आश्वासन रणनीतियों व प्रक्रियाओं को संस्थागत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।* IQAC पहलों के परिणामस्वरूप संस्थागत की दो प्रथाओं का वर्णन अधिकतम500 शब्दों में करें फाइल विवरण • अतिरिक्त जानकारी के लिए लिंक प्रदान करें • कोई अतिरिक्त जानकारी अपलोड करें	10
6.5.2 Q_nM	*गुणवत्ता आश्वासन के लिए संस्थान ने निम्नलिखित को अपनाया है :* *1. शैक्षणिक एवं प्रशासनिक लेखा परीक्षा (AAA) व अनुवर्ती कार्रवाई* *2. गुणवत्ता पर आयोजित सम्मेलन, संगोष्ठी, कार्यशालाएं* *3. अन्य संस्थानों के साथ सहयोगात्मक गुणवत्ता पहल* *4. शिक्षकों एवं छात्रों के लिए गुणवत्ता विषय पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम* *5. NIRF में सहभागिता* *6. राज्य, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों (ISOप्रमाणन, NBA व ऐसे अन्य) द्वारा मान्यता प्राप्त कोई अन्य गुणवत्ता लेखा परीक्षा* **विकल्प:** A. कोई 5 या उपरोक्त सभी B. कोई 4 या उपरोक्त सभी C. कोई 3 या उपरोक्त सभी D. कोई 2 या उपरोक्त सभी E. उपरोक्त में से कोई नहीं किसी एक विकल्प को चुनें पिछले पांच वर्षों की डेटा आवश्यकता: (डेटाटेम्पलेट के अनुसार) **गुणवत्ता पहल** • तैयार/जमा किए गएAQARs	10

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	• अकादमिक एवं प्रशासनिक लेखा परीक्षा (AAA) व अनुवर्ती कार्रवाई • गुणवत्ता पर आयोजित सम्मेलन, संगोष्ठी, कार्यशालाएं • अन्य संस्थानों के साथ सहयोगात्मक गुणवत्ता पहल • शिक्षकों और छात्रों के लिए गुणवत्ता विषय पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम • NIRF में सहभागिता • ISOप्रमाणन • NBAया कोई अन्य से प्राप्त प्रमाणन फाइल विवरण • विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट का वेब लिंक प्रदान करें • प्रत्यायन एवं प्रमाणन की ई-प्रतियां अपलोड करें • कोई अतिरिक्त जानकारी अपलोड करें • संस्थान के गुणवत्ता आश्वासन पहल का विवरण अपलोड करें (डेटाटेम्पलेट)	
6.5.3 Q_1M	***गत पांच वर्षों में गुणवत्ता के संबंध में किए वृद्धिशील सुधार (प्रथम साइकलNAAC A/A के मामले में)*** प्रत्यायन के बाद गुणवत्ता संबंधी पहल (NAAC A/Aके दूसरा एवं अनुवर्ती साइकल) गत पांच वर्षों के दौरान सफलतापूर्वक कार्यान्वित शैक्षणिक एवं प्रशासनिक क्षेत्र में गुणवत्ता बढ़ाने की पहल का वर्णन अधिकतम ***500*** शब्दों में करें फाइल विवरण • अतिरिक्त जानकारी के लिए लिंक प्रदान करें • कोई अतिरिक्त जानकारी अपलोड करें	10

मापदंड VII–संस्थागत मूल्य एवं सर्वोत्तम प्रथाएं (100)

मुख्य संकेतक - 7.1 संस्थागत मूल्य एवं सामाजिक दायित्व (50)

मैट्रिकसं		भारिता
	लैंगिक समानता	
7.1.1 Q_1M	***गत पांच वर्षों के दौरान लैंगिक समानता को प्रोत्साहित करने के लिए संस्थान द्वारा प्रारंभ उपाय।*** पाठयक्रमऔर सह-पाठयक्रम गतिविधियों में लैंगिक समानता व संवेदीकरण, परिसर में महिलाओं के लिए	5

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	सुविधाओं आदि का वर्णन 500 शब्दों में करें। ***निम्न के लिए वेब लिंक प्रदान करें :*** • वार्षिक लैंगिक संवेदीकरण कार्य योजना • महिलाओं के लिए प्रदान की जाने वाली विशिष्ट सुविधाएं: a. रक्षा b. परामर्श c. सामान्य कक्ष d. स्टाफ के बच्चों के लिए शिशु देखबाल सेंटर e. कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी	
	पर्यावरण जागरूकतासंवहनीयता	
7.1.2 **Q_nM**	***संस्थान में ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों एवं ऊर्जा संरक्षण उपायों की सुविधा है*** ***1.*** सौर ऊर्जा ☐ ***2.*** बायोगैस संयंत्र ☐ 3. ग्रिड के लिए व्हीलिंग ☐ 4. सेंसर आधारित ऊर्जा संरक्षण ☐ **5.** LED बल्ब/बिजली कुशल उपकरणों का उपयोग ☐ **विकल्प:** A. कोई 4 या उपरोक्त सभी B. कोई 3 या उपरोक्त सभी C. कोई 2 या उपरोक्त सभी — किसी एक विकल्प को चुनें D. कोई 1 या उपरोक्त सभी E. उपरोक्त में से कोई नहीं अपलोड करें *:* • जियो-टैग की गई तस्वीरें • कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी	**5**
7.1.3 **Q_1M**	***निम्न प्रकार के डिग्रेडेबल एवं नॉन- डिग्रेडेबल के प्रबंधन हेतु संस्थान में उपलब्ध सुविधाओं का वर्णन*** 500 ***शब्दों में करें*** • ठोस अपशिष्ट प्रबंधन • तरल अपशिष्ट प्रबंधन • जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन • ई-वेस्ट प्रबंधन	**4**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	• अपशिष्टपुनर्चक्रण प्रणाली • खतरनाक रसायन एवं रेडियोधर्मीअपशिष्ट प्रबंधन **निम्न के लिए वेब लिंक प्रदान करें** • प्रासंगिक दस्तावेज जैसे सरकार एवं अन्य अनुमोदित एजेंसियों के साथ समझौते / समझौता ज्ञापन • सुविधाओं की भू-टैग की गई तस्वीरें • कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी	
7.1.4 **Q_nM**	***संस्थान में उपलब्ध जल संरक्षण सुविधाएं :*** ***1.*** वर्षा जल संचयन ☐ 2. बोरवेल/कुएं का रिचार्ज ☐ 3. टैंकों व बांधों का निर्माण ☐ 4. अपशिष्टपुनर्चक्रण ☐ ***5.*** परिसर में जल निकायों व वितरण प्रणाली का रखरखाव ☐ **विकल्प:** A. कोई 4 या उपरोक्त सभी B. कोई 3 या उपरोक्त सभी C. कोई 2 या उपरोक्त सभी } किसी एक विकल्प को चुनें D. कोई 1 या उपरोक्त सभी E. उपरोक्त में से कोई नहीं **अपलोड करें** • सुविधाओं की भू-टैग की गई तस्वीरें/वीडियो • कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी	**4**
7.1.5 **Q_nM**	***हरित परिसर पहल*** 7.1.5.1. हरित परिसर के लिए संस्थागत पहल निम्नलिखित हैं: 1. वाहनों का प्रतिबंधित प्रवेश ☐ 2. साइकिल/बैटरी चालित वाहनों का उपयोग ☐ 3. पथिक अनुकूल रास्ते ☐ 4. प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध ☐ 5. पेड़ों और पौधों के साथ भूनिर्माण ☐ **विकल्प:**	**4**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	A. कोई 4 या उपरोक्त सभी B. कोई 3 या उपरोक्त सभी C. कोई 2 या उपरोक्त सभी D. कोई 1 या उपरोक्त सभी E. उपरोक्त में से कोई नहीं किसी एक विकल्प को चुनें **अपलोड करें** • सुविधाओं की भू-टैग की गई तस्वीरें/वीडियो • कार्यान्वयन के लिए परिचालित विभिन्न नीति दस्तावेजनिर्णय/ • कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी	
7.1.6 **QnM**	***संस्था द्वारा पर्यावरण एवं ऊर्जा पर गुणवत्ता लेखा परीक्षा नियमित रूप से की जाती है*** 7.1.6.1.निम्नलिखित के माध्यम से संस्थागत पर्यावरण एवं ऊर्जा पहल की पुष्टि की जाती है: 1.हरित लेखा परीक्षा 2. ऊर्जा लेखा परीक्षा 3.पर्यावरण लेखा परीक्षा 4.स्वच्छ और हरित परिसर मान्यता/पुरस्कार 5.परिसर से परे पर्यावरण प्रचार गतिविधियाँ **विकल्प:** A. कोई 4 या उपरोक्त सभी B. कोई 3 या उपरोक्त सभी C. कोई 2 या उपरोक्त सभी D. कोई 1 या उपरोक्त सभी E. उपरोक्त में से कोई नहीं किसी एक विकल्प को चुनें **अपलोड करें:** • लेखा परीक्षा एजेंसी द्वारा प्रस्तुत पर्यावरण व ऊर्जा लेखा परीक्षा रिपोर्ट • लेखा परीक्षा एजेंसी द्वारा प्रमाणन • प्राप्त पुरस्कार के प्रमाण पत्र • कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी	**5**
7.1.7 **QnM**	***संस्थान में अनुकूल, निर्बाध वातावरण है*** 1. कक्षाओं तक आसानी से पहुंचने के लिए रैंप/लिफ्ट निर्मित। 2. दिव्यांगों के अनुकूल शौचालय 3. स्पर्श पथ, रोशनी, डिस्प्ले बोर्ड और साइनपोस्ट सहित साइनेज 4. दिव्यांगों के लिए सहायक प्रौद्योगिकी व सुलभ वेबसाइट, स्क्रीन-रीडिंगसॉफ्टवेयर, मशीनीकृत उपकरण 5. पूछताछ व सूचना का प्रावधान: सहायता, पाठक, लेखक, पठन सामग्री की सॉफ्ट कॉपी,	**4**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	स्क्रीनरीडिंग, फॉन्ट वृद्धि आदि **विकल्प:** **विकल्प:** A. कोई 4 या उपरोक्त सभी B. कोई 3 या उपरोक्त सभी C. कोई 2 या उपरोक्त सभी — किसी एक विकल्प को चुनें D. कोई 1 या उपरोक्त सभी E. उपरोक्त में से कोई नहीं **अपलोड करें** • सुविधाओं की भू-टैग की गई तस्वीरें/वीडियो • नीति दस्तावेज व सूचना ब्रोशर प्रदान करें • क्रय किए सॉफ्टवेयर का विवरण • कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी	
	समावेश और स्थिति	
7.1.8 Q_1M	सांस्कृतिक, क्षेत्रीय, भाषाई, सांप्रदायिक, सामाजिक-आर्थिक व ऐसी अन्य विविधताओं (***500*** शब्दों में) के प्रति समावेशी वातावरण यानी सहिष्णुता एवं सद्भाव प्रदान करने में संस्थागत प्रयासों का वर्णन करें। **निम्न के लिए वेब लिंक प्रदान करें*:*** • प्रदान की गई जानकारी संबंधी सहायक दस्तावेज (जैसा कि संस्थान की प्रशासनिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों में परिलक्षित है) • कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी	**5**
	मानवीय मूल्य और व्यावसायिक नैतिकता	
7.1.9 Q_1M	***संस्थान के छात्रों एवं कर्मचारियों को संवैधानिक दायित्वों के प्रति संवेदनशील बनाना: नागरिकों के मूल्य, अधिकार, कर्तव्य व जिम्मेदारी*** भारत के संविधान में प्रतिबिंबित जिम्मेदार नागरिक होने के लिए मूल्यों को विकसित करने के लिए संस्थान में विभिन्न गतिविधियों का वर्णन *500* शब्दों में करें **निम्न के लिए वेब लिंक प्रदान करें*:*** • गतिविधियों का विवरण जो छात्रों को जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए आवश्यक मूल्यों को विकसित करता है • कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी	**4**
7.1.10	***संस्थान में छात्रों, शिक्षकों, प्रशासकों एवं अन्य कर्मचारियों के लिए निर्धारित आचार संहिता है व इस***	**5**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

Q_nM	***संबंध में समय-समय पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं*** 1. संस्थागत आचार संहिता सिद्धांतों को वेबसाइट पर प्रदर्शित किया गया है 2. संस्थागत आचार संहिता सिद्धांतों के पालन की निगरानी के लिए समिति गठित है 3.संस्थान में छात्रों, शिक्षक, प्रशासक और अन्य कर्मचारियों के लिए व्यावसायिक नैतिकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं 4.आचार संहिता पर वार्षिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं **विकल्प:** • उपरोक्त सभी • कोई 3 या उपरोक्त सभी • कोई 2 या उपरोक्त सभी • कोई 1 या उपरोक्त सभी • उपरोक्त में से कोई नहीं किसी एक विकल्प को चुनें **अपलोड करें:** • आचार संहिता एवं नैतिकता नीति दस्तावेज • दावों के समर्थन में निगरानी समिति की संरचना एवं समिति की बैठक के कार्यवृत्त, आयोजित कार्यक्रमों की संख्या, विभिन्न कार्यक्रमों पर रिपोर्ट आदि का विवरण। • कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी	
7.1.11 Q_1M	***संस्थान राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्मारक दिवसों, कार्यक्रमों और त्योहारों को मनाता / आयोजित करता है*** गत पांच वर्षों के दौरान राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्मारक दिवस, आयोजनों व त्योहारों को मनाने/आयोजित करने में संस्था के प्रयासों का वर्णन 500 शब्दों में करें। निम्न के लिए वेब लिंक प्रदान करें: • गत पांच वर्षों के समारोहों और स्मारक कार्यक्रमों की वार्षिक रिपोर्ट • कुछ आयोजनों की जियो-टैग की गई तस्वीरें • कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी	5

मुख्य संकेतक – 7.2 सर्वोत्तम प्रथाएं (30)

मैट्रिकसं		भारिता

Copyright Reg. No: L-94579/2020

7.2.1 Q_1M	**नियमावली में उल्लिखित नैकप्रारूप के अनुसार संस्थान द्वारा सफलतापूर्वक कार्यान्वित दो सर्वोत्तम प्रथाओं का वर्णन करें** **निम्न के लिए वेब लिंक प्रदान करें :** • संस्थागत वेबसाइट पर होस्ट किए गए सर्वोत्तम प्रथाएं • कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी	30

Copyright Reg. No: L-94579/2020

नोट:

संस्थागत सर्वोत्तम प्रथाओं की प्रस्तुति के लिए प्रारूप

1. **प्रथा शीर्षक**

शीर्षक में प्रथा को वर्णित करने वाले सूचक शब्द होने चाहिए।

2. **प्रथा उद्देश्य**

इस "सर्वोत्तम प्रथा" के उद्देश्य/इच्छित परिणाम क्या हैं एवं इस प्रथा में अंतर्निहित सिद्धांत या अवधारणाएं क्या हैं? (लगभग 100 शब्दों में)

3. **संदर्भ**

इस प्रथा को अबिकल्पित करने व कार्यान्वित करने में किन प्रासंगिक विशेषताओं या चुनौतीपूर्ण विषयों को संबोधित करने की आवश्यकता थी? (लगभग 150 शब्दों में)

4. **प्रथा**

भारतीय उच्च शिक्षा के संदर्भ में प्रथा एवं इसकी विशिष्टता का वर्णन करें। किन बाधाओं/सीमाओं का सामना करना पड़ा, यदि कोई हो? (लगभग 400 शब्दों में)

5. **सफलता के प्रमाण**

सफलता के प्रमाण प्रदान करें यथा लक्ष्य एवं मापदंड के विरुद्ध प्रदर्शन, समीक्षा/परिणाम। ये परिणाम क्या दर्शाते हैं? लगभग 200 शब्दों में वर्णन करें।

6. **समस्याएं एवं आवश्यक संसाधन**

कृपया प्रस्तुत समस्याएं एवं प्रथा को कार्यान्वित करने के लिए आवश्यक संसाधनों की पहचान करें (लगभग 150 शब्द)।

7. **नोट (वैकल्पिक)**

कृपया कोई अन्य जानकारी हो, तो दें जो अन्य संस्थानों में सर्वोत्तम प्रथा को अपनाने/कार्यान्वयन के लिए प्रासंगिक हो (लगभग 150 शब्दों में)

संस्थागत मूल्यों एवं सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में कोई अन्य जानकारी जिसे विश्वविद्यालय सम्मिलित करना चाहेगा।

Copyright Reg. No: L-94579/2020

मुख्य संकेतक – 7.3 संस्थागत विशिष्टता (20)

मैट्रिकसं		भारिता
7.3.1 **Q_1M**	***एक क्षेत्र में संस्थान के कार्यनिष्पदान एवं उसकी प्राथमिकता को*** 1000 ***शब्दों में वर्णित करें*** निम्न के लिए वेब लिंक प्रदान करें: • संस्थागत वेबसाइट में उपयुक्त वेबपेज • कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी	**20**

5. विभागों की मूल्यांकन रिपोर्ट

विश्वविद्यालय का नाम .... विभाग का नाम ....

जिला............................... राज्य......................................

संस्थान में विभागों की कुल संख्या ....

क्रसं	विभाग का नाम	उदाहरण के लिए: अंग्रेजी	प्राणि विज्ञान	जैव–प्रौद्योगिकी
1.	स्थापना वर्ष			
2.	क्या विभाग विश्वविद्यालय के किसी स्कूल/संकाय का हिस्सा हैं			
3.	प्रस्तावित कार्यक्रमों के नाम			

Copyright Reg. No: L-94579/2020

4.	स्वीकृत/भरे शिक्षण पदों की संख्या			
5.	अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या: प्राप्त कुल अनुदान			
6.	अंतर-संस्थागत सहयोगी परियोजनाएं और संबद्ध अनुदान प्राप्त			
	राष्ट्रीय साझेदारी			
	अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी			
7.	DST-FIST, UGC-SAP/CAS,DPE, DBT, ICSSR, AICTE आदि द्वारा वित्त पोषित विभागीय परियोजनाएं: प्राप्त कुल अनुदान :			
8.	उद्योग या कॉर्पोरेट निकायों द्वारा प्रायोजित / सृजित विशेष अनुसंधान प्रयोगशालाएं			
9.	प्रकाशन:			
	प्रकाशित शोधपत्रों की संख्या			
	ISBN विवरण वाले पुस्तकों की संख्या			
	प्रशस्ति पत्र सूचकांक - श्रेणी / औसत			
	प्रभाव कारक - रेंज / औसत			
	h-सूचकांक			
10.	पेटेंट एवं अर्जित आय का विवरण			
11.	परामर्श एवं अर्जित आय			
12.	राष्ट्रीय स्तर एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त पुरस्कार/मान्यताएं:			
	संकाय			
	डॉक्टरेट/पोस्ट डॉक्टरेट अध्येता			
	छात्र			
13.	कितने छात्रों ने सिविल सेवा व रक्षा सेवा परीक्षा, NET, SET (SLET), GATE एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाएं पास की है			
14.	डॉक्टरेट, पोस्ट-डॉक्टोरल छात्रों की सूचीऔर अनुसंधान सहयोगी			

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	मेजबान संस्थान/विश्वविद्यालय से			
	अन्य संस्थान/विश्वविद्यालय से			
15.	विश्वविद्यालय/राज्य/केंद्रीय वित्त पोषण एजेंसियों से वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले अनुसंधान विद्वानों/स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या			

नोट: गत पांच वर्षों के आंकड़े संकलित करें

Copyright Reg. No: L-94579/2020

डेटाटेम्प्लेट/दस्तावेज़ मात्रात्मकमैट्रिक्स (QnM)

नोट: *प्रत्येक मात्रात्मकमैट्रिक्स के लिए विचारोत्तेजक दस्तावेजों की सूची मानक प्रचालन प्रक्रिया (SOP) में प्रदान की गई है। HEI संबंधित SOP's के संदर्भ द्वारा SSR जमा करने के दौरान दस्तावेजों को संलग्न करें।*

*SOP's का लिंक*http://naac.gov.in/apply-now

Copyright Reg. No: L-94579/2020

डेटाटेम्प्लेटएवं दस्तावेज़– मात्रात्मकमैट्रिक्स (Q_nM)

क्रसं	**मापदंड 1–पाठ्यक्रम पहलू (150)**							
	मुख्य संकेतक – 1.1 पाठ्यक्रम अभिकल्पन एवं विकास (50)							
1.	1.1.2 गत पांच वर्षों के दौरान उन कार्यक्रमों का प्रतिशत जिनके पाठ्यक्रम में संशोधन किया गया (20)							
	1.2.2 उन कार्यक्रमों का प्रतिशत जिनमें विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) /वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रणाली कार्यान्वित की गई है (20)							
	कार्यक्रम कोड	**कार्यक्रम का नाम**	**प्रारंभ वर्ष**	**CBCS /वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रणाली (ECS) के कार्यान्वयन की स्थिति**	**CBCS/ ECS कार्यान्वयन वर्ष**	**संशोधन वर्ष (यदि कोई हो)**	**यदि गत 5 वर्षों के दौरान पाठ्यक्रम में संशोधन किया गया है, जोड़े गए सामग्री का प्रतिशत**	**प्रासंगिक दस्तावेजों के लिए लिंक**
				CBCS: Yes/No ECS: Yes/No	CBCS: ECS:	CBCS: ECS:	CBCS: ECS:	CBCS: ECS:

Copyright Reg. No: L-94579/2020

2.	1.1.3 गत पांच वर्षों के दौरान रोजगार योग्यता/उद्यमिता/कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करने वाले पाठ्यक्रमों का औसत प्रतिशत (10)				
	1.2.1 गत पांच वर्षों के दौरान प्रारंभ सभी कार्यक्रमों में कुल पाठ्यक्रमों में से शुरू किए गए नए पाठ्यक्रमों का प्रतिशत (30)				
	कार्यक्रम कोड	**कार्यक्रम का नाम**	**प्रारंभ वर्ष**	**रोजगार/उद्यमिता/कौशल विकास को सीधे प्रभावित करने वाली गतिविधियां/सामग्री**	**प्रासंगिक दस्तावेजों के लिए लिंक**

	मुख्य संकेतक – 1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन (30)						
3.	1.3.2 गत पांच वर्षों के दौरान हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशल प्रदान करने हेतु प्रस्तावित मूल्य वर्धित पाठ्यक्रमों की संख्या (10)						
	1.3.3 1.3.2के अधीन पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों का औसत प्रतिशत (10)						
	वर्ष 1						
	प्रारंभ मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम का नाम (30 या अधिक संपर्क घंटों सहित)	**पाठ्यक्रम कोड (यदि कोई हो)**	**प्रारंभ वर्ष**	**एक ही वर्ष के दौरान प्रारंभ किए गए पाठ्यक्रमों की संख्या**	**पाठ्यक्रम अवधि**	**वर्ष में नामांकित छात्रों की संख्या**	**वर्ष में पाठ्यक्रम पूरा करने वाले छात्रों की संख्या**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

वर्ष 2						
प्रारंभ मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम का नाम (30 या अधिक संपर्क घंटों सहित)	**पाठ्यक्रम कोड (यदि कोई हो)**	**प्रारंभ वर्ष**	**एक ही वर्ष के दौरान प्रारंभ किए गए पाठ्यक्रमों की संख्या**	**पाठ्यक्रम अवधि**	**वर्ष में नामांकित छात्रों की संख्या**	**वर्ष में पाठ्यक्रम पूरा करने वाले छात्रों की संख्या**
वर्ष 3						
प्रारंभ मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम का नाम (30 या अधिक संपर्क घंटों सहित)	**पाठ्यक्रम कोड (यदि कोई हो)**	**प्रारंभ वर्ष**	**एक ही वर्ष के दौरान प्रारंभ किए गए पाठ्यक्रमों की संख्या**	**पाठ्यक्रम अवधि**	**वर्ष में नामांकित छात्रों की संख्या**	**वर्ष में पाठ्यक्रम पूरा करने वाले छात्रों की संख्या**
वर्ष 4						
प्रारंभ मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम का नाम (30 या अधिक संपर्क घंटों सहित)	**पाठ्यक्रम कोड (यदि कोई हो)**	**प्रारंभ वर्ष**	**एक ही वर्ष के दौरान प्रारंभ किए गए पाठ्यक्रमों की संख्या**	**पाठ्यक्रम अवधि**	**वर्ष में नामांकित छात्रों की संख्या**	**वर्ष में पाठ्यक्रम पूरा करने वाले छात्रों की संख्या**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

वर्ष 5						
प्रारंभ मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम का नाम (30 या अधिक संपर्क घंटों सहित)	**पाठ्यक्रम कोड (यदि कोई हो)**	**प्रारंभ वर्ष**	**एक ही वर्ष के दौरान प्रारंभ किए गए पाठ्यक्रमों की संख्या**	**पाठ्यक्रम अवधि**	**वर्ष में नामांकित छात्रों की संख्या**	**वर्ष में पाठ्यक्रम पूरा करने वाले छात्रों की संख्या**

4.	1.3.4फील्ड परियोजना/अनुसंधान परियोजना/ इंटर्नशिप करने वाले छात्रों का प्रतिशत (केवल वर्तमान शैक्षणिक वर्ष का डेटा) (5)
	1.3.4.1:फील्ड परियोजना या अनुसंधान परियोजना या इंटर्नशिप करने वाले छात्रों की संख्या

कार्यक्रम कोड	**कार्यक्रम का नाम**	**छात्रों का नाम**	**प्रासंगिक दस्तावेजों के लिए लिंक**

*** SOP से जांचें कि क्या एक ही छात्र को एक से अधिक बार गिना जा सकता है।**

	मुख्य संकेतक - 1.4 प्रतिपुष्टिप्रणाली (20)
5.	1.4.1 पाठ्यक्रम के अभिकल्पन एवं समीक्षा के लिए संरचित प्रतिपुष्टि- सेमेस्टर-वार/वर्ष-वार प्राप्त होता है 1) छात्र, 2) शिक्षक, 3) नियोक्ता, 4) पूर्व छात्र, 5) कोई नहीं (10)

Copyright Reg. No: L-94579/2020

विकल्प:

A. उपरोक्त में से कोई 4

व उपरोक्त में से कोई 3

C. उपरोक्त में से कोई 2

D. उपरोक्त में से कोई 1

E. उपरोक्त में से कोई नहीं **(किसी एक विकल्प को भी चुनें)**

1.4.2संस्थान की प्रतिपुष्टि प्रक्रिया को निम्नानुसार वर्गीकृत किया जा सकता है: (10)

A. प्रतिपुष्टि एकत्र कर, विश्लेषित की गई, कार्रवाई की गई एवं प्रतिपुष्टिसंस्थागत वेबसाइट पर उपलब्ध है

B. प्रतिपुष्टि एकत्र कर, विश्लेषित की गई, कार्रवाई की गई

C. प्रतिपुष्टि एकत्र कर, विश्लेषित की गई

D. प्रतिपुष्टि एकत्र की गई

E. प्रतिपुष्टि प्राप्त नहीं किया गया **(किसी एक विकल्प को भी चुनें)**

प्रतिपुष्टि संग्रह एवं विश्लेषण रिपोर्ट के लिए URL

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	मापदंड 2 -शिक्षण-अध्ययन और मूल्यांकन (200)				
	मुख्य संकेतक - 2.1 छात्र नामांकन और प्रोफाइल (10)				
6.	2.1.1 मांग अनुपात (गत पांच वर्षों का औसत) (5)				
	2.1.1.1: गत पांच वर्षों के दौरान उपलब्ध सीटों की संख्या				
	वर्ष 1				
	कार्यक्रम कोड	**कार्यक्रम का नाम**	**उपलब्ध/स्वीकृत सीटों की संख्या**	**प्राप्त योग्य आवेदनों की संख्या**	**प्रवेशित छात्रों की संख्या**
	वर्ष 2				
	कार्यक्रम कोड	**कार्यक्रम का नाम**	**उपलब्ध/स्वीकृत सीटों की संख्या**	**प्राप्त योग्य आवेदनों की संख्या**	**प्रवेशित छात्रों की संख्या**
	वर्ष 3				
	कार्यक्रम कोड	**कार्यक्रम का नाम**	**उपलब्ध/स्वीकृत सीटों की संख्या**	**प्राप्त योग्य आवेदनों की संख्या**	**प्रवेशित छात्रों की संख्या**
	वर्ष 4				

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	कार्यक्रम कोड	कार्यक्रम का नाम	उपलब्ध/स्वीकृत सीटों की संख्या	प्राप्त योग्य आवेदनों की संख्या	प्रवेशित छात्रों की संख्या
	वर्ष 5				
	कार्यक्रम कोड	**कार्यक्रम का नाम**	**उपलब्ध/स्वीकृत सीटों की संख्या**	**प्राप्त योग्य आवेदनों की संख्या**	**प्रवेशित छात्रों की संख्या**

7. 2.1.2 गत पांच वर्षों के दौरान कार्यान्वित आरक्षण नीतियों के अनुसार विभिन्न श्रेणियों (SC, ST, OBC, दिव्यांगजन, आदि) के लिए आरक्षित सीटों के निमित्त भरी गई सीटों का औसत प्रतिशत। (अधिसंख्यासीटों को छोड़कर) (5)

2.1.2.1: गत पांच वर्षों के दौरान आरक्षित वर्गों से प्रवेशित वास्तविक छात्रों की संख्या

वर्ष	**भारत सरकार या राज्य सरकार के नियम के अनुसार आरक्षित वर्ग के लिए निर्धारित सीटों की संख्या**						**आरक्षित वर्ग से प्रवेशित छात्रों की संख्या**					
	SC	**ST**	**OBC**	**दिव्यांगजन**	**सामान्य**	**अन्य**	**SC**	**ST**	**OBC**	**दिव्यांगजन**	**सामान्य**	**अन्य**

*अल्पसंख्यक संस्थानों के मामले में, सहायक दस्तावेजों के साथ अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण की स्थिति निर्दिष्ट की जा सकती है।

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	मुख्य संकेतक- 2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल एवं गुणवत्ता (50)	
8.	2.4.1 गत पांच वर्षों के दौरान स्वीकृत पदों की संख्या के सापेक्ष नियुक्त पूर्णकालिक शिक्षकों का औसत प्रतिशत (15)	
	2.4.3 एक ही संस्थान में पूर्णकालिक शिक्षकों का औसत शिक्षण अनुभव (वर्षों की संख्या में केवल वर्तमान पूर्ण शैक्षणिक वर्ष का डेटा) (10)	

पूर्णकालिक शिक्षक का नाम	**PAN**	**पदनाम**	**विभाग का नाम**	**नियुक्ति की प्रकृति (स्वीकृत पद के सापेक्ष, अस्थायी, स्थायी)**	**नियुक्ति वर्ष**	**एक ही संस्थान में कुल वर्षों का अनुभव**	**क्या शिक्षक अभी भी संस्थान में सेवारत है/यदि संस्थान के लिए संकाय की सेवा का अंतिम वर्ष नहीं है**

	* इसके अतिरिक्त मैट्रिक्स**2.2.2** एंव**2.3.3** के लिए शिक्षकों के डेटा के सत्यापन के लिए प्रयुक्त किया जाए

9.	2.4.2 Ph.D./D.M/M.Ch./D.N.Bसुपरस्पेशियलिटी/D.Sc./D'Litवाले पूर्णकालिक शिक्षकों का औसत प्रतिशत (15)

Ph.D./D.M/M.Ch./D.N.Bसुपरस्पेशियलिटी/D.Sc./D'Litवाले पूर्णकालिक शिक्षक का नाम	**योग्यता (Ph.D./D.M/M.Ch./D.N.Bसुपरस्पेशियलिटी/D.Sc./D'Lit.)**	**योग्यता प्राप्त करने का वर्ष**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

10.

2.4.4 गत पांच वर्षों के दौरान राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सरकार/राज्य सरकार मान्यता प्राप्त निकाय से पुरस्कार, मान्यता, फेलोशिप प्राप्त करने वाले पूर्णकालिक शिक्षकों का औसत प्रतिशत। (10)

3.4.2 संस्थान राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मान्यता/पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिक्षकों को प्रोत्साहन प्रदान करती है (5)

1. विश्वविद्यालय समारोह में प्रशस्ति एवं आर्थिक प्रोत्साहन

2. विश्वविद्यालय समारोह में प्रशस्ति और पदक

3. प्रशस्ति प्रमाण पत्र

4.न्यूज़लेटर/वेबसाइट में घोषणा

राज्य, राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर से पुरस्कार प्राप्त करने वाले पूर्णकालिक शिक्षकों के नाम	पुरस्कार वर्ष	PAN	पदनाम	सरकार या सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त निकायों से प्राप्त पुरस्कार, फेलोशिप का नाम	पुरस्कार देने वाली एजेंसी का नाम	पुरस्कार की मान्यता में HEI द्वारा दिए प्रदत्ता प्रोत्साहन का प्रकार	प्रासंगिक दस्तावेजों के लिए लिंक

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	मुख्य संकेतक – 2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया एवं सुधार (40)
11.	2.5.1 गत पांच वर्षों के दौरान पिछले सेमेस्टर/वर्ष के अंत की परीक्षाओं की तारीख से परिणाम घोषित होने तक दिनों की औसत संख्या (15) 2.5.1.1: गत पांच वर्षों के दौरान अंतिम सेमेस्टर /वर्ष के अंत की परीक्षा की तारीख से परिणाम घोषित होने तक दिनों की संख्या

वर्ष 1 **नोट: 5 वर्ष को अलग से दर्शाने के लिए दोहराया जाए**

कार्यक्रम कोड	कार्यक्रम का नाम	सेमेस्टर/वर्ष	अंतिम सेमेस्टर/ वर्ष के अंत की परीक्षा की अंतिम तारीख	अंतिम सेमेस्टर/ वर्ष के अंत के परिणाम घोषित होने की तारीख

12.	2.5.4 अनुमोदित परीक्षा नियमावली के साथ परीक्षा प्रभाग के स्वचालन की स्थिति (5) A. संपूर्ण प्रभाग का 100% स्वचालन एवं परीक्षा प्रबंधन प्रणाली (EMS) का कार्यान्वयन B. केवल छात्र पंजीकरण, हॉल टिकट जारी करना एवं परिणाम प्रसंस्करण C. केवल छात्र पंजीकरण एवं परिणाम प्रसंस्करण D. केवल परिणाम प्रसंस्करण E. केवल मैनुअल कार्यप्रणाली

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	मुख्य संकेतक – 2.6 छात्र कार्य-निष्पादन एवं अध्ययन के परिणाम (30)
13.	2.6.3 छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत ***(केवल नवीनतम पूर्ण शैक्षणिक वर्ष के लिए डेटा)*** **(10)**

कार्यक्रम कोड	कार्यक्रम का नाम	अंतिम वर्ष की परीक्षा लेने वाले छात्रों की सं	अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों की संख्या

	मुख्य संकेतक – 2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण (30)
	2.7.1 शिक्षण-अध्ययन प्रक्रिया के संबंध में ऑनलाइन छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण (छात्रों के आंकड़ों को निम्न तालिका के अनुसार सूचीबद्ध करें) : (30)
14.	**छात्र का नाम**

छात्र का नाम	लिंग	वर्ग	अधिवास राज्य	राष्ट्रीयता यदि भारतीय नागरिक्ता से भिन्न हो	छात्र विशिष्ट नामांकन ID	कार्यक्रम का नाम	ईमेलID	मोबाइल नंबर	प्रवेश वर्ष

	मापदंड 3 – अनुसंधान, नवाचार एवं विस्तार (250)

Copyright Reg. No: L-94579/2020

15. 3.1.2 संस्थान अपने शिक्षकों को अनुसंधान के लिए बीज राशि प्रदान करता है (औसत प्रति वर्ष लाख रुपये में) (3)

बीज राशि प्रदत्त शिक्षक का नाम	बीज राशि की राशि (लाख रुपये में)	प्राप्त वर्ष	संस्थान से अनुसंधान के लिए बीज राशि/अनुदान की स्वीकृति के लिए नीति दस्तावेज का लिंक

16. 3.1.3 गत पांच वर्षों के दौरान उन्नत अध्ययन/अनुसंधान के लिए विभिन्न एजेंसियों द्वारा राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय फेलोशिप/वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले शिक्षकों का प्रतिशत (3)

क्रसं	राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय फेलोशिप/वित्तीय सहायता से सम्मानित शिक्षक का नाम	पुरस्कार / फैलोशिप का नाम	पुरस्कार वर्ष	पुरस्कार देने वाली एजेंसी	प्रमाणपत्रों के लिए लिंक

Copyright Reg. No: L-94579/2020

17. 3.1.4 गत पांच वर्षों के दौरान संस्थान में नामांकित JRFs, SRFs, पोस्ट डॉक्टरलफेलो, रिसर्चएसोसिएट्स और अन्य रिसर्चफेलो की संख्या (4)

क्रसं	रिसर्चफेलो का नाम	प्रवेश वर्ष	फेलोशिप की अवधि	फेलोशिप का प्रकार	अनुदान देने वाली एजेंसी	योग्यता परीक्षा यदि कोई हो (NET, GATE, आदि)
1						
2						
3						
4						
5						

18. 3.1.6 UGC-SAP, CAS, DST-FIST, DBT, ICSSR एवं राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा अन्य मान्यता वाले विभागों का प्रतिशत (वर्तमान शैक्षणिक वर्ष के लिए डेटा) (5)

3.2.1 गत पांच वर्षों के दौरान विश्वविद्यालय में अनुसंधान के लिए बाह्य वित्त पोषण (लाख रुपये में) (गैर-सरकारी स्रोतों यथा उद्योग, कॉर्पोरेट, अनुसंधान परियोजनाओं हेतु अंतर्राष्ट्रीय निकायों द्वारा प्रायोजित अनुदान), निधि, चेयर्स

वर्ष 1	वर्ष 2	वर्ष 3	वर्ष 4	वर्ष 5

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	3.2.2 गत पांच वर्षों के दौरान सरकारी एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अनुदान (लाख रुपये में) (10)							
	वर्ष **1**	वर्ष **2**	वर्ष **3**	वर्ष **4**	वर्ष **5**			
	3.2.3 गत पांच वर्षों के दौरान सरकारी एवं गैर-सरकारी एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित प्रति शिक्षक अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या (5)							
	वर्ष 1 नोट: 3.3.2.1 में दिए गए अनुसार 5 वर्ष के लिए दोहराएं							
	योजना / परियोजना / निधि/ **चेयर का नाम**	प्रधान अन्वेषक/सह अन्वेषक का नाम (यदि लागू हो)	फंडिंग एजेंसी का नाम	प्रकार (सरकारी/गैर सरकारी)	विभाग	पुरस्कार वर्ष	प्रदत्त धनराशि (रुपये लाख में)	परियोजना की अवधि

	मुख्य संकेतक – 3.3 नवाचारपारिस्थितिकी तंत्र (30)				
19.	3.3.2 गत पांच वर्षों के दौरान अनुसंधान पद्धति, बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR), उद्यमिता, कौशल विकास पर आयोजित कार्यशालाओं/सेमिनारों की संख्या (10)				
	वर्ष	कार्यशाला/संगोष्ठी का नाम	प्रतिभागियों की संख्या	दिनांक .....से .....तक	वेबसाइट पर गतिविधि रिपोर्ट का लिंक

Copyright Reg. No: L-94579/2020

20.	3.3.3 गत पांच वर्षों के दौरान संस्थान/शिक्षकों/शोध विद्वानों/छात्रों द्वारा अनुसंधान/नवाचार के लिए प्राप्त पुरस्कारों/मान्यताओं की संख्या (10)				
	पुरस्कार वर्ष	नवाचार शीर्षक	पुरस्कार पाने वाले का नाम	पुरस्कार देने वाली एजेंसी का नाम संपर्क विवरण सहित	श्रेणी– संस्थान/शिक्षक/शोध विद्वान/छात्र

	मुख्य संकेतक – 3.4 अनुसंधान प्रकाशन एवं पुरस्कार (100)			
21.	3.4.3 गत पांच वर्षों के दौरान प्रकाशित/पुरस्कृत पेटेंटों की संख्या (10) 3.4.3.1: गत पांच वर्षों के दौरान प्रकाशित/पुरस्कृत पेटेंटों की वर्ष-वार संख्या			
	शिक्षक का नाम	पेटेंट संख्या	पेटेंट शीर्षक	पेटेंट प्रकाशन वर्ष

Copyright Reg. No: L-94579/2020

22. 3.4.4 पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रति शिक्षक प्रदत्त पीएचडी की संख्या (10)

PhD छात्र का नाम	विभाग का नाम	गाइड का नाम	शोध प्रबंध का नाम	छात्र पंजीकरण वर्ष	PhD प्रदत्त वर्ष	क्या Ph.D./D.M/M.Ch./D.N.Bसुपरस्पेशियलिटी /D.Sc./D'Lit के लिए एक शोध गाइड के रूप में मान्यता प्राप्त है (हाँ/नहीं)	शोध गाइड के रूप में मान्यता वर्ष

23. 3.4.5 पांच वर्षों के दौरान UGCकी वेबसाइट पर अधिसूचित पत्रिकाओं में प्रति शिक्षक प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या (15)

शोधपत्र शीर्षक	लेखककानाम	शिक्षकविभाग	पत्रिकाकानाम	प्रकाशनकावर्ष	ISSNसंख्या	जर्नलकेUGCसूचीमेंमान्यताहेतु लिंक		
						जर्नलकीवेबसाइटकालिंक	लेख/ शोधपत्र/लेखकेसारकालिंक	क्यायह*UGC* केयरलिस्ट/स्कोपस/वेबऑफसाइंस/अन्यमेंसूचीबद्धहै, उल्लेखकरें

24. 3.4.6 गतपांचवर्षोंकेदौरानसंपादितसंस्करणोंमेंप्रतिशिक्षकप्रकाशितपुस्तकवअध्यायोंकीसंख्या (15)

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	क्रसं	शिक्षक कानाम	प्रकाशितपुस्तक/अध्यायोंकाशीर्षक	शोधपत्रशीर्षक	सम्मेलनकीकार्यवाहीकाशीर्षक	प्रकाशनवर्ष	ISBN/ISSN कार्यवाहीकीसंख्या	क्याप्रकाशनकेसमयसंबद्धसंस्थाएंसमानथीं (हां/नहीं)	प्रकाशककानाम

25. 3.4.7 ई-सामग्रीशिक्षकोंद्वाराविकसितकीजातीहै: (10)

1. ई-PG -पाठशालाकेलिए, 2. CEC (स्नातककेअधीन) केलिए, 3. SWAYAMकेलिए, 4. अन्यMOOCs प्लेटफॉर्मकेलिए, 5. NPTEL/NMEICT/किसीअन्यसरकारीपहलकेलिए6. संस्थागतLMS केलिए

1	2	3	4	5	6

4.3.5 **ई**-सामग्री विकास हेतु संस्थान में निम्नलिखित सुविधाएं हैं1. मीडियासेंटर 2. श्रव्यदृश्यकेंद्र, 3. लेक्चरकैप्चरिंगसिस्टम (*LCS*) 4. संपादन के लिए मिक्सिंगउपकरण (5)

शिक्षककानाम	विकसितमॉड्यूलकानाम	प्लेटफार्मजिसपरमॉड्यूलविकसितकियागयाहै	ईसामग्रीप्रारंभकरनेकीतिथि	संस्थानमेंउपलब्धप्रासंगिकदस्तावेजएवंसुविधाकालिंक	उपलब्धई-सामग्रीविकाससुविधाकीसूची	मीडियाकेंद्रएवं रिकॉर्डिंगसुविधाकेवीडियोकेलिएलिंकप्रदानकरें

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	मुख्यसंकेतक– 3.5 परामर्श(20)

26. 3.5.2 गतपांचवर्षोंकेदौरानपरामर्शएवं कॉर्पोरेटप्रशिक्षणसेअर्जित राजस्व (लाखरुपयेमें) (15)

3.5.2.1: गतपांचवर्षोंकेदौरानपरामर्शएवं कॉर्पोरेटप्रशिक्षणसेअर्जित वर्ष–वारकुलराशि (लाखरुपयेमें)

गतपांचवर्षोंकेदौरानपरामर्शसेअर्जित राजस्व

शिक्षकसलाहकारोंकानाम	परामर्शपरियोजनाकानाम	परामर्श/प्रायोजनएजेंसीसंपर्कविवरणसहित	वर्ष	अर्जित राजस्व (लाखरुपयेमें)

गतपांचवर्षोंकेदौरानकॉर्पोरेटप्रशिक्षणसेअर्जित राजस्व

शिक्षक–परामर्शदाताओं/कॉर्पोरेटप्रशिक्षकोंकेनाम	कॉर्पोरेटप्रशिक्षणकार्यक्रमकाशीर्षक	प्रशिक्षणचाहनेवालीएजेंसी सहित संपर्कविवरण	वर्ष	अर्जित राजस्व (लाखरुपयेमें)	प्रशिक्षुओंकीसंख्या

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	मुख्यसंकेतक– 3.6 विस्तारगतिविधियां (40)
27.	3.6.2 गतपांचवर्षोंकेदौरानकीगईविस्तारगतिविधियोंकीमान्यतामेंसरकार/सरकार-मान्यताप्राप्तनिकायोंसेसंस्थान, उसकेशिक्षकोंऔरछात्रोंद्वाराप्राप्तपुरस्कारोंकीसंख्या (10) 3.6.2.1: गतपांचवर्षोंकेदौरानकीगईविस्तारगतिविधियोंकीमान्यतामेंसरकार/सरकार-मान्यताप्राप्तनिकायोंसेप्राप्तपुरस्कारोंकीसंख्या

गतिविधिकानाम	पुरस्कार/मान्यताकानाम	पुरस्कारप्रदानकरनेवालीसरकार/सरकारीमान्यताप्राप्तनिकायोंकानाम	पुरस्कारवर्ष

28.	3.6. 3 **गत पांच वर्षों के दौरानNSS/NCC/रेडक्रॉस/YRCके माध्यम से संस्था द्वारा आयोजित विस्तार और आउटरीच कार्यक्रमों की संख्या (स्वच्छ भारत, एड्स जागरूकता, लिंग मुद्दे, आदि जैसे सरकार द्वारा शुरू किए गए कार्यक्रम एवं उद्योग, समुदाय एवं गैर सरकारी संगठनों के सहयोग में आयोजित कार्यक्रम)** (12)
	3.6.4 गतपांचवर्षोंकेदौरानउपरोक्त3.6.3 मेंसूचीबद्धविस्तारगतिविधियोंमेंभागलेनेवालेछात्रोंकाऔसतप्रतिशत (12)

गतिविधिकानाम	आयोजनयूनिट/एजेंसी/सहयोगीएजेंसी	योजनाकानाम	गतिविधिकावर्ष	ऐसीगतिविधियोंमेंभागलेनेवालेछात्रोंकीसंख्या

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	मुख्यसंकेतक– 3.7 सहयोग (20)
29.	3.7.1 प्रतिवर्षसंकायएवं छात्रोंकेअनुसंधानव शैक्षणिकविकासकेलिएअन्यसंस्थानों/अनुसंधानप्रतिष्ठानों/उद्योगकेसाथसहयोगीगतिविधियोंकीसंख्या (10)

क्रसं	सहयोगीगतिविधिकाशीर्षक	सहयोगीएजेंसीकानामसंपर्कविवरण सहित	प्रतिभागीकानाम	सहयोगवर्ष	अवधि	गतिविधिकीप्रकृति	प्रासंगिकदस्तावेज़सेलिंककरें

30.	3.7.2 गतपांचवर्षोंकेदौरानइंटर्नशिप, व्यवहारिक प्रशिक्षण, परियोजनाकार्य, छात्र/संकायआदान–प्रदानएवं सहयोगीअनुसंधानकेलिएभारतव विदेशोंमेंसंस्थानों/उद्योगोंकेसाथकार्यात्मकसमझौताज्ञापनोंकीसंख्या (10

संगठन/संस्था/उद्योगकानामजिसकेसाथसमझौताज्ञापनपरहस्ताक्षरकिएगएहैं	समझौताज्ञापनपरहस्ताक्षरकरनेकावर्ष	समझौताज्ञापनकीअवधि	प्रत्येकसमझौताज्ञापनकेअधीन वर्षवारवास्तविकगतिविधियोंकीसूचीबन

	मापदंड4 – आधारिकसंरचनाएवं अध्यनन केसंसाधन (100)
	मुख्यसंकेतक– 4.1 भौतिकसुविधाएं (30)

31.	4.1.4 गतपांचवर्षोंकेदौरानवेतनकोछोड़कर, आधारिकसंरचनाके विस्तारकेलिएव्ययकाऔसतप्रतिशत (लाखरुपयेमें) (10)
	4.4.1 गतपांचवर्षोंकेदौरानवेतनघटककोछोड़करभौतिकसुविधाओंएवं शैक्षणिकसहायतासुविधाओंकेरखरखावपरकिए गएऔसतप्रतिशतव्यय (लाखरुपयेमें) (10)

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	वर्ष	आधारिकसंरचनाके विस्तार हेतु आबंटितबजट (लाखरुपयेमें)	आधारिकसंरचनाकेविस्तारकेलिएव्यय (लाखरुपयेमें	वेतनकोछोड़करकुलव्यय (लाखरुपयेमें)	शैक्षणिकसुविधाओंकेरखरखावपरव्यय (मानवसंसाधनकेलिएवेतनकोछोड़कर) (लाखरुपयेमें)	भौतिकसुविधाओंकेरखरखावपरव्यय (मानवसंसाधनकेलिएवेतनकोछोड़कर) (लाखरुपयेमें)

	मुख्यसंकेतक- 4.2 अध्ययन संसाधनकेरूपमेंपुस्तकालय (20)
32.	4.2.2 संस्थानमेंई-लाइब्रेरीसंसाधनोंकीसदस्यताहै (6) पुस्तकालयमेंनिम्नलिखितहेतु नियमितसदस्यता है: 1. e - जर्नल, 2. e-बुक्स, 3.e-शोधसिंधु, 4.शोधगंग, 5.डेटाबेस
	4.2.3 गतपांचवर्षोंकेदौरानपुस्तकों/ई-बुक्सकीखरीदऔरपत्रिकाओं/ई-जर्नलकीसदस्यताकेलिएऔसतवार्षिकव्यय (लाखरुपयेमें) (5)

वर्ष1				
पुस्तकालयसंसाधन	**यदिहां, तोसदस्यताकाविवरण**	**संसाधनोंकेलिएसदस्यतापरव्यय (लाखरुपयेमें)**	**कुलपुस्तकालयव्यय**	**प्रासंगिकदस्तावेज़सेलिंककरें**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	पुस्तकें				
	पत्रिका				
	e – जर्नल				
	e-बुक्स				
	***e*-शोधसिंधु**				
	शोधगंगा				
	डेटाबेस				

	मुख्यसंकेतक- 4.3 IT आधारिकसंरचना		
33.	4.3.1 LCD, स्मार्टबोर्ड, वाई-फाई / लैन, ऑडियोवीडियोरिकॉर्डिंगसुविधाओंजैसीICT - सक्षमसुविधाओंकेसाथकक्षाओंएवंसंगोष्ठीकक्षकाप्रतिशत। (केवलवर्तमानपूर्णशैक्षणिकवर्षकेलिएडेटा) (5)		
	ICT सक्षमसुविधाओं सहितकक्षसंख्यायाकक्षाओंएवं संगोष्ठीकक्ष कानाम	**ICTसुविधाकाप्रकार**	**जियोटैगकीगईतस्वीरोंकालिंक**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

मापदंड5 – छात्रसहायताएवंप्रगति(100)

मुख्यसंकेतक– 5.1 छात्रसहायता (30)

34. 5.1.1 गतपांचवर्षोंकेदौरानसंस्थान, सरकारीवगैर-सरकारीएजेंसियों (NGOs) द्वाराप्रदात्तछात्रवृत्तिएवंफ्रीशिपसेलाभान्वितछात्रोंकाऔसतप्रतिशत (आरक्षितश्रेणियोंकेलिएसरकारीयोजनाओंकेअधीनछात्रवृत्तिप्राप्तकरनेवालेछात्रोंकेअतिरिक्त) (10)

वर्ष	योजनाकानाम	सरकारीयोजनासेलाभान्वितछात्रोंकीसंख्या		संस्थानकीयोजनाओंसेलाभान्वितविद्यार्थियोंकीसंख्या		गैर-सरकारीएजेंसियों (NGO) द्वारालाभान्वितछात्रोंकीसंख्या			प्रासंगिकदस्तावेजोंकेलिएलिंक
		छात्रोंकीसंख्या	रुपये मेंराशि	छात्रोंकीसंख्या	रुपये मेंराशि	छात्रोंकीसंख्या	रुपये मेंराशि	NGO /एजेंसीकानाम	

35. 5.1.2 गतपांचवर्षोंकेदौरानसंस्थानद्वारापस्तावितप्रतियोगीपरीक्षाओंकेलिएजीविकापरामर्शएवंमार्गदर्शनसेलाभान्वितछात्रोंकाऔसतप्रतिशत (10)

वर्ष	गतपांचवर्षोंकेदौरानसंस्थानद्वारादीजानेवालीप्रतियोगीपरीक्षाओंवव्यावसायिक परामर्शहेतु मार्गदर्शनप्रदानकरनेकेलिएHEI द्वाराआयोजितगतिविधिकानाम	भागलेने वाले छात्रोंकीसंख्या	प्रासंगिकदस्तावेजोंकेलिएलिंक

Copyright Reg. No: L-94579/2020

36. 5.1.3 संस्थानद्वारानिम्नलिखितक्षमताविकासएवंकौशलवृद्धिकीपहलकीजातीहै: 1. व्यवहारकुशलता2.भाषाएवंसंचारकौशल 3.जीवनकौशल (योग, शारीरिकस्वस्थता, स्वास्थ्यएवंस्वच्छता) 4. प्रौद्योगिकीजागरूकता

क्षमताविकासएवंकौशलवृद्धियोजनाओंकानाम	कार्यान्वयनदिनांक (दिन-माह-वर्ष)	नामांकितछात्रोंकीसंख्या	सम्मिलित एजेंसियों/परामर्शदाताओंकानाम (यदिकोईहो) संपर्कविवरणसहित

मुख्यसंकेतक- 5.2 छात्रप्रगति (40)

37. 5.2.1 गतपांचवर्षोंकेदौरानराज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीयस्तरकीपरीक्षाओंमेंबैठनेवालेछात्रोंकीसंख्या (यथा:NET/SLET/GATE/GMAT/CAT/GRE/JAM/IELTS/TOEFL/CLAT/सिविलसेवा/राज्यसरकारकीपरी

वर्ष	परीक्षाकेलिएपंजीकरणसंख्या	चयनितछात्रोंकेनाम	NET	SLET	GATE	GMAT	CAT	GRE	JAM	IELTS	TOFEL	सिविलसेवा	राज्यसरकारपरीक्षा	ऐसीकोईअन्यपरीक्षा	प्रासंगिकदस
	कुल														कुलय

नोट: कृपयाविश्वविद्यालयकेआंतरिकप्रवेशपरीक्षा/परीक्षाओंके डेटासम्मिलित नकरें।

Copyright Reg. No: L-94579/2020

38.	5.2.2 **गत पांच वर्षों के दौरान बहिर्गामी छात्रों के नियोजन (प्लेसमेंट) का औसत प्रतिशत** (15)				
	वर्ष	**नियोजित छात्रकानाम**	**स्नातककार्यक्रम**	**नियोक्ताकानामसंपर्कविवरणसहित**	**नियुक्तिपरवेतन (रुपये/वार्षिकमें)**

39.	5.2.3 हाल ही में उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले स्नातक छात्रों का प्रतिशत (पिछला स्नातक बैच) (15)				
	क्रसं.	**उच्चशिक्षाकेलिएप्रवेश लेने वालेछात्रकानाम**	**स्नातककार्यक्रम**	**प्रवेशितसंस्थानकानाम**	**प्रवेशितकार्यक्रमकानाम**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	मुख्यसंकेतक- 5.3 छात्र भागीदारी एवं गतिविधियाँ (20)
40.	5.3.1गतपांचवर्षोंकेदौरानअंतर-विश्वविद्यालय/राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीयआयोजनोंमेंखेल/सांस्कृतिकगतिविधियोंमेंउत्कृष्टप्रदर्शनहेतुछात्रोंद्वाराप्राप्तपुरस्कारों/पदकोंकीसंख्या (टीमप्रतियोगिताहेतुप्राप्तपुरस्कारकोएकपुरस्कारकेरूपमेंगिनाजाए) (10)

वर्ष	पुरस्कार/पदककानाम	टीम / एकल	अंतर-विश्वविद्यालय / राज्य / राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय	प्रतियोगिता कानाम	छात्रोंकेनाम

41.	5.3.3संस्थाद्वाराप्रतिवर्षआयोजितहोनेवालेखेलकूदएवंसांस्कृतिककार्यक्रमों/प्रतियोगिताओंकीऔसतसंख्या (5)

छात्राकानाम	प्रतियोगिता की दिनांक (दिन-माह-वर्ष)	प्रतियोगिता कानाम

नोट: डेटा कोवर्गीकृतकरेंएवंपिछले5 वर्षोंकेलिएवर्ष-वारडेटाप्रदानकरें

	मापदंड6 – प्रशासन, नेतृत्वएवंप्रबंधन (100)
	मुख्यसंकेतक- 6.2 रणनीतिविकासएवंतैनाती (10)
42.	6.2.3संस्थानअपनेप्रचालनक्षेत्रोंमेंई-गवर्नेंसकार्यान्वितकरताहै (5)

Copyright Reg. No: L-94579/2020

6.2.3.2 6.2.3.1 निम्नलिखित प्रचालन क्षेत्रों में ई-गवर्नेंस कार्यान्वित किया गया है:

1. प्रशासन
2. वित्त और लेखा
3. छात्र प्रवेश और समर्थन
4. परीक्षाएं

ई-गवर्नेंस के क्षेत्र	कार्यान्वयनवर्ष	प्रासंगिकवेबसाइट/दस्तावेज़कालिंक
प्रशासन		
वित्तएवंलेखा		
छात्रप्रवेशऔरसहयोग		
परीक्षा		

मुख्य संकेतक- 6.3 संकाय सशक्तिरण रणनीतियाँ (30)

43. 6.3.2 गत पांच वर्षों के दौरान सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भाग लेने एवं व्यावसायिक निकायों की सदस्यता शुल्क हेतु वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले शिक्षकों का औसत प्रतिशत (10)

वर्ष	शिक्षककानाम	सम्मेलन/कार्यशालाकानामजिसकेलिएवित्तीयसहायताप्रदानकीगई	व्यावसायिकनिकायकानामजिसकेलिएसदस्यताशुल्कप्रदानकियागया	सहयताराशि (रुपये में)

Copyright Reg. No: L-94579/2020

44.	6.3.3 गत पांच वर्षों के दौरान शिक्षण व गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए संस्था द्वारा आयोजित व्यावसायिक विकास/प्रशासनिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की औसत संख्या (8)			
	वर्ष	**दिनांक (.....से.....तक) (दिन-माह-वर्ष)**	**शिक्षणस्टाफ / गैरशिक्षणस्टाफकेलिएआयोजितव्यावसायिक / प्रशासनिकविकासकार्यक्रमकेशीर्षक**	**प्रतिभागियोंकीसंख्या**
	नोट: डेटा कोवर्गीकृतकरेंएवंपिछले5 वर्षोंकेलिएवर्ष-वारडेटाप्रदानकरें			

45.	6.3.4 गतपांचवर्षोंकेदौरानऑनलाइन/प्रत्यक्षसंकायविकासकार्यक्रम (FDP) प्राप्तकररहेशिक्षकोंकाऔसतप्रतिशत (व्यावसायिकविकासकार्यक्रम, अभिविन्यास / परिचयकार्यक्रम, पुनश्चर्यापाठ्यक्रम, लघुअवधिपाठ्यक्रम) (8)			
	वर्ष	**कार्यक्रममेंभागलेनेवालेशिक्षककानाम**	**कार्यक्रमशीर्षक**	**अवधि दिनांक (.....से.....तक) (दिन-माह-वर्ष)**
	नोट: डेटा कोवर्गीकृतकरेंएवंपिछले5 वर्षोंकेलिएवर्ष-वारडेटाप्रदानकरें			

	मुख्य संकेतक- 6.4 वित्तीयप्रबंधनएवं संसाधनसंग्रहण (20)
46.	6.4.2 गत पांच वर्षों के दौरान आधारिक संरचना के विकास एवं रखरखाव के लिए सरकारी निकायों से प्राप्त धन/अनुदान (जो मापदंड **III**एवं **V** के अधीन सम्मिलित नहीं) (लाख रुपये में) (8) **6.4.2 एवं 6.4.3 केलिएटेम्पलेटनिम्न जैसाही है**

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	व र्ष	**सरकारीएजेंसियोंकानाम**	**अनुदानउद्देश्य**	**प्राप्तनिधि/अनुदान (लाखरुपयेमें)**	**प्राप्तियोंकोदर्शानेवालेलेखाओंकेले खापरीक्षितविवरणकालिंक**
	6.4.3 गतपांचवर्षोंकेदौरानआधारिकसंरचनाकेविकासएवंरखरखावकेलिएगैर-सरकारीनिकायों, व्यक्तियों, परोपकारीव्यक्तियोंसेप्राप्तधन/अनुदान (जोमापदंड III **और** V **केअधीनआधारिकसंरचनानहींहै) (लाखरुपयेमें) (6)**				
47.	6.5.2 गुणवत्ताआश्वासनकेलिएसंस्थाननेनिम्नलिखितकोअपनायाहै : 1. शैक्षणिकएवंप्रशासनिकलेखापरीक्षा (AAA) वअनुवर्तीकार्रवाई 2. गुणवत्तापरआयोजितसम्मेलन, संगोष्ठी, कार्यशालाएं 3. अन्यसंस्थानोंकेसाथसहयोगात्मकगुणवत्तापहल 4. शिक्षकोंएवंछात्रोंकेलिएगुणवत्ताविषयपरउन्मुखीकरणकार्यक्रम 5. NIRF मेंसहभागिता 6. राज्य, राष्ट्रीययाअंतर्राष्ट्रीयएजेंसियों (ISOप्रमाणन, NBA वऐसेअन्य) द्वारामान्यताप्राप्तकोईअन्यगुणवत्तालेखापरीक्षा				

Copyright Reg. No: L-94579/2020

	वर्ष	अकादमिकप्रशासनिकलेखापरीक्षा (AAA) एवं अनुवर्तीकार्रवाई	गुणवत्तापरआयोजितसम्मेलन, संगोष्ठी, कार्यशालाएं	अन्यसंस्थान (संस्थाओं) केसाथसहयोगात्मकगुणवत्तापहल (संस्थानकानामएवंगतिविधिप्रदानकरें)	शिक्षकोंएवंछात्रोंकेलिएगुणवत्ताकेमुद्दोंपरआयोजितउन्मुखीकरणकार्यक्रम (.....से.....तक) (दिन-माह-वर्ष)	NIRFमेंभागीदारी, स्थितिसहित	राज्य, राष्ट्रीययाअंतर्राष्ट्रीयएजेंसियों (ISO प्रमाणन, NBA) द्वारामान्यताप्राप्तकोईअन्यगुणवत्तालेखापरीक्षा

Copyright Reg. No: L-94579/2020

संस्थानप्रमुखद्वाराघोषणा

मैंप्रमाणितकरता/करतीहूंकिइसस्व-अध्ययनरिपोर्ट (SSR) मेंदिए गएआंकड़ेमेरीजानकारीकेअनुसारसहीहैंI

यहSSR संस्थाद्वाराआंतरिकचर्चाकेबादतैयारकियागयाहै, एवंइसकाकोईभीभागआउटसोर्सनहींकियागयाहै।

मुझेज्ञातहैकिसमकक्षटीमइसSSR मेंदीगईजानकारीकोसमकक्षटीमदौरेकेदौरानसत्यापितकरेगीI

संस्थानप्रमुखकेहस्ताक्षर

सील सहित:

स्थान :

दिनांक :

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

खंडग : परिशिष्ट

1. शब्दावलीएवंनोट्स
2. संक्षिप्ताक्षर

परिशिष्ट1: 1. शब्दावलीएवंनोट्स

शब्दावली

अकादमिकलेखापरीक्षा : एक प्रकार का प्रयोग, जोयहसुनिश्चित करताहैकिशैक्षणिकप्रावधानकीगुणवत्ताएवंमानकोंकेलिएप्रत्यायोजितदायित्वकाउचितरूपसेनिर्वहनहोरहाहै।

शैक्षणिककैलेंडर : शैक्षणिकवर्षकेलिएसंस्थानकीअनुसूची, जो सभीशैक्षणिकएवंसंबंधितप्रशासनिकक्रियाकलापोंकाविवरणदेता है।

शैक्षणिकलचीलापन : छात्रोंके लिए पाठ्यक्रमविकल्प प्रदान करना।

प्रत्यायन : गुणवत्ताकाप्रमाणन, जोएकनिश्चितअवधिकेलिएविधिमान्य है, जोNAAC केमामलेमेंपांचवर्षहै।

उन्नतशिक्षार्थी : कक्षाऔसतसेबेहतरप्रदर्शनकरनेवालेछात्र।

मूल्यांकन : कुछस्थापितमानकएवंमापदंडोंकेआधारपरकिसीसंस्थानयाउसकीइकाइयोंकाप्रदर्शनमूल्यांकन।

मूल्यांकनकर्ता : प्रशिक्षितशिक्षाविदयाविशेषज्ञजोसमकक्षटीमोंके सदस्यकेरूपमेंNAAC काप्रतिनिधित्वकरतेहैं।

पाठ्यक्रमकेपरिणामोंकीप्राप्ति (COs) : औपचारिकपाठ्यक्रमकेअंतमेंसभीछात्रोंद्वाराCOs प्राप्तकिएजाना चाहिए।जबकिCOs कीप्राप्तिकीगणनाकीविधिविलक्षणनहीं होती है, प्रत्येकसंस्थानकोछात्रकेप्रदर्शनकेआधारपरCO प्राप्तिकीगणनाकरनेहेतुपरिभाषितप्रत्यक्षपद्धतिकापालनकरनाहोगा।सभीमूल्यांकनउपकरणोंमेंऔर पाठ्यक्रमसमापनकेसर्वेक्षणकेमाध्यमसेCOs कीगणनाकरनेकीअप्रत्यक्षविधिकापालनकरनाहोगा।

मानक : उत्तम प्रदर्शनकाएकउदाहरण, जोस्वयंकेप्रदर्शनकीतुलनाहेतुमानककेरूपमेंकार्यकरताहै।यहएकऐसीतकनीकहैजिसमेंएकसंस्थानअपनेप्रदर्शनकोसमान याअन्यकेसर्वोत्तमप्रदर्शनकेसापेक्षमापताहै।

ग्रंथसूची : लिखितप्रकाशनोंकेसांख्यिकीयविश्लेषणहैं, यथापुस्तकेंयालेख

मिश्रित अध्ययन : आधुनिककंप्यूटर-मध्यस्थगतिविधियोंकेसाथपारंपरिकप्रत्यक्षकक्षाविधियोंजैसेविभिन्नअध्ययनवातावरणकामिश्रण।

ब्रिजकोर्स : शिक्षणमॉड्यूलजोक्षमताकेदोस्तरोंकेबीचअंतर को दूर करने मेंमददकरताहै।

कार्बनन्युट्रल : कार्बनकोदूर करनेयाकार्बनडाइऑक्साइडउत्सर्जनकोपूरीतरहसेसमाप्तकरनेकेसाथकार्बनडाइऑक्साइडउत्सर्जन कोसंतुलितकरनेकेप्रयासोंकावर्णनकरनेकेलिएप्रयुक्तकियाजानेवालाशब्द।

छात्रविविधताहेतुप्रबंधन : बिनाकिसीपूर्वाग्रहकेछात्रोंकेभिन्नसमूहकी आवश्यकताओं कोपूराकरनेकेलिएकिसीभीसंस्थानद्वाराअपनाईगईरणनीतियाँ।

CEC (स्नातक) : स्नातककार्यक्रमोंकेलिएजीविकाशिक्षाकेंद्र

विकल्पआधारितक्रेडिटप्रणाली (CBCS) : शिक्षामेंअध्ययनकीएकविधि, जोछात्रकोUG / PG कार्यक्रमके अनुसरणएवंपूर्णकरनेकेलिएविभिन्नविषयोंमेंअपनीपसंदकाचयनकरनेमेंपर्याप्तस्वतंत्रताकीसुविधाप्रदानकरताहै।UGC केअनुसार, सभीUG औरPG

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

कार्यक्रमोंकोअनिवार्यरूपसेCBCSकार्यान्वितकरनाहोगा।

उद्धरणसूचकांक : संदर्भित पत्रिकाओंमेंअन्यशोधकर्ताओंद्वाराएकशोधलेखकोजितनीबारसंदर्भितकियाजाताहै, औरयहइसकीसामग्री/योगदानकीवैधताकामापनहै।

सह-पाठ्यक्रमगतिविधिया : ऐसीगतिविधियाँ, जोपाठ्यक्रमकोअवलंब प्रदानकरतेहैंजैसेकिफील्डट्रिप, प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद, चर्चा, संगोष्ठी, रोल-प्ले, आदि जो पाठ्यक्रमगतिविधिको और समृद्ध करते हैं।

सहयोग : प्रशिक्षण, अनुसंधान, छात्र/संकायआदान-प्रदानयाविस्तारसहायताकेलिएकिन्हींदोयादोसेअधिकसंस्थानोंकेबीचऔपचारिकसमझौता/समझौता।

पूर्णतादर (पाठ्यक्रम) : किसीदिएगएवर्षमेंकिसीपाठ्यक्रमकोसफलतापूर्वकपूराकरनेवाले/किसीकार्यक्रमसेस्नातककरनेवाले शिक्षार्थियोंकीकुलसंख्याकाउसविशेषपाठ्यक्रम/कार्यक्रममेंआरंभमेंनामांकितशिक्षार्थियोंकीकुलसंख्याकाअनुपात।

घटक : संस्थानकीकोईभीयासभीशैक्षणिक, प्रशासनिकऔरसहायकइकाइयाँ।

परामर्श : अकादमिक, जीविका, व्यक्तिगतऔर/यावित्तीयसहायताऔर/यानिर्णयलेनेकेलिएव्यक्तिगतयासामूहिकरूपसेछात्रोंकीसहायताकरना औरसलाहदेना।

पाठ्यक्रम : पाठ्यक्रम के औपचारिककार्यक्रममें**2** से**6** क्रेडिटकीएकइकाईहोती है।एक**3-**क्रेडिटपाठ्यक्रममेंपूरेसेमेस्टरकेलिएप्रत्येकसप्ताहकेदौरानएकघंटेकीअवधिकेतीनकक्षासत्रहोंगे।उदाहरण: कार्यक्रम: BA अर्थशास्त्र; कोर्स: केरलअर्थव्यवस्था; क्रेडिट: 3:0:1

पाठ्यक्रमपरिणाम (COs) : COs ऐसेविवरणहोतेहैं, जोबतातेहैंकिपाठ्यक्रमकेअंतमेंछात्रोंकोक्याकरनेमेंसक्षमहोनाचाहिए।वे**2** से**4** क्रेडिटवालेपाठ्यक्रमोंकेलिए**6±2** और**5** से**6** क्रेडिटवालेपाठ्यक्रमोंकेलिए**8±2** होसकतेहैं। (उदाहरण "नोट्स" मेंदिएगएहैं)

पाठ्यक्रमरूपरेखा : पाठ्यक्रमअनुसूची कीसूची, किसीपुस्तकमेंसामग्रीकीतालिकायाशोधपत्रलिखनेकेलिएप्रयुक्तकीजानेवालीरूपरेखाकेसमान।येउक्त पाठ्यक्रमकेप्रयोजनएवंसामग्रीकोपरिभाषितकरतेहैं।

पाठ्यक्रमअनुसूची : कक्षाओंकाविवरण, उसकासमय, स्थान, संकाय, औरइसकीविशिष्टसंख्या, जिसका ज्ञान छात्रोंकोपंजीकरणकरने केलिएआवश्यक होता है। प्रत्येकसेमेस्टर / सत्रकेलिएछात्रपंजीकरणप्रारंभहोनेसेपूर्वपाठ्यक्रमअनुसूचीप्रकाशितकीजातीहै।

क्रेडिटप्रणाली : क्रेडिटप्रणाली, शैक्षिककार्यक्रमकोवर्णितकरनेकाएकव्यवस्थिततरीकाहैजिसमेंइसकेघटकोंकाक्रेडिटसंलग्नकियाजाताहै।विश्वविद्यालयअनुदानआयोगएकक्रेडिटको निम्न मेंपरिभाषितकरताहै:
एकसेमेस्टरमेंप्रतिसप्ताहएकघंटेकीसैद्धांतिकअवधि
एकसेमेस्टरमेंप्रतिसप्ताहएकघंटेकीट्यूटोरियलअवधि
एकसेमेस्टरमेंप्रतिसप्ताहदोघंटेकीव्यावहारिकअवधि

मापदंड : उच्चशिक्षासंस्थानकेकार्यपद्धति केपूर्व-निर्धारितमानकजोNAACयाऐसीकिसीअन्यबाह्यगुणवत्ताआश्वासनएजेंसीद्वारापरिभाषित किए गए हो, जो मूल्यांकनऔरमान्यताकाआधारबनतेहैं।

क्रॉसकटिंगमुद्दे : क्रॉस-कटिंगमुद्दे, संबंधितमुद्दोंपरसार्वजनिकचर्चामेंभाग लेने केलिए, चुनेहुएविषयमेंपर्याप्तज्ञानरखनेवालेछात्रोंकीक्षमताओंकाउल्लेखकरतेहैं; जिन्हें अपनेदैनिकजीवनसेसंबंधितवैज्ञानिकऔरतकनीकीजानकारीकेउपभोक्ताओंसेसावधानरहेने की आवश्यकता है; और जो संस्थानकेबाहरअध्ययनजारीरखनेमेंसक्षमहो;

एवंउनकेपासअपनीपसंदकेजीविकाकीतलाशकरनेकाकौशलहै।

पाठ्यक्रम अभिकल्पनएवंविकास : सामग्रीयाअध्ययनकीइकाइयोंकोपरिभाषितकरनेकीप्रक्रिया, सामान्यतःआवश्यकताओंकेआकलन, हितधारकोंएवंविशेषज्ञसमूहोंसेप्रतिक्रियाकेमाध्यमसेप्राप्तकीजातीहै।पाठ्यक्रमअभिकल्पन एवं पाठ्यक्रमविकासऐसीप्रक्रियाएंहैंजिनका अध्ययनकेपरिणामों (LOs) केविवरणसेसामीप्य होता है।

प्रत्यायनसाइकल : मूल्यांकनएवंप्रत्यायनकेपुनरावृत्तकार्यकालकेलिएNAAC द्वारामान्यताप्रक्रियासेगुजरनेवालेसंस्थान - प्रथमकोसाइकिल1 मानाजाताहै, औरअनुगामी साइकलकोसाइकल2, 3 मानाजाताहै।

डेटाबेस-अंतर्राष्ट्रीयसामाजिक विज्ञाननिर्देशिका : सामाजिकविज्ञान, शांति, औरमानवाधिकारअनुसंधानवप्रशिक्षणसंस्थानों, सामाजिकविज्ञानविशेषज्ञों, एवंसामाजिकविज्ञानपत्रिकाओंपरविश्व-व्यापीजानकारीहेतुअभिगमप्रदानकरताहै।

मांगअनुपात : किसीकार्यक्रम/संस्थानमेंउपलब्धसीटोंकीसंख्याकेवैधआवेदनोंकीसंख्यामेंअनुपात

दोहरीडिग्री : एकहीसंस्थानमेंयाअलग-अलगसंस्थानों (कभी-कभीअलग-अलगदेशोंमेंस्थित) मेंसमानांतरमेंदोअलग-अलगविश्वविद्यालयकीडिग्रीहासिलकरना, उन्हेंकमसमयमेंपूराकरनाअन्यथाउन्हेंअलगसेअर्जितकरनाहोगा (यानी, एकसमयमेंएक)।

EBSCO होस्ट : ऑनलाइनसंदर्भसंसाधनहैजिसेअनुसंधानकेहरस्तरपरउपयोगकर्ताकीआवश्यकताओं औरप्राथमिकताओंकोपूराकरनेकेलिएअभिकल्पितकियागयाहै, जिसमें350 सेअधिकपूर्णपाठऔरद्वितीयकडेटाबेसउपलब्धकराएगएहैं।

नवाचारोंकेलिएपारिस्थितिकीतंत्र : नवाचारकेलिएपारिस्थितिकीतंत्रमेंभौतिकसंसाधन (निधि, उपकरण, सुविधाएं, एवंअन्य) वमानवसंसाधन (छात्र, संकाय, कर्मचारी, उद्योगप्रतिनिधि, एवं अन्य) सम्मिलित हैं, जिनकेबीचपर्याप्तसंबंधहैं, जोअंततःसंस्थागतसंस्थाओंकोबनातेहैं।ऐसेउत्पादोंऔरप्रणालियोंकेविकासकोबढ़ावादेनाजिनकेमह त्वपूर्ण/पहचाननेयोग्यआर्थिकमूल्यकीसंभावनाहै।

ई-लर्निंगसंसाधन : इंटरनेटपरउपलब्धअध्ययनकेसंसाधन

e-PG पाठशाला : MoEकीपहलकेअंतर्गत राष्ट्रीयमिशनकेअधीन विकसितसामाजिकविज्ञान, कला, ललितकलाएवं मानविकी, प्राकृतिकवगणितीयविज्ञान, भाषाविज्ञानऔरभाषाओंकेसभीविषयोंमेंविभिन्नविषयोंमेंउच्चगुणवत्ता, पाठ्यक्रम-आधारित, अन्योन्यक्रियात्मक सामग्री, ICT (NMEICT) मिशन केमाध्यमसेशिक्षा।http://epgp.inflibnet.ac.in/

e-शोधगंगा : शोधगंगा@ INFLIBNET शोधछात्रोंकोPh.D. शेधप्रबंध प्रस्तुतकरनेकेलिएएकमंचप्रदानकरताहैएवं यहपूरेविद्वानसमुदायकेलिएमुक्त अभिगमहै।

e-शोधसिंधु : e-शोधसिंधु (https://www.inflibnet.ac.in/ess) बड़ी संख्या में प्रकाशकोंएवंएग्रीगेटरों के15,000 सेअधिकप्रमुखसमकक्ष-समीक्षितपत्रिकाओं एवंविभिन्नविषयोंमेंग्रंथसूचीसंबंधीउद्धरणोंऔरतथ्यात्मकडेटाबेसतकअभिगमप्रदानकरताहैएवंकेंद्र द्वारावित्तपोषिततकनीकीसंस्थानोंसहितइसकेसदस्यसंस्थानोंकोउपलब्धकरायागया।

वैकल्पिकपाठ्यक्रम : छात्रों को पाठ्यक्रममेंकईवैकल्पिकविषयोंकोचुनने काविकल्पउपलब्ध होताहै, जोआवश्यकपाठ्यक्रमकेविपरीतहोता हैजिसमेंछात्रअनिवार्यरूपसेअनुसरणकेलिएबाध्य होताहै।

उभरतेक्षेत्र : नएक्षेत्रोंमें अध्ययनवअनुसंधानकेअनुसरण के लिएमहत्वपूर्णमानेजातेहैं।इनक्षेत्रोंकीपहचानराष्ट्रीयएजेंसियोंयाअंतर्राष्ट्रीयनिकायोंद्वाराभावीमूल्यव र्धनक्षेत्रोंकेरूपमेंकीजासकतीहै।

संवर्धनपाठ्यक्रम : छात्रसशक्तिकरणकेलिएसंस्थानद्वाराप्रदत्तमूल्यवर्धितपाठ्यक्रम।वेपाठ्यक्रमकेमूल्यकोसंवर्धित

करते हैंऔरयदिआवश्यकहो, ऐसेभागोंयाविशिष्टताकोप्रतिस्थापितकरते हैं, जोअप्रभावीयाअप्रचलितहोगएहैं।

मूल्यांकनप्रक्रियाएवं सुधार : प्रणालीकीदक्षताएवंप्रभावशीलताबढ़ानेकेलिएशिक्षण-अध्ययनएवंमूल्यांकनप्रक्रियाओंवसुधारोंकामूल्यांकन।

परीक्षाप्रबंधनप्रणाली (ईएमएस) (EMS) : परीक्षाप्रबंधनप्रणालीयोजना, प्रशासन, प्रलेखन, ट्रैकिंग, छात्रप्रतिक्रियाओंकेमूल्यांकनवशैक्षिककार्यक्रमकीसभीऔपचारिकशिक्षणगतिविधियोंमेंछात्रोंद्वाराप्राप्तग्रेड/अंकोंकीघोषणाकेलिएपरिभाषितदस्तावेजयासॉफ्टवेयरअनुप्रयोगहै।

प्रायोगिकअध्ययन : यह अनुभवकेमाध्यमसेअध्ययनकीप्रक्रियाहैएवंइसे "व्यवहार केमाध्यमसेअध्ययन" केरूपमेंपरिभाषितकियागयाहै।

विस्तारगतिविधियां : शिक्षाकावहपहलू, जोपड़ोसकीसेवाओंपरबल देता देताहै।इन्हेंप्रायःविस्तारितअवसरोंकेरूपमेंपाठ्यक्रमकेसाथएकीकृतकियाजाताहै, जिसकाउद्देश्यसहायताकरना, सेवाकरना, प्रतिबिंबितकरनाऔरसीखनाहै।पाठ्यक्रम-विस्तारअंतराफलक नेविशेषरूपसेग्रामीणभारतमेंशैक्षिकमूल्योंकोजोड़ाहै।

संकायविकासकार्यक्रम : संकायकेज्ञानऔरशैक्षणिककौशलकोअद्यतनकरनेकेउद्देश्यसेआयोजित कार्यक्रम।.

प्रतिपुष्टि : व्यक्तिगतशिक्षार्थियोंकेप्रदर्शनपरशिक्षक द्वारादीगईरचनात्मकऔरमूल्यांकनात्मकप्रतिपुष्टि / परिभाषितप्रक्रियाकीगुणवत्ताएवं प्रभावशीलतापरसंस्थानकेलिएहितधारकोंद्वाराकीगईमूल्यांकनटिप्पणियां / पाठ्यक्रमकीसमीक्षावअभिकल्पनकेलिएछात्रों, अकादमिकसमकक्षोंऔरनियोक्ताओंसेप्रतिक्रियाएंऔरऐसेअन्य।

फील्डपरियोजना : औपचारिकपरियोजनाछात्रोंकोमहाविद्यालय / विश्वविद्यालयपरिसरकेबाहरसर्वेक्षणऔरनिर्दिष्टसमुदायोंऔर / याबाहरीप्राकृतिकवातावरण / स्थानोंसेडेटाएकत्रकरनासम्मिलित है।

वित्तीयप्रबंधन : वित्तीयसंसाधनोंकेइष्टतमउपयोगकेलिएसंस्थानकावित्तबजट।

लचीलापन : ऐसातंत्रजिसकेमाध्यमसेछात्रोंकोकार्यक्रमोंकेव्यापकविकल्पहोतेहैं, साथहीकार्यक्रमों / पाठ्यक्रमोंकोअनुसरणकेलिएकईप्रवेशएवंनिकासबिंदुहोतेहैं।

कार्यात्मकसमझौताज्ञापन : संस्थानद्वारास्थानीय/राज्य/राष्ट्रीयऔर/याअंतरराष्ट्रीयएजेंसियोंकेसाथहस्ताक्षरितसमझौताज्ञापन, जोवर्तमानमेंविद्यमान हैं।

पूर्णकालिकशिक्षक : पूर्णशैक्षणिकवर्षमेंपूर्णकालिकशिक्षककेलिएकामकेसामान्ययावैधानिकसंख्याकेकमसेकम90 प्रतिशतकेलिएनियोजितशिक्षककोपूर्णकालिकशिक्षककेरूपमेंवर्गीकृतकियाजाताहै।

लैंगिकलेखापरीक्षा : संगठनोंमें नीतियों, कार्यक्रमों, परियोजनाओं, और/यासेवाओं, संरचनाओं, कार्यवाहियोंऔरबजटकेप्रावधानसहितलैंगिकसमानताकेसंस्थागतकरणकामूल्यांकनऔरजाँचकरनेके लिएउपकरण, जोलैंगिकमुख्यधाराकेलिएहै।

स्नातकगुण : अनुशासनात्मकविशेषज्ञतायातकनीकीज्ञानजो परंपरागतरूपसेअधिकांशविश्वविद्यालयपाठ्यक्रमोंकाअन्तर्भाग बनाहै।वेऐसेगुणहैंजोस्नातकोंकोअन्यथाअज्ञातभविष्यमेंसामाजिककल्याण केलिएप्रतिनिधिकेरूपमेंतैयारकरतेहैं।

हरित लेखापरीक्षा : किसीसंगठन, प्रक्रिया, परियोजना, उत्पादएवंऐसेअन्यप्रयासोंकेपर्यावरणीयप्रभावकेमूल्यांकनकीप्रक्रिया।

शिकायतनिवारण : संस्थागतप्रावधानोंपरशिक्षार्थियों, कर्मचारियोंएवंअन्यहितधारकोंद्वाराव्यक्तकिएगएअसंतोष/शिकायतोंवअन्यऔपचारिकअनुरोधोंको प्राप्तकरने, संसाधितकरनेऔरसंबोधितकरनेकेलिएतंत्र (प्राप्त/कथितलोगोंसेकिएगएवचनों की भिन्नताकोसंबोधितकरनेकेलिए)।

H-सूचकांक (Hirsch सूचकांक) : वह सूचकांक, जोकिसीवैज्ञानिकयाविद्वानकेप्रकाशितकार्यकीउत्पादकताऔरप्रभावदोनोंकोमापताहै।सूचकांकवैज्ञानिककेसबसेउद्धृतशोधपत्रोंकेसेटऔरअन्यप्रकाशनोंमेंप्राप्तउद्धरणोंकीसंख्यापरआधारितहै।

मानवसंसाधनप्रबंधन : मानवशक्तिआवश्यकताओंकामूल्यांकनकरने, भर्तीकरने, विकासकीनिगरानीकरनेएवंसमय-समयपरउनकामूल्यांकनकरनेवव्यावसायिकविकासकेलिएकर्मचारीविकासकार्यक्रमोंकीयोजनाबनानेऔरउसकेबादआवश्यकप्रोत्साहनऔरप्रतिपुष्टिप्रदानकरनेकीप्रक्रिया।

मानविकीअंतर्राष्ट्रीय : मानविकीमेंपत्रिकाओं, पुस्तकोंऔरसंदर्भस्रोतोंकोआच्छादितकरनेवालाव्यापकडेटाबेस।यहडेटाबेसलेखों, निबंधोंऔरसमीक्षाओंकेसाथ-साथकविताओंऔरकथाओंसहितमूलरचनात्मककार्योंकेलिएउद्धरणजानकारीप्रदानकरताहै।तस्वीरें, पेंटिंगऔरचित्रभीसंदर्भितहैं।

ICT : सूचनाऔरसंचारप्रौद्योगिकीमेंसूचना (ध्वनि, डेटा, पाठ, औरचित्र) केसाथ-साथऐसीअन्यसंबंधितसेवाओंकेसंग्रह, भंडारण, प्रसंस्करण, प्रसारणऔरप्रस्तुतिकेलिएहार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, नेटवर्कऔरमीडियासम्मिलित हैं।

प्रभावकारक (IF) : विज्ञानएवं सामाजिकविज्ञानपत्रिकाओंकेउद्धरणोंकामापन।पत्रिकाकेलिएप्रभावकारककीगणनातीनसालकीअवधिकेआधारपरकीजातीहैऔरइसेप्रकाशनके2 सालबादतकप्रकाशितपत्रोंकीऔसतसंख्यामानाजासकताहै।

समावेशन, समावेशिता : शैक्षिकसंस्थानोंमेंसमावेशिताकातात्पर्यलिंग, जातीयता, सामाजिकवर्गऔर/यादिव्यांगजनव्यक्तियोंकेसंदर्भमेंप्रचलितशैक्षिकअनुभवोंसेहै।

INFLIBNET डेटाबेस : सूचनाऔरपुस्तकालयनेटवर्ककेंद्र -पुस्तकों, शोधप्रबंधोंएवंपत्रिका परडेटाबेसको बनाए रखताहै।

आधारिकसंरचना : भौतिकसुविधाएंजैसेभवन, खेलकेमैदान, छात्रावासआदिजोसंस्थागतकार्यक्रमकोप्रभावीढंगसेचलानेमेंमददकरतेहैं।

गुणवत्तामूल्यांकनकेलिएसंस्थागतसूचना (IIQA) : IIQA, NAAC की आवश्यकताहै, जिसेमूल्यांकनएवं प्रत्यायनप्रक्रियाकेलिएएकपूर्व-आवश्यकताकेरूपमेंHEI कीसभीश्रेणियोंद्वाराऑनलाइनप्रस्तुतकरनेकीआवश्यकताहोती है।

संस्थागतविशिष्टता : संस्थागतविशिष्टताउनगतिविधियों, गुणोंऔरउपलब्धियोंकोसंदर्भितकरतीहै, जोसंस्थानकोएकविशिष्टपहचानयाएकअकादमिकप्रतिष्ठाकेउपभोगमेंसक्षमबनातीहैं।

संस्थागतसामाजिक उत्तरदायित्व (ISR) : सार्वजनिकस्वास्थ्य, सुरक्षाएवंपर्यावरणकीसुरक्षा, सार्वजनिकनैतिकव्यवहारवअच्छीनागरिकताकेपालनकरनेकीआवश्यकताकेसंदर्भमेंजनताकेप्रतिसंस्थानकीजिम्मेदारियोंपरकेंद्रितहोताहै।

अंतर-अनुशासनात्मकअनुसंधान : एकीकृतदृष्टिकोणजिसमेंएकविषय, घटना, सिद्धांतयासिद्धांतकीसामग्रीकीव्याख्याकरनेमेंएकसेअधिकविषयोंकीजानकारीकाउपयोगकियाजाता है।

आंतरिकगुणवत्ताआश्वासनकक्ष (IQAC) : आंतरिकगुणवत्ताआश्वासनकक्ष (IQAC) उच्चशिक्षासंस्थानकीगुणवत्तासेसंबंधितगतिविधियोंएवंगुणवत्तासंस्कृतिकीशुरूआत, अभिकल्पन, योजनावकार्यान्वयनकेलिएस्थापितइकाईहैएवंप्रत्येकमान्यताप्राप्तसंस्थानमेंNAAC केपूर्वप्रत्यायनगुणवत्तानिर्वाह कामापन है।http://www.naac.gov.in/IQAC.asp

आंतरिकगुणवत्ताआश्वासनप्रणाली (IQAS) : शैक्षणिकएवंप्रशासनिकउत्कृष्टताप्राप्तकरनेकेलिएगुणवत्तामेंनिरंतरसुधारकेउद्देश्यसेउच्चशिक्षासंस्थानोंकीस्व-विनियमितदायित्वोंकीप्रणाली।

इंटर्नशिप : निर्दिष्टगतिविधिजिसमेंकिसीअभिज्ञात संरक्षककेमार्गदर्शनमेंसंस्थानकेबाहरकिसीसंगठनमें25 दिनोंसेअधिककामकरनेवालेक्रेडिटसम्मिलित हैं।

ISO प्रमाणन : ISO 9001 प्रमाणीकरणग्राहकोंकीआवश्यकताओंकोपूर्णकरग्राहकोंकीसंतुष्टिकोबढ़ाताहै।संस्थानसहीसेवाएंप्रदानकरनेमेंसक्षमहै।ISO प्रमाणनसंगठनकीकार्यात्मकदक्षताकोबढ़ाताहै।

नेतृत्व : नेतृत्वऐसीप्रक्रियाहैजिसकेद्वाराव्यक्तिनिर्धारितउद्देश्योंकोपूराकरनेकेलिएदूसरेकोप्रभावितकरताहैएवं
संगठनकोइसतरहसेनिर्देशितकरताहैजोइसेअधिकसामंजस्यपूर्णऔरसुसंगतबनाताहै।शैक्षणिकसंस्थानकेलिएरणनीतिककार्य, छात्र-केंद्रित, अध्ययन-उन्मुख, मूल्यवर्धितएवंअपेक्षा-पूर्ण, उत्तेजकरचनात्मकता, नवाचारऔरअंततःसभीघटकोंकीक्षमताओंऔरक्षमताओंकानिर्माण, उत्कृष्टतातकपहुंचनेकीदिशामेंहोंगे।

अध्ययन प्रबंधन प्रणाली : अध्ययनप्रबंधनप्रणाली (LMS) बेहतरप्रशासन, प्रलेखन, ट्रैकिंग, रिपोर्टिंगऔरशैक्षिकपाठ्यक्रमोंयाप्रशिक्षणकार्यक्रमोंकेवितरणकेलिएविकसितसॉफ्टवेयरअनुप्रयोगहै। वेप्रशिक्षककोछात्रोंकोउपयुक्तसामग्रीवितरितकरने, मूल्यांकनएवंअन्यकार्यकाप्रबंधनकरने, छात्रकीप्रगतिकोट्रैककरनेएवंरिकॉर्डरखनेकेप्रबंधनमेंमददकरतेहैं।मॉड्यूलरऑब्जेक्ट-ओरिएंटेडडायनेमिकलर्निंगएनवायरनमेंट (MOODLE) ओपनसोर्सLMS कादृष्टान्त है।

अध्ययनपरिणाम (Los) : स्पष्टशब्दोंमेंउल्लिखितकिसीकार्यक्रमयामॉड्यूलकेविशिष्टप्रयोजन।
वेवर्णितकरतेहैंकिउसकार्यक्रमयामॉड्यूलकेअंतमेंछात्रकोक्याजाननाचाहिए, समझनाचाहिएयाक्याकरनेमेंसक्षमहोनाचाहिए।

अध्ययन संसाधनकेरूपमेंपुस्तकालय : पुस्तकालय -पुस्तकों, पत्रिकाओंएवं अन्यशिक्षणसामग्रीवप्रौद्योगिकीसहायताप्राप्तशिक्षणतंत्रकेशीर्षककेरूपमेंस्वामित्व, जोछात्रोंकोसुलभताएवंदक्षतासहितअपनेअध्ययनकेलिएआवश्यकजानकारी, ज्ञानऔरकौशलअर्जितकरनेमेंसक्षमबनाताहै।

कार्यक्रमपरिणाम, कार्यक्रमविशिष्टपरिणाम, पाठ्यक्रमपरिणाम :

- **कार्यक्रमपरिणाम:** POs ऐसेविवरणहैं, जोदर्शातेहैंकिसंस्थानकेकिसीभीशैक्षिककार्यक्रमसेस्नातककरनेवालेछात्रोंकोपूर्णहोनेपरक्याकरना है इस प्रयोजन हेतुसक्षमबनाता है।
- **कार्यक्रमविशिष्टपरिणाम:** PSOsऐसेविवरण हैंजोदर्शातेहैंकिविशिष्टशैक्षिककार्यक्रमकेस्नातक को अपनी शिक्षा पूर्ण करने पर क्याकरना है।
- **पाठ्यक्रमपरिणाम:** COs ऐसेविवरण हैंजोदर्शातेहैंकिपाठ्यक्रमपूराहोनेपरछात्रोंकोक्याकरनेमेंसक्षमहोनाचाहिए।

नवीनप्रौद्योगिकी : डिजिटलउपकरणएवं संसाधन (हार्डवेयरएवंसॉफ्टवेयर) वशिक्षाकेक्षेत्रमेंउनकेअनुप्रयोग।

NIRF : राष्ट्रीयसंस्थागतरैंकिंगफ्रेमवर्क (NIRF), जोMHRD द्वाराअनुमोदितहै, देशभरकेसंस्थानोंकोरैंकदेनेहेतुप्रणाली कीरूपरेखातैयारकरताहै।इसतंत्रसेजुड़ेमापदंडोंऔरउप-मापदंडोंनिरंतरविकसितहोरहेहैं।https://www.nirfindia.org/Docs/Ranking Methodology And Metrics 2017.pdf

N-LIST : N-LIST कातात्पर्य है "विद्वत्तापूर्ण सामग्रीकेलिएराष्ट्रीयपुस्तकालयएवंसूचनासेवाआधारिकसंरचना". http://nlist.inflibnet.ac.in/faq.php

OBE: परिणामआधारित शिक्षा : OBE शैक्षिकसिद्धांतहैजोलक्ष्यों (परिणामों) केशैक्षिकप्रणालीकेप्रत्येकभागकोआधारबनाताहै।प्रत्येकछात्रकोअपनेशैक्षिकअनुभवकेअंततकलक्ष्यप्राप्तकरनाहोता है।

मुक्त शैक्षिकसंसाधन : शैक्षिकसामग्रीएवंसंसाधनसभी केउपयोगहेतु निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता हैएवंसुधारऔरपुनर्वितरणकेलिएलाइसेंसकेअधीनउपलब्ध कराया जाता है।

आधारिकसंरचना काइष्टतमउपयोग : शैक्षिकसंस्थानकेप्रबंधकोंद्वाराउपलब्धआधारिकसंरचनाकाउपयोगसंस्थानद्वाराप्रदत्तसेवाओंमेंदक्षताबढ़ानेकेलिएउपयोगी सिद्ध होताहै, औरसार्थकछात्रसहायताएवंप्रगतिकेलिएअग्रणीहोताहै।

ऑर्गनोग्राम : ऑर्गनोग्रामसंगठनकीसंरचनाकाचित्रमयप्रतिनिधित्वहै।इसकाउपयोगप्रबंधकोंऔरउन्हेंरिपोर्टकरनेवालेलोगोंकेबीचपदानुक्रमितसंबंधोंकोदर्शानेकेलिएकियाजाताहै।यहसंगठनकेभीतरविभिन्नस्तरोंपर नौकरियोंकोभीदर्शाताहै।

परिणाम : शैक्षिककार्यक्रमकापरिणामवहहैजोछात्रकोएककार्यक्रम/पाठ्यक्रम/निर्देशात्मकइकाईकेपूराहोनेपर उन्हेंक्याकरनेमेंसक्षमहोनाचाहिए।

आउटरीचगतिविधियाँ : लक्षितसामुदायिकअंत:क्रियाओंकेमाध्यमसेकेंद्रितस्थानीय/जनजागरूकतागतिविधियोंकेसंचालनका व्यवहारहै।

सहभागीअध्ययन : सहभागीअध्ययनशिक्षण-अध्ययनकामॉडलहैजो 'छात्रों' केबजाय 'केसाथ' कियाजाताहै, औरइसकेपरिणामटीमकेस्वामित्वमेंहोतेहैं।इसपारस्परिकअध्ययनकेअनुभवकेदौरानविकसितस्वस्थ / स्थायीसंबंध 'शिक्षक' औरशिक्षित' केबीचसभीबाधाएंदूरकरनेकेलिएभीजानाजाताहै, जिससेदोनोंपक्षोंकेअनुभवकोअत्यधिकसमृद्धिप्राप्त होतीहै।

सहभागिता प्रबंध : प्रबंधनकेमुक्तरूपकोसंदर्भितकरताहैजहांकर्मचारीसंस्थानकेनिर्णयप्रक्रियामेंसक्रियरूपसेसम्मिलित होतेहैं एवं बाधाओंकोदूर करतेहैंतथाकामकाजकोअधिककुशलऔरस्वीकार्यबनातेहैं।

परिप्रेक्ष्य विकास : संस्थानकेभावीविकासएवंउद्देश्यों, कार्यान्वयनकीरणनीतियोंऔरसमयबद्धगतिविधियोंकोसुनियोजितऔरअभिकल्पित ब्लूप्रिंटहै।

अनुसंधानकोबढ़ावा देनेहेतुनीति : संस्थानमेंअनुसंधानकेअनुसरणकेलिएपरिभाषित / प्रलेखितप्रक्रियाएं, शिक्षकोंकोअनुसंधानप्रस्तावलिखने, वित्तपोषणकीतलाशकरने, अनुसंधानकरने, परिणामोंकामूल्यांकनकरने, लेखप्रकाशितकरने, परामर्शलेनेऔरमान्यताप्राप्तकरनेऔर / याउनके द्वाराकिएगएशोधकेलिएपुरस्कारप्राप्तकरनेकेलिएमार्गदर्शनप्रदान करना है।

प्री-क्वालिफायर : NAAC केसंशोधितप्रत्यायनरूपरेखामेंमूल्यांकनएवं प्रत्यायन (A&A) केलिए, समकक्षटीमकेदौरे के लिए एकपूर्वशर्तहै।यहडेटामान्यकरणएवंसत्यापनप्रक्रिया (DVV) द्वाराQnMडेटाकेमान्यकरण औरसत्यापनसेसंबंधितन्यूनतम25% सिस्टमजनितस्कोर (SGS) परआधारित होताहै।प्री-क्वालीफायरकेरूपमें, संस्थानकोDVV प्रक्रियाकेबादअंतिमसत्यापनकेअनुसारमात्रात्मकमैट्रिक्स (Q_nM) स्कोरमेंकमसेकम25% स्कोरकरनाहोगा।यदिHEI प्री-क्वालीफायरचरणमें सफल नहीं होतेहै, तोअपेक्षितशुल्कजमाकरनेकेसाथ-साथIIQA कोपुनः आवेदनप्रस्तुत करना होगा।

समस्या - आधारितअध्ययन (PBL) : यह छात्र-केंद्रितशिक्षाविज्ञानहैजिसमेंछात्रकिसीविषयकेबारेमेंएकओपन-एंडेडसमस्याकोहलकरनेकेअनुभवकेमाध्यमसेसीखतेहैंजैसाकिट्रिगरसामग्रीमेंपायाजाताहै।PBL प्रक्रियापरिभाषितसमाधानकेसाथसमस्या-समाधानपरध्यानकेंद्रितनहींकरतीहै, लेकिनयहअन्यवांछनीयकौशलएवंविशेषताओंकेविकासकीअनुमतिदेतीहै।यहशिक्षार्थियोंकेबीचज्ञान प्राप्ति, उन्नतसमूहसहयोगऔरसंचारकोबढ़ानेकेलिएजानाजाताहै।

कार्यक्रम : एकसेचारवर्षोंकीअवधिमेंऔपचारिकतरीकेसेछात्रोंकोप्रदत्तअध्ययनअनुभवोंकीश्रृंखला, जिसकेपरिणामस्वरूपप्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्रीप्राप्तहोतीहै।उदाहरण: BA (अर्थशास्त्र) BSc (भौतिकी) आदि।सभीअनुमेयऔपचारिकडिग्रीकार्यक्रमोंकीअनुमतिUGC द्वाराकीदी जातीहैऔरउन्हेंसूचीबद्धकियाजाताहै।

कार्यक्रम विकल्प : छात्रोंकोसंस्थानमेंउनकेशैक्षिककार्यकालकेविभिन्नस्तरोंपरचुननेकेलिएकईतरहकेपाठ्यक्रमप्रदानकिएजातेहैं, जिससेडिग्री/डिप्लोमा/प्रमाणपत्रप्राप्तहोतेहैं।

कार्यक्रमपरिणाम : कार्यक्रमपरिणाम (**POs**) वेज्ञान, कौशलऔरदृष्टिकोणहैंजोस्नातककेपासस्नातककरने केदौरान होनाचाहिए।जबकिवर्तमानमें, किसीभीएजेंसीनेभारतमें**3** सालकेडिग्रीकार्यक्रमोंमेंसामान्यउच्चशिक्षाके**POs** कोऔपचारिकरूपसेपरिभाषितनहींकियाहै, अभियांत्रितीएवंअन्यक्षेत्रोंमेंसभीव्यावसायिककार्यक्रमोंके**POs** कीपहचानसंबंधितमान्यताएजेंसीद्वाराराष्ट्रीयस्तरपरकीजातीहै।**POs** अनुशासनकेलिएविशिष्टनहींहैं।

अनुसंधानऔरअनुसंधानसहायकप्रणाली कोबढ़ावादेना : अनुसंधानबजटआबंटन, शोधफेलोशिपएवंअन्यसुविधाओंमेंसंकायवछात्रोंकीभागीदारीकोसुगमबनाकरसंकायतथाछात्रोंके बीचअनुसंधानसंस्कृतिकोप्रोत्साहित करनेकीप्रक्रिया।

उपचारात्मकपाठ्यक्रम : शैक्षणिकरूपसेवंचितछात्रोंकोअपेक्षितशैक्षणिकआवश्यकताओंसेनिपटनेमेंमददकरनेकेलिएपाठ्यक्रम प्रस्तावितकिएजातेहैं।

अनुसंधान : नएज्ञानकीखोज, व्याख्याएवंसंशोधनकेउद्देश्यसेव्यवस्थितबौद्धिकअनुसंधान ।

अनुसंधानअनुदान : अनुसंधानपरियोजनाओंकेसंचालनकेलिएसंस्थानद्वाराविभिन्नवित्तपोषणएजेंसियोंसेप्राप्त/प्राप्तअनुदान।

अनुसंधानपरिणाम : गुणवत्ताअनुसंधानपरिणाम, सैद्धांतिकएवंव्यावहारिकनिष्कर्षोंसहितअनुशासन, समाज, उद्योगतथाज्ञानकेप्रसारकेलिएलाभप्रद।

संसाधन संग्रहण : आंतरिकऔरबाह्यस्रोतोंजैसेदान, परामर्श, स्व-वित्तपोषणपाठ्यक्रमएवंऐसेअन्यकेमाध्यमसेधनकासृजन।

SCOPUS : शोधकार्यकर्ताओंद्वारासंदर्भकीसुगमता केलिए, एल्सेवियरकासारऔरउद्धरणडेटाशीर्षस्तरकेविषयक्षेत्रोंमेंसहकर्मीकीसमीक्षितपत्रिकाएंहै।

अनुसंधानकेलिएबीजधन : वित्तपोषितपरियोजनाओंकेअभावमेंअनुसंधानकार्यकोसुविधाजनकबनानेकेलिएसंस्थानद्वाराशिक्षकयाशिक्षकोंकेसमूहको प्रदत्तधनराशि, इसपहलकोशिक्षकोंकोशोधकार्यप्रारंभकरनेकेलिएप्रोत्साहितकरनेऔरबादमेंपरियोजनाप्रस्तावतैयारकर नेऔरवित्तपोषितएजेंसियोंद्वाराऔपचारिकवित्तपोषणकीमांगकरनेकेलिएजानाजाताहै।

स्थिति : स्थितिसंदर्भकेभीतरभागीदारीकोसंदर्भितकरतीहै।यहप्रामाणिकसंदर्भोंमेंअध्ययनकेअनुभवोंके नियोजनकोभीसंदर्भितकरताहै।

SJR (SCImagoजर्नलएंडकंट्रीरैंक) : पोर्टलहैजिसमेंSCOPUSमेंनिहितजर्नलऔरजानकारीशामिलहै।यहसंकेतकपत्रिकाओंकीदृश्यताकोद र्शाताहै।SJR ईजेनवेक्टरकेंद्रीयतामापकाप्रकारहै, जिसकाउपयोगनेटवर्कसिद्धांतमेंकियाजाताहै, औरतीनसालकीअवधिमेंप्रभावकारक (IF) केउपयोगकाविकल्पहै, जिससेपत्रिकाकीप्रतिष्ठाकामूल्यांकनहोताहै।

कमजोरशिक्षार्थी : जिनछात्रोंकाशैक्षणिकप्रदर्शनकक्षाकेऔसतसेकमहै

SNIP (स्रोतसामान्यीकृतप्रभावप्रतिव्यक्ति) : अपनेविषयक्षेत्रकी "उद्धरणक्षमता" परतीनसालकेउद्धरणविंडोमेंप्रतिशोधपत्रस्रोतकीऔसतउद्धरणसंख्याकाअनुपातहै।

हितधारकसंबंध : संस्थाओंकेकार्योंमेंरुचिरखनेवालेसमूहोंयाव्यक्तियोंकेसाथसंबद्धताएवंअंतःक्रिया वसंगठनकेकार्यों, निर्णयों, नीतियों, प्रथाओंयालक्ष्योंकोप्रभावितकरनेकीक्षमतारखतेहैं।

रणनीतिकयोजना : पूर्वनिर्धारितसंस्थागतलक्ष्योंकीदिशामेंप्रगतिकरनेकेलिएविशिष्ट, क्रिया-उन्मुखमाध्यमयादीर्घकालिकयोजनाकेमाध्यमसेआगेबढ़नेकेलिएसंगठनकेलिएपाठ्यक्रमवदिशा विकसितकरनेकीसमन्वितएवंव्यवस्थितपद्धति।

रणनीतिविस्तार : संस्थागतवृद्धिएवंविकासकेलिएविशिष्टयोजनाओंसहितउद्देश्यों, निर्देशोंऔरदिशानिर्देशोंकानिर्धारण।

छात्रकेंद्रितपद्धति : छात्रोंपरकेंद्रितउत्पादोंएवं उनकेनिर्देशोंकीपद्धतियाँ।

छात्रप्रोफाइल : संस्थानकेछात्रसमुदायकीपूर्णजानकारी, आर्थिकएवंसामाजिकस्तरकेसंदर्भमेंउनकीविविधता, उनकेअधिवासकीजनसांख्यिकीयस्थिति, वअन्यपहलूजैसेलिंग, आयु, धर्म, जाति, पारिवारिकपृष्ठभूमि, ग्रामीण / शहरीस्थानआदि।

छात्रप्रगति : शिक्षाकेवर्तमान स्तरसेअगलेउच्चस्तरतकएवंउसकेबादलाभकारीरोजगारकीओरछात्रोंकासफलऔरऊर्ध्वाधरसंचल न।

छात्रसहायता : शुल्कसंरचनाएवंप्रतिदायनीतियोंकेबारेमेंजानकारीतकअभिगमकेमाध्यमसेसंस्थानद्वाराप्रदानकी जानेवालीव्यवस्थाकोसुगमबनानातथासाथहीअकादमिक/व्यक्तिगतमार्गदर्शन/परामर्शवप्लेसमें टसेलसुविधाओंसगितछात्रकल्याणउपायोंकेमाध्यमसेछात्रोंकेअध्ययनहेतुविभिन्नप्रकारकीसहाय ताप्रदानकरना।

SWAYAM : SWAYAM, भारतसरकारद्वाराप्रारंभकिया गया कार्यक्रमहै, जोशिक्षानीतिकेतीनप्रमुखसिद्धांतों, अभिगम, न्यायसम्यवगुणवत्ताकोप्राप्तकरनेकेलिएअभिकल्पितकियागयाहै।https://swayam.gov.in/

शिक्षकगुणवत्ता : संकाययोग्यता, भर्तीप्रक्रियाओंहेतुपर्याप्तता, व्यावसायिकविकास, मान्यताएवंप्रशंसनीयशिक्षकविशिष्टताओंकोइंगितकरनेकेलिएप्रयुक्त शब्द।

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

ट्विनिंगकार्यक्रम : दोसंस्थानोंकेमध्यव्यवस्था, जहांस्रोतदेशAमेंप्रदाता, देशBमेंप्रदाताकेसाथसहयोगकरतेहैंताकिछात्रोंकोदेशBऔर/यास्रोतदेशAमेंपाठ्यक्रमक्रेडिटलेने कीअनुमतिमिलसके।स्रोतदेशमेंप्रदाताद्वाराकेवलएकडिग्री या अर्हताप्रदानकीजातीहै।ट्विनिंगकार्यक्रमोंकीव्यवस्थाएवंडिग्रीप्रदानकरनाआमतौरपरस्रोतदेशA मेंप्रदाताकेराष्ट्रीयनियमोंकाअनुपालनकरताहै।

मूल्यवर्धितपाठ्यक्रम : अलग-अलगअवधिकेपाठ्यक्रमजोवैकल्पिकहैं व पाठ्यक्रमसेपरे/बाह्यहोतेहैंएवं जोमूल्यजोड़तेहैंतथाछात्रोंकोरोजगारप्राप्तमेंमददकरतेहैं।

नोट्स

उच्चशिक्षास्तरपरअध्ययनकेविभिन्नस्तरोंकेपरिणामोंहेतुकुछउदाहरणप्रदानकरनाआवश्यकमानाजाताहै ।यद्यपिकिसीभीएजेंसीनेभारतमेंसामान्यउच्चशिक्षाकेतीनवर्षीयडिग्रीकार्यक्रमकेPOs कोपरिभाषितनहींकियाहै, अभियांत्रिकीएवंअन्यक्षेत्रोंमेंसभीव्यवसायी कार्यक्रमोंकेPOs कोसंबंधितमान्यताप्राप्तएजेंसीद्वारारराष्ट्रीयस्तरपरपरिभाषितकिया जाताहै।राष्ट्रीयप्रत्यायनबोर्ड (NBA) द्वारापरिभाषितअभियांत्रिकी कार्यक्रमकेPOs के समूह है।येव्यापकयासंपूर्णनहींहैं। परंतुवेयह बतातेहैंकिकिसीभीशैक्षिककार्यक्रम/पाठ्यक्रमहेतु उपरोक्तपरिणामोंकोकिसप्रकार वर्णितकिया जासकताहै।यदिउच्चशिक्षासंस्थानद्वारा येपहले सेहीवर्णितहै, तोउन्हेंप्रस्तुतकियाजासकताहै; तथापि, यदिइनतीनोंस्तरोंमेंसेकोई भी परिणामसूचीबद्धनहींहैं, तोउन्हेंविकसितकियाजासकताहैएवंसंस्थागतवेबसाइटपरअपलोडकियाजासकताहै।

क्रेडिटहेतुनमूना

हरसेमेस्टरमेंप्रतिसप्ताहएकघंटेकासैद्धांतिकपीरियड

सेमेस्टरमेंप्रतिसप्ताहएकघंटेकाट्यूटोरियलपीरियड

सेमेस्टरमेंप्रतिसप्ताहदोघंटेका व्यावहारिकपीरियड

ISO प्रमाणन ISO 9001:2015 कार्यान्वयनसंसाधनोंकोप्रभावीढंगसेप्रबंधितकरनेमेंसहायकहोतेहैं, क्योंकिआपअपनेसभीसंसाधनोंकाअधिकतमसीमातकउपयोगकरनेमेंसक्षमहोंगे।एकबारजबसं स्थानISO 9001प्रमाणपत्रप्राप्तकरलेतेहैंतोइनप्रक्रियाओंकोनिरंतरसुधारनेहेतुमार्ग प्रशस्त हो जाता

कार्यक्रमपरिणाम प्रत्येकडिग्रीकार्यक्रमकेलिएविश्वविद्यालयद्वाराव्यापकअपेक्षाओंकोसूचीबद्धकियाजानाचाहिए। अभियांत्रिकीडिग्रीप्रोग्रामकेलिएNBA के उदाहरणनिम्नलिखित हैं-

PO1. **अभियांत्रिकीज्ञान:** जटिलअभियांत्रिकीसमस्याओंकेसमाधानहेतुगणित, विज्ञान, अभियांत्रिकीकीमूलभूतएवंअभियांत्रिकीविशेषज्ञताकेज्ञानका प्रयोग करें।.

PO2. **समस्याविश्लेषण:** गणित, प्राकृतिकविज्ञानएवंअभियांत्रिकीविज्ञानकेप्रथमसिद्धांतोंके उपयोग द्वारासत्यापितनिष्कर्षकेजटिलअभियांत्रिकीसमस्याओंकोपहचानें, तैयारकरें, शोधकरेंऔरविश्लेषितकरें।

PO3. **समाधानकाअभिकल्प/विकास:** जटिलअभियांत्रिकीसमस्याओंएवंअभिकल्पनप्रणालीघटकोंयाप्रक्रियाओंकेलिएअभिकल्पित समाधानजोसार्वजनिकस्वास्थ्यऔरसुरक्षा, वसांस्कृतिक, सामाजिकतथापर्यावरणीयविचारोंकेलिएउपयुक्तविचारकेसाथनिर्दिष्टआवश्यकताओं कोपूराकरतेहैं।

PO4. **जटिलसमस्याओंकीजांचकरना:** वैधनिष्कर्षप्रदानकरनेकेलिएप्रयोगोंकेअभिकल्पन, विश्लेषणएवंडेटाकीव्याख्या, तथाजानकारीकेसंश्लेषणसहितअनुसंधान-आधारितज्ञानवअनुसंधानविधियोंकाउपयोगकरें।

PO5. **आधुनिकउपकरणउपयोग:** सीमाओंकीसमझसहितजटिलअभियांत्रिकीगतिविधियोंहेतुभविष्यवाणीवमॉडलिंगसहितउपयुक्ततकनीकों, संसाधनोंतथाआधुनिकअभियांत्रिकीऔरIT उपकरणोंकोविकसित करें, चुनेंऔरलागू

PO6. **अभियंता एवंसमाज:** सामाजिक, स्वास्थ्य, सुरक्षा, विधिक एवंसांस्कृतिकमुद्दोंवव्यवसायी अभियांत्रिकीअभ्यासहेतुप्रासंगिकपरिणामीजिम्मेदारियोंकामूल्यांकनकरनेकेलिएप्रासंगिकज्ञानद्वारासूचिततर्कलागूकरें।

PO7. **पर्यावरणएवंस्थिरता:** सामाजिकएवंपर्यावरणीयसंदर्भोंमेंव्यवसायीअभियांत्रिकीसमाधानोंकेप्रभावकोसमझें , औरसततविकासकेज्ञानऔरआवश्यकताकोप्रदर्शितकरें।

PO8. **आचारनीति:** नैतिकसिद्धांतोंकोलागूकरेंएवंव्यवसायी नैतिकतातथाजिम्मेदारियोंवअभियांत्रिकीकार्यकेमापदंडोंकेलिएप्रतिबद्धरहे।

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

PO9. **व्यक्तिगतएवंटीमवर्क:** व्यक्तिकेरूपमें, औरविविधटीमोंमेंएकसदस्ययानेताकेरूपमेंऔरबहु-विषयकस्थितिमेंप्रभावीढंगसेकार्यकरना।

PO10. **संचार:**

अभियांत्रिकीसमुदायएवंबड़ेपैमानेपरसमाजकेसाथजटिलअभियांत्रिकीगतिविधियोंपरप्रभावीढंगसेसंसूचितकरें, जैसेकिप्रभावीरिपोर्टऔरअभिकल्पनप्रलेखनकोसमझनेऔरलिखनेमेंसक्षमहोना, प्रभावीप्रस्तुतिकरणकरनाऔरस्पष्टनिर्देशदेनाऔरप्राप्तकरना।

PO11. **परियोजनाप्रबंधनऔरवित्त:** अभियांत्रिकीऔरप्रबंधनसिद्धांतोंकेज्ञानऔरसमझको प्रदर्शितकरेंएवंइन्हेंएकटीममेंसदस्यऔरनेताकेरूपमें, परियोजनाओंकेप्रबंधनऔरबहु-विषयकवातावरणमेंअपनेस्वयंकेकार्यपरलागूकरें।

PO12. **आजीवनअध्ययन :** आवश्यकताकोपहचानें, एवंतकनीकीपरिवर्तनकेव्यापकसंदर्भमेंस्वतंत्रऔरआजीवनअध्ययनमेंसंलग्नहोनेकीतैयारीएवंक्षमतारखें।

तीनवर्षीयकार्यक्रमोंको प्रदान करने वालेविश्वविद्यालय/स्वायत्तमहाविद्यालयद्वारासामान्यउच्चशिक्षाकार्यक्रमोंकेPOs कीपहचानकीजानीचाहिए।

सामान्यउच्चशिक्षाकार्यक्रमोंकेनमूनाPOs: स्नातक शिक्षा प्राप्तकेदौरानसभीस्नातकसामान्यडिग्रीकार्यक्रमोंकेछात्रको निम्न के लिए सक्षमहोना चाहिए

PO1.**गहनसोच:**

हमारीसोचऔरकार्योंकोरचितधारणाओंकीपहचानकरनेकेबादसूचितकार्रवाईकरें, यहजांचेकियेधारणाएंकिसहदतकसटीकऔरमान्यहैं, एवंहमारेविचारोंवनिर्णयों (बौद्धिक, संगठनात्मकऔरव्यक्तिगत) कोविभिन्नदृष्टिकोणोंसेदेखे।

PO2.**प्रभावीसंचार:**

अंग्रेजीएवंएकभारतीयभाषामेंव्यक्तिगतरूपसेवइलेक्ट्रॉनिकमीडियाकेमाध्यमसेस्पष्टरू

पसेबोलें, पढ़ें, लिखेंऔरसुनेंतथालोगों, विचारों, पुस्तकों, मीडियाऔरप्रौद्योगिकीसेजुड़करदुनियाकेअर्थको समझे।

PO3. **सामाजिकसंपर्क:** समूहवातावरणमेंदूसरोंकेविचारप्राप्तकरें, असहमतिमेंमध्यस्थताकरेंऔरनिष्कर्षतकपहुंचनेमेंमददकरें।

PO4. **प्रभावीनागरिकता:** सहानुभूतिपूर्णसामाजिकप्रयोजनएवंसमानताकेंद्रितराष्ट्रीयविकास तथा विषयोंकेबारेमेंजागरूकतासहितकार्यकरनेऔरस्वयंसेवाकेमाध्यमसेनागरिकजीवनमेंभागलेनेकीक्षमताप्रदर्शितकरें।

PO5. **आचारनीति:** स्वयंकेसाथ-साथविभिन्नमूल्यप्रणालियोंकोपहचानें, अपनेनिर्णयोंकेनैतिकआयामोंकोसमझेंऔरउनकेलिएजिम्मेदारीस्वीकारकरें।

PO6. **पर्यावरणऔरस्थिरता:** पर्यावरणीयसंदर्भोंऔरसततविकासकेविषयोंकोसमझें।

PO7. **स्व-निर्देशितएवंआजीवनअध्ययन-:** व्यापकसंदर्भमेंसामाजिक-तकनीकीपरिवर्तनोंमेंस्वतंत्रऔरआजीवन अध्ययन में संलग्नहोनेकीक्षमताप्राप्तकरें।

कार्यक्रमविशिष्टपरिणाम

BSc प्राणीविज्ञानकेनमूनेPSOs

PSO1. कोशिकाजीवविज्ञान, जैवरसायन, वर्गीकरणऔरपारिस्थितिकीकीप्रकृतिऔरमूलभूतअवधारणाओंकोसमझें।

PSO2. पशु, पौधोंएवंरोगाणुओंकेमध्यसंबंधोंकाविश्लेषणकरें।

PSO3. जैवरसायन, जैवसूचनाविज्ञान, वर्गीकरण, आर्थिकप्राणीविज्ञानऔरपारिस्थितिकीकेक्षेत्रोंमेंप्रयोगशालामानकोंकेअनुसारप्रक्रियाएं करना।

PSO4. मधुमक्खीपालन, जलीयकृषि, कृषिऔरचिकित्सामेंजैविकविज्ञानकेअनुप्रयोगोंकोसमझें

बीएअर्थशास्त्रकेनमूनेPSOs

PSO1: भारतीयऔरविश्वअर्थव्यवस्थाकेव्यवहारकोसमझें

PSO2: भारतकीराजकोषीयएवंमौद्रिकनीतियोंसहितव्यापकआर्थिकनीतियोंकाविश्लेषणकरें

PSO3: सांख्यिकीयविधियोंकाउपयोगद्वारामुद्रास्फीति, बेरोजगारी, गरीबी,

सकलघरेलूउत्पाद, भुगतानसंतुलनसहितआर्थिकचरनिर्धारितकरें

PSO4: वित्तीयएवंमुद्राबाजारोंकेव्यवहारकोसमझेंऔरनिवेशनिर्णयलेनेकेलिएलागत-लाभका विश्लेषणकरें।

पाठ्यक्रमपरिणाम

पाठ्यक्रमकेनमूनेCOs "पशुविविधता - गैरकोर्डेटा

CO1 पशुवर्गीकरणपरसामान्यवर्गीकरणनियमोंकावर्णनकरें

CO2 फाइलमपोरिफेराकोवर्गीकरण कुंजियोंसहितवर्गीकृतकरें

CO3 फाइलमकोएलेंटेरेटाऔरइसकेबहुरूपताकावर्णनकरें

CO4 फासिओलाकाजीवनइतिहासऔरउसकावर्गीकरणलिखिए

CO5 फाइलमनेमाटोडाकावर्णनकरेंएवंरोगजनकनेमाटोडकेउदाहरणदें

CO6 फाइलमएनेलिडाकेलक्षणोंसहितइसकेवर्गीकरणकीपहचान करें।

CO7 फाइलमआर्थ्रोपोडाकेवर्गीकरणएवंविशिष्टताएंलिखिए।

CO8 दिएगएमोलस्काकोउनकेआर्थिकमहत्वकेसंदर्भमेंपहचानें।

CO9 फाइलमइचिनोडर्मेटा,

फाइलमहेमीकोर्डेटाऔरमाइनरफाइलाकेवर्गीकरणएवंविशिष्टताओंकोलिखिए।

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

परिशिष्ट2 : संक्षिप्ताक्षर

A&A (A/A)	-	मूल्यांकनएवंप्रत्यायन
AC	-	अकादमिकपरिषद
ACM	-	कंप्यूटिंगमशीनरीकेसहयोगी
AMC	-	वार्षिकरखरखावअनुबंध
AVRC	-	श्रव्य-दृश्यअनुसंधानकेंद्र
AICTE	-	अखिलभारतीयतकनीकीशिक्षापरिषद
AQAR	-	वार्षिकगुणवत्ताआश्वासनरिपोर्ट
BoS	-	अध्ययनबोर्ड
BCUD	-	महाविद्यालयएवंविश्वविद्यालयविकासबोर्ड
CAL	-	कंप्यूटर सहायताप्राप्तअध्ययन
CAS	-	उन्नतअध्ययनकेंद्र
CAT	-	सामान्य अभिक्षमतापरीक्षा
CBCS	-	विकल्पआधारितक्रेडिटप्रणाली
CD	-	कॉम्पैक्टडिस्क
CDC	-	महाविद्यालयविकासपरिषद
CEC	-	शैक्षिकसंचारसंघ
CGPA	-	संचयीग्रेडपॉइंटऔसत
Cr	-	मापदंड
Cr-GPA(s)	-	मानदंड-वारग्रेडप्वाइंटऔसत
COHSSIP	-	मानविकीएवंसामाजिकविज्ञानसुधारकार्यक्रमकेलिएसमिति
COSIP	-	विज्ञानसुधारकार्यक्रमसमिति
COSIST	-	विज्ञानएवंप्रौद्योगिकीकेआधारिकसंरचना सुधारकार्यक्रमकेसुदृढ़ीकरणकेलिएसमिति
CSA	-	सामाजिककार्रवाईकेलिएकेंद्र
CSIR	-	वैज्ञानिकएवंऔद्योगिकअनुसंधानपरिषद

CPE	-	उत्कृष्टताकेलिएसंभावितकॉलेज
DELNET	-	पुस्तकालयनेटवर्ककाविकास
DEP	-	दूरस्थशिक्षाकार्यक्रम
DRS	-	UGCकीविभागीयअनुसंधानसहायता
DSA	-	UGC कीविभागीयविशिष्टसहायता
DST	-	विज्ञानएवंप्रौद्योगिकीविभाग
EMRC	-	शैक्षिकमल्टीमीडियाअनुसंधानकेंद्र
FIST	-	विज्ञानएवंप्रौद्योगिकीकेआधारिकसंरचना मेंसुधारहेतुनिधि
GATE	-	अभियांत्रिकी मेंस्नातकअभिक्षमतापरीक्षा
GATS	-	सेवाओंमेंव्यापारपरसामान्यसमझौता
GMAT	-	स्नातकप्रबंधननामांकनपरीक्षा
GRE	-	स्नातकअभिलेखपरीक्षा
IAS	-	भारतीयप्रशासनिकसेवाएं
ICHR	-	भारतीयऐतिहासिकअनुसंधानपरिषद
ICPR	-	भारतीयदार्शनिकअनुसंधानपरिषद
ICSSR	-	भारतीयसामाजिकविज्ञानअनुसंधानपरिषद
ICT	-	सूचनाएवंसंचारप्रौद्योगिकी
IEEE	-	इलेक्ट्रिकलएवंइलेक्ट्रॉनिकअभियंतसंस्थान
IIQA	-	गुणवत्तामूल्यांकनहेतुसंस्थागतसूचना
IQAC	-	आंतरिकगुणवत्ताआश्वासनकक्ष
IQAS	-	आंतरिकगुणवत्ताआश्वासनप्रणाली
INFLIBNET	-	सूचनाएवंपुस्तकालयनेटवर्क
INQAAHE	-	उच्चशिक्षामेंगुणवत्ताआश्वासनएजेंसियोंहेतुअंतर्राष्ट्रीयनेटवर्क
INSA	-	भारतीयराष्ट्रीयविज्ञानअकादमी
IPR	-	बौद्धिकसंपदाअधिकार
ISR	-	संस्थागतसामाजिकउत्तरदायित्व

IUC	-	अंतर विश्वविद्यालय केंद्र
KI	-	मुख्यसंकेतक
KI-GP(s)	-	प्रमुखसंकेतक-वारग्रेडप्वाइंट
MHRD	-	मानवसंसाधनएवंविकासमंत्रालय
MoC	-	अनुबंधज्ञापन
MoU	-	समझौताज्ञापन
MIR	-	न्यूनतमसंस्थागतआवश्यकताएँ
MIS	-	प्रबंधनसूचनाप्रणाली
NCTE	-	शिक्षकशिक्षाकेलिएराष्ट्रीयपरिषद
NET	-	राष्ट्रीयपात्रतापरीक्षा
NGO	-	गैरसरकारीसंगठन
NME-ICT	-	सूचनाएवंप्रौद्योगिकीकेमाध्यमसेशिक्षापरराष्ट्रीयमिशन
NPE	-	शिक्षापरराष्ट्रीयनीति
NPTEL	-	राष्ट्रीयप्रोग्राम्डशिक्षणउन्नतअध्ययन
OMR	-	ऑप्टिकलमार्करिकग्निशन
OPAC	-	ऑनलाइनपब्लिकएक्सेसकैटलॉग
PTR	-	समकक्षटीमरिपोर्ट
QAA	-	गुणवत्ताआश्वासनएजेंसी
SAP	-	विशेषसहायताकार्यक्रम
SET/SLET	-	राज्यस्तरीयपात्रतापरीक्षा
SJR	-	SCImagoजर्नलरैंक
SLQACC	-	राज्यस्तरीयगुणवत्ताआश्वासनसमन्वयसमिति
SNIP	-	स्रोतसामान्यीकृतप्रभावप्रतिशोधपत्र
SSR	-	स्व-अध्ययनरिपोर्ट
SWOC	-	ताकत, कमजोरियां, अवसरएवंचुनौतियां
TEI	-	शिक्षकशिक्षासंस्थान
TOEFL	-	विदेशीभाषाकेरूपमेंअंग्रेजीपरीक्षा

UGC	-	विश्वविद्यालयअनुदानआयोग
UNESCO	-	संयुक्तराष्ट्रशैक्षिक, वैज्ञानिकएवंसांस्कृतिकसंगठन
UNO	-	संयुक्तराष्ट्रसंगठन
UNICEF	-	संयुक्तराष्ट्रबालशैक्षिकफाउंडेशन
UNDP	-	संयुक्तराष्ट्रविकासकार्यक्रम
USIC	-	विश्वविद्यालयविज्ञानउपकरणकेंद्र
Wi-Fi	-	वायरलेसनिष्ठा
YRC	-	यूथरेडक्रॉस

कॉपीराइटपं. सं: L-94579/2020

NAAC सेसंपर्ककरें

निदेशक

राष्ट्रीयमूल्यांकनएवंप्रत्यायनपरिषद (NAAC)

(विश्वविद्यालयअनुदानआयोगकास्वायत्तसंस्थान)

P.O. Box No. 1075, नागरभावी, बेंगलुरु- 560 072

फ़ोन*: + 91-08-2321 0261/62/63/64/65*

फैक्स*: + 91-08-2321 0268, 2321 0270*

NATIONAL ASSESSMENT
ACCREDITATION